www.deshbandhu.co.in ख़बरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | RNI No. - MPHIN/2018/76121

देशबन्धु

वर्ष – 7 ❙ अंक – 345 ❙ नर्मदापुरम, रविवार 23 मार्च 2025 ❙ पृष्ठ–8 ❙ मूल्य – 2.00 रुपए

हर की पौड़ी स्टाइल में बनने वाली आंवली घाट की नहर अधूरी पड़ी — पृष्ठ 2

- हवा में रहेगी मेरे ख़याल की बिजली...
- 'आन गांव के सिद्ध' हैं, 'घर के जोगी' — पृष्ठ 4

- खाद्यान्न गबन की जांच रिपोर्ट : 8 साल बीतने के बाद भी सेल्समैन पर नहीं हुई एफआईआर — पृष्ठ 5

बिहार ने विकास के नए आयाम गढ़े — पृष्ठ 8

पूर्व महाधिवक्ता आनंद मोहन माथुर नहीं रहे

इंदौर, देशबन्धु। स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, पूर्व महाधिवक्ता और वरिष्ठ समाजसेवी आनंद मोहन माथुर का आज 97 वर्ष की आयु में निधन हो गया। कुछ समय पहले तक वे सामाजिक आयोजनों और आंदोलनों में सक्रिय रहे साथ ही वकालत भी करते रहे। लंबी बीमारी के बाद उन्होंने आज सुबह अंतिम सांस ली। स्व. माथुर का अंतिम संस्कार 23 मार्च को रामबाग मुक्तिधाम पर किया जाएगा। इसके पहले उनके निज निवास रतलाम कोठी से सुबह 11 बजे से उनकी अंतिम यात्रा निकलेगी।

स्व. माथुर किशोरावस्था में ही अंग्रेजों के खिलाफ हो रहे आंदोलनों में हिस्सेदारी करने लगे थे। इसका खामियाजा उनके परिवार को भुगतना पड़ा। साथ ही उन्हें परिवार का साथ भी छोड़ना पड़ा था। इसके बाद वे गांव छोड़कर इंदौर आ गए। उन्होंने मालवा मिल में मजदूर के रूप में काम भी किया और कॉलेज में अध्यापन का कार्य भी किया। हालांकि स्व. माथुर का सपना डॉक्टर बनने का था, लेकिन बाद में उन्होंने वकालत को अपना पेशा बनाया। स्व. माथुर ने इंदौर में स्वयं के खर्च पर एक सभागृह, झूला ब्रिज और ओपीडी सहित अन्य काम कराए थे। वे कई सामाजिक संगठनों से भी जुड़े थे। उनके निधन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, राजेन्द्र शुक्ल, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, ▪ शेष पृष्ठ 6 पर

चेन्नई में परिसीमन मुद्दे पर तमिलनाडु समेत 5 राज्यों के 14 नेता हुए एकजुट

25 साल टाला जाए परिसीमन

- स्टालिन के नेतृत्व में बनाई गई संयुक्त कार्रवाई समिति
- हैदराबाद में होगी अगली बैठक

चेन्नई, एजेंसी। राज्यों में लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर शनिवार को 5 राज्यों के मुख्यमंत्रियों और डिप्टी सीएम की बैठक चेन्नई में हुई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने चेन्नई में यह बैठक बुलाई, जिसमें 5 राज्यों के 14 नेता शामिल हुए। बीजद प्रमुख नवीन पटनायक और टीएमसी भी इसमें शामिल हुई।

इस दौरान स्टालिन के नेतृत्व में एक संयुक्त कार्रवाई समिति बनाई गई। जिसने परिसीमन पर प्रस्ताव पारित किया कि 1971 की जनगणना जनसंख्या के आधार पर संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों पर रोक को अगले 25 साल तक बढ़ाया जाए। साथ ही कहा कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम प्रभावी ढंग से लागू किया है, वहां संवैधानिक संशोधन लागू किए जाएं। इस बैठक में दक्षिण

> हमारी पहचान खतरे में पड़ जाएगी, संसद में सीटें कम नहीं होनी चाहिए : स्टालिन

भारत देश भर की प्रमुख राजनीतिक हस्तियों ने हिस्सा लिया है। चर्चा से पहले स्टालिन ने केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और बीआरएस नेता केटी रामाराव का स्वागत किया। बता दें कि परिसीमन के मुद्दे पर मुख्य रूप से दक्षिण भारत के राज्य ही अपनी चिंताएं जाहिर कर रहे हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा कि निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन पर अगली बैठक हैदराबाद, तेलंगाना में होगी। परिसीमन संसदीय और विधानसभा क्षेत्रों को जनसंख्या परिवर्तन के अनुसार पुन: परिभाषित करने की प्रक्रिया है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में लगभग समान संख्या में लोग रहते हों। दूसरे शब्दों में कहा जाए तो परिसीमन सीधे आकार से जुड़ा हुआ है। बड़ी आबादी वाले राज्यों को ▪ शेष पृष्ठ 6 पर

कांग्रेस अधिवेशन के लिए समितियां गठित

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने गुजरात के अहमदाबाद में आठ तथा नौ अप्रैल को होने वाले अधिवेशन के लिए स्वागत समिति, आवास समिति, मंच व्यवस्था देखभाल सहित विभिन्न समितियों का गठन किया है जिसमें कई प्रमुख नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने यहां बताया कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस समितियों को मंजूरी है और समितियों के सभी पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से अपना काम शुरु करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा स्वागत समिति का अध्यक्ष प्रदेश कांग्रेस के प्रमुख शक्तिसिंह गोहिल को बनाया गया है जबकि संयोजक का दायित्व अमित चावडा को सौंपा गया है। समिति में ऊषा नायडू, सुभाषिनी यादव, भारत सोलंकी सहित 49 पदाधिकारियों को शामिल किया गया है।

उड़ान में देरी पर एयर इंडिया पर भड़कीं सुप्रिया सुले

नई दिल्ली, एजेंसी। एनसीपी एसपी सांसद सुप्रिया सुले ने उड़ान में देरी को लेकर एयर इंडिया की तीखी आलोचना की है। वहीं एयरलाइन ने कहा कि यह हमारे बस में नहीं है। सांसद ने केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू से अपील की कि वे एयरलाइंस को जवाबदेय बनाने के लिए कड़े नियम कानून लागू करें। सुप्रिया सुले ने बताया कि उनकी फ्लाइट करीब एक घंटे 19 मिनट देर हुई। उन्होंने कहा कि यह लगातार देखा जा रहा है कि फ्लाइट्स में देरी हो रही है और इससे यात्री परेशान हो रहे हैं।

संघ के सह सरकार्यवाह का बड़ा बयान

भाजपा-संघ के रिश्तों में कोई खटास नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी। अध्यक्ष पद को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भाजपा के बीच खटास की खबरों के बीच अब इस मुद्दे पर संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार का बड़ा बयान सामने आया है। अरुण कुमार ने संघ और भाजपा के बीच तनाव के मुद्दे को खारिज कर दिया है।

उन्होंने कहा भाजपा से संघ के रिश्तों में कोई खटास नहीं है और राष्ट्र की तरक्की के लिए आज भी पूर्ववत मिलकर काम करते हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की नियुक्ति में हो रही देरी पर अरुण कुमार ने कहा कि उनकी चुनावी अपनी प्रक्रिया है और उसका पालन करते हुए भाजपा जिला और प्रदेशों के अध्यक्ष चुनाव करा रही है। सभी संगठनों द्वारा अपने सदस्य बनाने की प्रक्रिया है। वो अपने हिसाब से मंडल स्तर से लेकर टॉप लेवल तक का चुनाव करते हैं. किसी भी संगठन में अध्यक्ष चुनाव के लिए संघ से कोई समन्वय नहीं किया जाता। भारतीय जनता पार्टी में संगठन के चुनाव चल रहे हैं। हाल ही में उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति हुई है। इसी तरह से प्रदेश स्तर और फिर राष्ट्रीय स्तर पर भी पार्टी के अध्यक्ष का चुनाव होना है। कई राज्यों में संगठन के चुनाव हो भी चुके हैं इस महीने के अंत में या फिर अगले महीने बीजेपी को नया अध्यक्ष मिलने की संभावना है।

हर संगठन अपने काम के लिए स्वयं में स्वतंत्र

अरुण कुमार से जब पूछा गया कि माना जा रहा है कि भाजपा अध्यक्ष की नियुक्ति में हो रही देरी का कारण ये है कि संघ और भाजपा में आपस में ठन गई है। इस पर उन्होंने कहा कि संघ के स्वयंसेवक 32 संगठनों में काम करते हैं। हर संगठन अपने काम के लिए स्वयं में स्वतंत्र और स्वायत्त है और उनकी अपनी निर्वाचन प्रक्रिया भी है।

दिल्ली में होगा विक्रमोत्सव महोत्सव का आयोजन, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केन्द्रीय गृह मंत्री को मुख्यमंत्री ने किया आमंत्रित

विक्रमादित्य के जीवन और शासन व्यवस्था से लोगों को अवगत कराया जाएगा

12-13 एवं 14 अप्रैल को होंगे कार्यक्रम

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारतीय ज्ञान परम्परा से विरासत से विकास के ध्येय को देश में साकार कर रहे हैं। भगवान श्रीराम के बाद सम्राट विक्रमादित्य का शासन ही सुशासन की मिसाल स्थापित करता है। प्रदेश सहित देश के विभिन्न भागों में विक्रमोत्सव अंतर्गत हो रहे कार्यक्रम सम्राट विक्रमादित्य के जीवन के विभिन्न पहलुओं और उनकी शासन व्यवस्था से जन-जन को प्रेरित कराने का एक अभूतपूर्व प्रयास है। आगामी 12-13 और 14 अप्रैल को नई दिल्ली में सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित भव्य आयोजन होने जा रहा है। इसमें राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री श्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को आमंत्रित किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि न्यायप्रियता, ज्ञानशीलता, धैर्य, पराक्रम के साथ सम्राट विक्रमादित्य ने सुशासन के सभी सूत्रों को स्थापित करते हुए अपने सुयोग्य 32 मंत्रियों का चयन किया, इसीलिए उनके सिंहासन को सिंहासन बत्तीसी कहा जाता है।

विक्रमादित्य ने शून्य प्रतिशत ब्याज पर राशि देकर व्यापार-व्यवसाय को प्रोत्साहित किया और हर व्यक्ति के लिए आशियाने की बात कही। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भी शहरी हो या गरीब सभी के लिए पक्के मकान की व्यवस्था के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। उनके द्वारा बिना ब्याज के धन राशि उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी की गई है। शिक्षा, न्यायप्रियता प्रत्येक क्षेत्र में भारत को आगे बढ़ाने के लिए सम्राट विक्रमादित्य का काल और आज के इस काल में अनेकों समानताएं हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विक्रमोत्सव भारतीय ज्ञान परम्परा के विभिन्न पहलुओं के प्रकटीकरण का एक माध्यम है। माना जाता है कि तीन भाईयों की जोड़ी विश्व में प्रसिद्ध है, इनमें प्रथमत: भगवान श्रीराम और लक्ष्मण की, श्रीकृष्ण और बलराम की तथा तीसरी जोड़ी सम्राट विक्रमादित्य और भृतहरि की है। यह तीसरी जोड़ी मध्यप्रदेश से है। यह सौभाग्य का विषय है कि सम्राट विक्रमादित्य की राजधानी उज्जैन रही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गुड़ी पड़वा पर सम्राट विक्रमादित्य के जीवन चरित्र पर केन्द्रित आयोजन सम्पूर्ण प्रदेश में होंगे।

शाह से मिले सुक्खू, मुआवजा राशि जारी करने का आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शनिवार को यहां केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह से भेंट करके आपदा से हुए नुकसान के लिए मुआवजे की राशि जारी करने का आग्रह किया।

हिमाचल प्रदेश सरकार की आधिकारिक सूचना के अनुसार, 'मुख्यमंत्री ने गृह मंत्री से वर्ष 2023 के मानसून में भीषण प्राकृतिक आपदा के दौरान प्रदेश को हुए भारी नुकसान के लिए मुआवजा जारी करने का आग्रह किया। राज्य सरकार ने आपदा उपरांत आवश्यकता मूल्यांकन वित्तीय सहायता प्रदान करने का केंद्र से अनुरोध किया है लेकिन केंद्र सरकार ने अब तक राहत राशि प्रदान नहीं की गई है।' उन्होंने कहा, 'श्री ठाकुर ने गृह मंत्री को बताया कि प्राकृतिक आपदा के दौरान पेयजल, सिंचाई योजनाएं, अधोसंरचना, सड़कों और पुलों को भारी क्षति पहुंची थी।

प्रसिद्ध साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को मिलेगा ज्ञानपीठ पुरस्कार

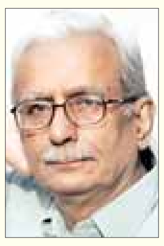

नई दिल्ली, देशबन्धु। प्रख्यात साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को वर्ष 2024 के लिए 59वां ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किए जाने की घोषणा की गई है।

भारतीय ज्ञानपीठ ने शनिवार को एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक, शुक्ल को हिंदी साहित्य में उनके अद्वितीय योगदान, सृजनात्मकता और विशिष्ट लेखन शैली के लिए पुरस्कार देने का निर्णय लिया गया है। वह हिंदी के 12वें साहित्यकार हैं, जिन्हें यह पुरस्कार प्रदान किया जा रहा है। शुक्ल छत्तीसगढ़ के ऐसे पहले लेखक हैं, जिन्हें यह सम्मान मिलेगा। प्रसिद्ध कथाकार एवं ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रतिभा राय की अध्यक्षता में हुई बैठक में शुक्ल को पुरस्कार देने का निर्णय लिया गया। बैठक में चयन समिति के अन्य सदस्य के रूप में माधव कौशिक, दामोदर मावजो, प्रभा वर्मा और डॉ. अनामिका, डॉ ए. कृष्णा राव, प्रफुल्ल शिलेदार, जानकी प्रसाद शर्मा और ज्ञानपीठ के निदेशक मधुसूदन आनंद शामिल थे। लेखक, कवि और उपन्यासकार शुक्ल (88 वर्ष) की पहली कविता 1971 में 'लगभग जयहिंद शीर्षक से प्रकाशित हुई थी। उनके प्रमुख उपन्यासों में 'नौकर की कमीज, 'दीवार में एक खिड़की रहती थी ▪ शेष पृष्ठ 6 पर

विशेष सम्पादकीय

विनोदजी को ज्ञानपीठ : विशिष्ट शिल्प और मानवीय संवेदना की स्वीकार्यता

• डॉ. दीपक पाचपोर

मुझे बचाना है
एक-एक कर
अपनी प्यारी दुनिया को
बुरे लोगों की नज़र है
इसे खत्म कर देने को

ऐसे दौर में जब दुनिया को बहुत सी आसुरी शक्तियां खराब या तहस-नहस करने अथवा बर्बाद ही कर देने पर आमादा है, वैसे में फिलवक्त के हिन्दी के सर्वाधिक लोकप्रिय साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को इस साल के 'भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार' से नवाजा जाना मानवीय संवेदना के महत्व को पुन: प्रतिष्ठित करने जैसा है। दुनिया और विशेषकर भारत जिस संवेदनहीनता से एक कदम आगे बढ़कर क्रूर हो चला है, वैसे में विनोद जी को साहित्य का मिला सर्वोच्च पुरस्कार दिलासा देता है कि हां, शब्द-शक्ति का महत्व बना हुआ है और दुनिया को जिस मानवीय संवेदनाओं की ज़रूरत है उसकी आपूर्ति करने वाला एक कलमकार है। दुनिया को बचाने के लिये उनकी कविताओं को, उनके उपन्यासों, कहानियों और यहां तक कि बच्चों के लिये लिखे को फिर से पढ़ने की सख्त ज़रूरत है।

यूं तो साहित्यकार किसी एक भू-भाग से सिमटकर नहीं रह सकता क्योंकि वह रहता चाहे किसी एक इलाके में हो, स्वाभाविकत: वहीं की उसकी खास जीवन शैली होगी, लिखता-बोलता कोई एक भाषा हो लेकिन सृजन के जरिये वह सकल विश्व का होता है। हवा-पानी की तरह उसका कोई देस नहीं होता। अपनी संवेदनात्मकता तथा अनुभूतियों के जरिये वह निर्बन्ध हो जाता है। ज्यों रवीन्द्रनाथ टैगोर बांग्ला में लिखे जाने के बावजूद विश्व की थाती हैं या कुसुमाग्रज मराठी में सीमित न रहकर समग्र धरा की विरासत बनते हैं, वैसे ही विनोद जी की शब्द सम्पदा चाहे हिन्दी हो पर वे सभी लोगों के हैं, सभी प्रदेशों के हैं, देशों के हैं। अनुभूतियों से सम्पन्न साहित्यकार, कलाकार यहां तक कि वैज्ञानिक या खेल प्रतिभाएं जहां जन्म लेती हैं उन प्रदेशों में गर्व की विशेष अनुभूति होनी स्वाभाविक ही है; तो भला छत्तीसगढ़ क्यों न आल्हादित हो, गर्व महसूस करे?

1 जनवरी, 1937 को राजनंदगांव में जन्मे विनोद कुमार शुक्ल कुमार शुक्ल ने कविताएं हों या उपन्यास- कथ्य और शिल्प के स्तर पर खालिस नयी जमीन का निर्माण किया है। ऐसे वक्त में जब हिन्दी साहित्य की दो विभिन्न धाराएं थीं, एक का उत्स अज्ञेय जी की कलम से होता था तो दूसरी धारा मुक्तिबोध की थी। बेहद आश्चर्य की बात कि अनेक दिग्गजों के घनघोर साहित्य सृजन के बीच अपने स्वभाव के अनुरूप शांत व गुपचुप विनोद जी▪ शेष पृष्ठ 6 पर

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

वार्ड 21 में कई वर्षों बाद बन रही रोड, नपाध्यक्ष ने किया निरीक्षण

इटारसी, देशबन्धु। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने वार्ड क्रमांक 21 में सड़क निर्माण का निरीक्षण किया। यहां कई वर्षों बाद सड़क का निर्माण हो रहा है, जिससे यहां के नागरिक बेहद प्रसन्न हैं। आज जब नपाध्यक्ष यहां निरीक्षण करने पहुंचे तो उनको सभी ने धन्यवाद दिया। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने बताया कि यहां 140 मीटर लंबी रोड बन रही है, नागरिकों की विशेषकर बहनों की काफी समय से यह मांग थी, उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान उपयंत्री मुकेश जैन व टाइम कीपर राजेश दीक्षित मौजूद थे।

अहिरवार समाज संघ के सदस्य कल करेंगे चमरदल का भ्रमण

इटारसी, देशबन्धु। अहिरवार समाज संघ जिला नर्मदापुरम के तत्वावधान में कल 23 मार्च दिन रविवार, दोपहर 12 बजे से चंवर वंश के राजा वीर मथुरा महाराज के महल के भ्रमण का कार्यक्रम होगा।

मथुरा महाराज का गौरवशाली इतिहास है जिन्होंने अपने राज्य काल के समय चमड़े के नोट व सिक्के चलाए। उनका ऐतिहासिक किला तवा नदी के तट पर ग्राम रानीपुर तवा नगर में चमर दल महल के नाम से प्रसिद्ध है। यह वर्तमान स्थिति में छत विक्षत हो चुका है। वीर मथुरा महाराज रविदास समाज के आस्था का प्रतीक हैं। आज भी क्षेत्र में रविदास समाज के घरों में वीर मथुरा जी की पूजा होती है। उनके इतिहास को जानने के लिए व महल भ्रमण के लिए कल एक दिवसीय प्रोग्राम दोपहर 12 से रखा गया है, जिसमें समस्त सामाजिक बंधुओं से अपील की है कि वह ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित होकर चंवर वंश के गौरवशाली इतिहास को जाने। उक्त जानकारी अहिरवार समाज संघ युवा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर अजय अहिरवाल द्वारा दी गई।

मारवाड़ी समाज की महिलाएं धूमधाम से मना रही गणगौर उत्सव

सिवनी मालवा,देशबन्धु। सीताराम मंदिर में मारवाड़ी समाज की महिलाओं का 16 दिवसीय गणगौर उत्सव बड़े धूमधाम एवं उत्साह शुरू हुआ। मारवाड़ी समाज की सदस्य नीरू राठी ने बताया प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी मारवाड़ी समाज की

महिलाओं द्वारा गणगौर उत्सव पर कलश सजाकर पाती खेली जा रही है।

कलश में जल भरकर उसे फूलों और पत्तियों से सजाया जाता है। गुलाल और भोडल लगाकर कलश की पूजा की जाती है। गणगौर के गीत गाए जाते हैं एवं गीतों पर नृत्य किया जाता है। महिलाओं द्वारा कलश को मंदिर में लाया जाता है। तत्पश्चात ईशरजी एवं गौराजी को दोहे के साथ अपने अपने पति का नाम लेकर सभी महिलाएं पानी पिलाती है ज्वारे के गीत गाए जाते हैं एवं पूजा अर्चना कर आरती की जाती है। मारवाड़ी समाज की महिलाओं द्वारा शीतला सप्तमी से पाती खेलना शुरू हो जाती है। प्रतिदिन मारवाड़ी समाज की महिलाओं द्वारा अलग-अलग स्थानों पर कलश सजाकर ले जाते हैं, वहां झाले वाले लेकर पाती खेली जाती है। प्रतिदिन महिलाओं द्वारा किसी न किसी की तरफ से पार्टी दी जाती है। मारवाड़ी समाज की महिलाओं में माहेश्वरी समाज, ब्राह्मण समाज, अग्रवाल समाज, खंडेलवाल समाज, जैन समाज सहित सकल मारवाड़ी समाज की महिलाएं उपस्थित थीं।

पंचायत सचिव संग गाली गलौच, शासकीय कार्य करने से रोका

इटारसी, देशबन्धु। प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वे के लिए ग्राम माछा गये एक पंचायत सचिव के साथ तीन लोगों ने रास्ता रोककर शासकीय कार्य में बाधा पहुंचायी और गाली गलौच करते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने पंचायत सचिव की शिकायत पर तीनों आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोहागपुर थानांतर्गत ग्राम माछा में पंचायत सचिव लखनलाल पिता बुद्धराम प्रजापति 52 साल, निवासी गुरारी के साथ ग्राम माछा के श्रवण कुमार पुर्विया, पर्वत कीर और गुलाब विश्वकर्मा ने रास्ता रोककर शासकीय कार्य में बाधा पहुंचायी और गाली गलौच करते हुए मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी।

सुपर स्पैशियेलिटी कैंप 30 मार्च को

इटारसी, देशबन्धु। मां नर्मदा महाविद्यालय, गोंची तरोंदा रोड में नर्मदा देवी हरिनारायण अग्रवाल की स्मृति में मां नर्मदा शिक्षा समूह द्वारा अपोलो सेज हॉस्पिटल भोपाल के सहयोग से 30 मार्च, रविवार को सुपर स्पेशियेलिटी कैंप का आयोजन होगा। इस कैंप में वाइटल चेकअप, ब्लड प्रेशर, रेंडम ब्लड शुगर, ईसीजी, फाइब्रो स्कैन, आडियोमेट्री, आंखों का चेकअप के अलावा डॉक्टर्स परामर्श मिलेगा।

हर की पौड़ी स्टाइल में बनने वाली आंवली घाट की नहर अधूरी पड़ी

कलेक्टर ने किया निरीक्षण और मदद करने का आश्वासन दिया

इटारसी, देशबन्धु। नगर पालिका में अलग-अलग कार्यों का निरीक्षण करने आई कलेक्टर सुश्री सोनिया मीणा को हर की पौड़ी स्टाइल में अधूरी पड़ी नहर को पूरा करने के लिए निरीक्षण कराया। इस निरीक्षण के दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष प्रीति शुक्ला ने कलेक्टर को विस्तार से जानकारी दी।

दरअसल पिछले 10 वर्षों से हर की पौड़ी स्टाइल में बनने वाली नहर का कार्य अधूरा पड़ा हुआ है और यह स्थान सिवनी मालवा क्षेत्र में अत्यधिक श्रद्धा और लोक आस्थाओं से जुड़ा हुआ है। श्रीमती प्रीति शुक्ला के जिला अध्यक्ष बनने के बाद महिलाओं के अनेक प्रतिनिधि मंडलों ने मिलकर उनसे आंवली घाट स्थित नर्मदा जी की धार को मोड़कर बनाई गई नहर को चालू करने की मांग की थी। इसी मांग को ध्यान में रखते हुए प्रीति शुक्ला ने कलेक्टर को आंवली घाट आमंत्रित किया।

आंवली घाट पहुंचने पर कलेक्टर सुश्री सोनिया मीणा को प्रीति शुक्ला ने संपूर्ण अवस्थाओं की विस्तार जानकारी देते हुए नहर के संबंध में पूरी जानकारी दी। 40 मिनट से अधिक समय तक रुकने के बाद कलेक्टर ने हर की पौड़ी स्टाइल में बनने वाली नहर के संबंध में तवा नहर विभाग के इंजीनियर और एनवीडीए के इंजीनियर से चर्चा कर पूरी नहर की जांच करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने प्रीति शुक्ला सहित उपस्थित सभी जन समूह को आश्वास्त किया कि जो भी यथासंभव प्रयास होंगे हम करेंगे। इस संबंध में कलेक्टर ने बताया कि पूरे प्रकरण की एक रिपोर्ट बनाकर हम राज्य सरकार के सामने प्रस्तुत करेंगे। इस संबंध में जो भी होगा यथासंभव मदद की जाएगी।

ग्राम पंचायत ग्वाड़ी के सरपंच विनोद टेमरे ने बताया कि आंवली घाट में सिवनी मालवा क्षेत्र के एक बड़े हिस्से से लोग अपने परिजनों के अंतिम संस्कार के लिए आंवली घाट आते हैं, लेकिन आंवली घाट में मुक्तिधाम की व्यवस्थित व्यवस्था नहीं होने के कारण लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जनप्रतिनिधियों ने नर्मदा जी के किनारे ऊंचा उठाकर शमशान घाट बनाने की मांग कलेक्टर से की।

इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष श्रीमती प्रीति शुक्ला, दादाजी गौशाला के अध्यक्ष दीपक पालीवाल, ग्राम पंचायत हथनापुर गुवाड़ी के सरपंच विनोद टेमरे, हर्षित शर्मा, भीलटदेव ग्रामीण मंडल अध्यक्ष, नपा अध्यक्ष रितेश जैन, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राधेश्याम पटेल, छगनलाल पटेल, बालकृष्ण शर्मा सहित अनेक समाजसेवी उपस्थित थे।

एमजीएम कॉलेज में विश्व जल दिवस पर कार्यशाला का आयोजन

इटारसी, देशबन्धु। शासकीय महात्मा गांधी स्मृति स्नातकोत्तर महाविद्यालय इटारसी के एनसीसी विभाग एवं भूगोल विभाग के तत्वावधान में 'विश्व जल दिवस' पर जल जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें किंगन वाटर प्यूरीफायर से रामू कुशवाहा ने जल के महत्व जल की उपयोगिता और जल संरक्षण पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. राकेश मेहता द्वारा इस वर्ष की थीम 'ग्लेशियर संरक्षण' पर चर्चा करते हुए कहा कि ग्लेशियरों का संरक्षण हम सभी की सर्वोच्च प्राथमिकता है। हमें हिमनदों के पिघलने की गति को धीमा करने के लिए ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना होगा और पिघले मीठे पानी का बेहतर ढंग से प्रबंधन करना होगा। पानी का उचित प्रबंधन ही भविष्य की पीढ़ी को जल दे सकता है। इस अवसर पर आमंत्रित वक्ता रामू कुशवाहा ने कहा कि हम सब जानते हैं कि हमारे शरीर में 70 प्रतिशत पानी है, परंतु फिर भी हम खाने को ज्यादा महत्व देते हैं, न कि पानी को। इसलिए अधिकांश बीमारी हमारे दूषित पानी पीने से होती है। वर्तमान समय में मीठे जल के स्त्रोतों का संरक्षण हम सभी के लिए बड़ी चुनौती है। हम सभी को हमारे आसपास की नदियों और जल स्त्रोतों को बेहतर रखने और अनावश्यक रूप से जल दोहन को नियंत्रण करना चाहिए। जल संकट की इस गंभीर समस्या को हमें हल्के में नहीं लेना चाहिए और हमें जल संरक्षण के महत्व को समझना चाहिए आदि बाते अपने व्याख्यान में कही। कार्यक्रम के अंत में जल संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण वीडियो दिखाए गए। इस आयोजन में बड़ी संख्या में एनसीसी कैडेट्स, महाविद्यालय के छात्र/छात्राएं एवं समस्त शैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहा। संचालन डॉ. मनीष कुमार चौरे ने किया।

राष्ट्रीय बधिरता नियंत्रण एवं रोकथाम कार्यक्रम के तहत स्कूल शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण

शिक्षकों ने डीईआईसी भवन का किया भ्रमण, सेवाओं की ली जानकारी

हरदा, देशबन्धु। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में शनिवार को जिले के चिन्हित शासकीय स्कूलों के शिक्षकों को कान संबंधी समस्याओं को पहचानने संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एच.पी.सिंह ने बताया कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से शाला शिक्षक बच्चों की श्रवण संबंधी समस्याओं को शीघ्र पहचानने में सक्षम होंगे व बच्चो को दिव्यांग होने से बचाने में सहायक सिद्ध होंगे। जिला चिकित्सालय हरदा के नाक, कान, गला विशेषज्ञ डॉ. राजेश सतीजा ने बताया कि श्रवण संबंधी समस्या को सही समय पर पहचान कर बधिरता को प्रारंभिक उपचार, हियरिंग एड, स्पीच थैरेपी एवं ऑपरेशन के माध्यम से रोका जा सकता है, इससे होने वाली दिव्यांगता को 50 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है।

प्रशिक्षण में डॉ. सतीजा ने कान के उपचार से जुड़ी भ्रांतियों के बारे में भी बताया कि कान में कभी भी गरम तेल नहीं डालना चाहिए गरम तेल डालने से बच्चों के कान का पर्दा फट सकता है और कान को गंभीर नुकसान पहुँच सकता है। गंदा पानी कान में नहीं जाना चाहिए एवं कान में कभी भी कोई नुकीली वस्तु, इयर बड आदि नहीं डालना चाहिए। कान में मैल होना सामान्य है, कान से किसी प्रकार का भी तरल या मवाद निकलने पर तुरंत चिकित्सक से परामर्श लेना चाहिए। किसी बच्चे या वयस्क को कान पर नहीं मारना चाहिए इससे कान का पर्दा फट सकता है। सुनाई कम देना की शिकायत को गंभीरता से लेकर तत्काल चिकित्सक को दिखाना चाहिए। इस दौरान उन्होने कान की संरचना के बारे में भी बताया।

प्रशिक्षण में डीईआईएम आशीष साकल्ले ने बताया कि बहरेपन और सुनने की क्षमता में कमीं की समस्या के बारे में जागरूकता बढ़ाने एवं दुनिया भर में कान और सुनने की देखभाल को बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा कई गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में शिक्षा विभाग के समन्वय से यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया है। शिक्षकों को राष्ट्रीय बाल एवं किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के बारे में भी बताया गया। ऑडियोलॉजिस्ट नीरज मालवीय ने डीईआईसी में कान से संबंधित जॉचों व केंद्र के माध्यम से दी जा रही सेवाओं के बारे में बताया। सभी शिक्षकों ने डीईआईसी भवन का भ्रमण कर फिज़ियोथैरेपी कक्ष के बारे में डॉ. पूजा मुकाती एवं डॉ. मनीराम उईके ने जानकारी दी। इस दौरान उमंग राज्य प्रशिक्षक पुरुषोत्तम राठौर सहित चिन्हित शालाओं के शिक्षक उपस्थित रहे।

जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने जन सहयोग का आह्वान किया

इटारसी, देशबन्धु। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड केसला द्वारा चयनित नवांकुर संस्था सेक्टर क्रमांक 01 की नवक्रांति जन कल्याण समिति द्वारा आदर्श ग्राम तीखड़ में विश्व जल दिवस के अवसर पर जल संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी में संस्था प्रमुख राकेश कुमार भट्ट ने जल संरक्षण को लेकर निर्णय लिए कि पक्षियों के लिए शकोरा रखने के लिए अभियान चलाया जाएगा, पुराने बंद पड़े जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने के लिए जन सहयोग का आह्वान किया। जनसमुदाय ने जल दिवस के अवसर पर जल संरक्षण का संकल्प लिया। परामर्शदाता राजेश मालवीय ने कहा कि जल कि हर बूंद अनमोल है और इसका सदुपयोग करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी भी है। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और जल की बर्बादी रोकने जैसे छोटे-छोटे प्रयास बड़े बदलाव ला सकते हैं। गांव के एमएसडब्ल्यू के छात्र विक्रम चौधरी ने कहा कि भू-जल स्तर गिरता जा रहा है, हम तीखड़ वासियों को एक स्वस्थ समाज के रूप में अपनी आने वाली पीढ़ी के बेहतर भविष्य के लिए जल संरक्षण पर सामाजिक प्रयास करने होंगे। सरपंच उमेश मरकाम ने गेहूं की नरवाई नहीं जलाने हेतु आग्रह किया। कार्यक्रम में सहायक सचिव अनूप चौरे, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता किरण चिमानिया, भारती सराठे, सहायिका ऊषा मनीष पवार, कंचन धुर्वे, रामविलास महतो सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

सभी अधिकारी राजस्व वसूली बढ़ाएं: कलेक्टर

हरदा, देशबन्धु। किसानों की ई-केवायसी, आधार से खसरा लिंकिंग, नक्शा तरमीम जैसी कार्यवाही पूर्ण की जाए। सभी अधिकारी अपने क्षेत्र में फार्मर रजिस्ट्री, सीमांकन, नामांकन, बंटवारा तथा अभिलेख दुरूस्ती के प्रकरणों का निराकरण समय सीमा में करें। यह निर्देश कलेक्टर आदित्य सिंह ने शनिवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित बैठक में राजस्व अधिकारियों को दिये। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सभी एसडीएम को निर्देशित किया कि अपने क्षेत्र अंतर्गत पटवारियों के कार्यों की नियमित रूप से समीक्षा करें। उन्होने निर्देशित किया कि गांवों में पटवारियों के माध्यम से फार्मर आईडी का कार्य पूर्ण करावें। उन्होने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि धारणाधिकार से संबंधित कोई भी प्रकरण लंबित न रहे। उन्होने निर्देशित किया कि सभी अधिकारी सीएम हेल्पलाइन व जनसुनवाई के प्रकरणों पर विशेष ध्यान दें। इस अवसर पर संयुक्त कलेक्टर सुश्री रजनी वर्मा व संजीव नागू सहित जिले के सभी राजस्व अधिकारी भी मौजूद थे।

आशा कार्यकर्ताओं की प्रमाणिकरण परीक्षा आज

हरदा, देशबन्धु। राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की आशाकार्यकर्ताओं की प्रमाणिकरण परीक्षा आयोजित की जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एच.पी. सिंह ने बताया कि यह परीक्षा 23 मार्च को दोपहर 2.30 बजे से 4 बजे तक केन्द्रीय विद्यालय काशीबाई कन्या पाठशाला हरदा में आयोजित होगी। परीक्षा में जिले के ग्रामीण क्षेत्र की 204 आशा कार्यकर्ता शामिल होंगी।

आज विद्युत प्रवाह रहेगी बाधित

नर्मदापुरम, देशबन्धु। प्रबंधक(जोन 2) म.प्र.म.क्षे.वि.वि.कं.लि नर्मदापुरम ने जानकारी देते हुए बताया है कि 23 मार्च रविवार को प्रात: 8 बजे से 12 बजे तक 220/132/33 के.व्ही. उपकेन्द्र रसूलिया नर्मदापुरम में अति आवश्यक रख रखाव कार्य किया जायेगा। मेंटेनेंस के दौरान संपूर्ण नर्मदापुरम नगर एवं संबंधित क्षेत्रों में विद्युत प्रवाह बाधित रहेगी।

संपदा समारोह में मप्र के साथ अन्य राज्यों के नृत्य, लीला नाट्य और प्रदर्शनी का संयोजन

नर्मदापुरम, देशबन्धु। पारम्परिक कलाओं का समारोह सम्पदा का आयोजन 23 मार्च ओल्ड होटल ग्राउण्ड- पचमढ़ी (नर्मदापुरम्) में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में शनिवार को मध्यप्रदेश के बैगा और गोण्ड गुजरात की राठ, तेलंगाना की गोण्डकोया, महाराष्ट्र की धनगर और उड़ीसा की कंध जनजातियों के नृत्य के साथ भक्तिमती शबरी: लीला नाट्य / प्रदर्शनी का संयोजन किया गया। इस प्रस्तुति का निर्देशन संजय गर्ग, जबलपुर द्वारा किया गया है। साथ ही समारोह में भक्तिमति शबरी, निषादराज गुह्य एवं वीरांगना रानी दुर्गावती के जीवन ओर अवदान केंद्रित प्रदर्शनी का संयोजन किया गया है। समारोह में निदेशक, जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी डॉ. धर्मेंद्र पारे एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

गतिविधि में पद्मश्री अर्जुन सिंह धुर्वे द्वारा बैगा जनजातीय नृत्य परघौनी नृत्य की प्रस्तुति दी गई। दशहरे के अवसर पर विशेष रूप से घो?ी पैठाई नृत्य किया जाता है। परघौनी नृत्य विवाह के अवसर पर बारात की अगवानी के समय किया जाता है। इसी अवसर पर वर पक्ष की ओर से आँगन में हाथी बनाकर नचाया जाता है,जो यह संकेत करता है कि इसमें प्रसन्नता की अभिव्यक्ति ही मुख्य ध्येय है। प्रस्तुति के अगले क्रम में बनसिंह भाई राठवा एवं साथी, गुजरात द्वारा राठ नृत्य की प्रस्तुति दी। राठवा गुजरात की एक प्रमुख जनजाति है। राठवा जनजाति में विभिन्न पर्व-त्योहारों, अनुष्ठानों एवं अन्य खुशियों के अवसरों पर नृत्य की समृद्ध परम्परा है। राठवा जनजाति का नृत्य भील जनजाति नृत्य से ज्यादा पृथक तो नहीं है, परन्तु राठवा जनजाति के नृत्य में गति अधिक है। लय एवं ताल के समन्वय में भी गुजरात की छवि को महसूस किया जा सकता है। समारोह में महाराष्ट्र के कलाकारों द्वारा धनगरीगजा नृत्य की प्रस्तुति दी गई। इसके बाद काथले श्रीधर एवं साथी, तेलंगाना द्वारा गोण्डकोया जनजाति का कोम्मूकोया नृत्य की प्रस्तुति दी गई। इसके बाद अज्जू सिंह एवं साथी, डिण्डोरी द्वारा गोण्ड जनजातीय करमा सैला नृत्यकी प्रस्तुति दी गई। सैला नृत्य शरद ऋतु की चाँदनी रातों में किया जाता है।

वहीं समारोह में अविनाश धुर्वे एवं साथी, बैतूल द्वारा ठाठ्या नृत्य की प्रस्तुति दी गई। अगले क्रम में प्रस्तुति भक्तिमती शबरी की दी गई। जिसका निर्देशन संजय गर्ग, जबलपुर द्वारा किया गया। लीला नाट्य भक्तिमति शबरी कथा में बताया कि पिछले जन्म में माता शबरी एक रानी थीं, जो भक्ति करना चाहती थीं लेकिन माता शबरी को राजा भक्ति करने से मना कर देते हैं। तब शबरी मां गंगा से अगले जन्म भक्ति करने की बात कहकर गंगा में डूब कर अपने प्राण त्याग देती हैं। अगले दृश्य में शबरी का दूसरा जन्म होता है और गंगा किनारे गिरि वन में बसे भील समुदाय को शबरी गंगा से मिलती हैं। भील समुदा शबरी का लालन-पालन करते हैं और शबरी युवावस्था में आती हैं तो उनका विवाह करने का प्रयोजन किया जाता है लेकिन अपने विवाह में जानवरों की बलि देने का विरोध करते हुए, वे घर छोड़ कर घूमते हुए मतंग ऋषि के आश्रम में पहुंचती हैं, जहां ऋषि मतंग माता शबरी को दीक्षा देते हैं। आश्रम में कई कपि भी रहते हैं जो माता शबरी का अपमान करते हैं। अत्यधिक वृद्धावस्था होने के कारण मतंग ऋषि माता शबरी से कहते हैं कि इस जन्म में मुझे तो भगवान राम के दर्शन नहीं हुए, लेकिन तुम जरूर इंतजार करना भगवान जरूर दर्शन देंगे। लीला के अगले दृश्य में गिद्धराज मिलाप, कबंद्धा सुर संवाद, भगवान राम एवं माता शबरी मिलाप प्रसंग मंचित किए गए। भगवान राम एवं माता शबरी मिलाप प्रसंग में भगवान राम माता शबरी को नवधा भक्ति कथा सुनाते हैं और शबरी उन्हें माता सीता तक पहुंचने वाले मार्ग के बारे में बताती हैं। लीला नाट्य के अगले दृश्य में शबरी समाधि ले लेती हैं।

30 एवं 31 मार्च को पुस्तक एवं गणवेश मेले के साथ होगा करियर काउंसलिंग का आयोजन

नर्मदापुरम, देशबन्धु। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार पुस्तक एवं गणवेश मेले का आयोजन 30 एवं 31 मार्च को शासकीय नर्मदा महाविद्यालय, नर्मदापुरम के ऑडिटोरियम में किया जाएगा। इस मेले के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए करियर काउंसलिंग सत्र भी आयोजित किए जाएंगे, जिसमें करियर मार्गदर्शन की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

करियर काउंसलिंग सत्र का संचालन पूर्व प्रशिक्षित करियर काउंसलिंग मास्टर ट्रेनर एवं नर्मदापुरम के शासकीय एवं अशासकीय स्कूलों में नियुक्त करियर काउंसलर द्वारा किया जाएगा। इस दौरान विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को कक्षा 10वीं के बाद विषय चयन, कक्षा 12वीं के बाद उच्च शिक्षा एवं व्यावसायिक कोर्स, हृश्वश्वज्ञ, छ्वश्वश्व, ढ्ढढ्ढज्ञ, ष्टस्नज्ञ, नर्सिंग एवं अन्य व्यावसायिक शिक्षा की तैयारी और रोजगार के अवसरों से अवगत कराया जाएगा। मेले में करियर काउंसलिंग स्थल पर प्रत्येक स्कूल के प्राचार्य द्वारा अपने विद्यालय का फ्लेक्स लगाया जाएगा, जिससे विद्यार्थियों को उनके विद्यालय की करियर काउंसलिंग सुविधाओं की जानकारी मिल सके। इसके साथ ही, यूनिलर्न पोर्टल के माध्यम से करियर काउंसलिंग प्रक्रिया को समझाया जाएगा। इस पूरे आयोजन के नोडल अधिकारी एडीपीसी राजेश गुप्ता होंगे, जबकि प्राचार्य विक्रम कुमार नरवरिया इस कार्यक्रम के प्रमुख समन्वयक रहेंगे।

पटाखा फैक्ट्री दुर्घटना प्रभावित परिवारों को एनजीटी के आदेश अनुसार किया गया भुगतान

13 मृतकों के परिजनों को 21.50-21.50 लाख रुपए की मदद

हरदा, देशबन्धु। जिले के बैरागढ़ स्थित पटाखा फैक्ट्री में गत 6 फरवरी 2024 को घटित दुर्घटना में मृत 13 मृतकों के परिवारों में से प्रत्येक परिवार को 21 लाख 50 हजार रुपये की मदद दी जा चुकी है, जिसमें से एनजीटी के आदेश अनुसार 15 लाख, राजस्व पुस्तक परिपत्र से 4 लाख, प्रधानमंत्री सहायता कोष से 2 लाख तथा रेड क्रॉस से 50 हजार रूपये की सहायता शामिल है।

उक्त जानकारी शनिवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित पत्रकारवार्ता में देते हुए कलेक्टर आदित्य सिंह ने बताया कि जिन 13 मृतकों के परिजनों को राशि का भुगतान किया गया है, उनमें प्रियांशु प्रजापति, अनुज कुचबंदिया, आबिद खान, अयाज खान, बानो बी, प्रमिला बाई चौहान, कैलाश परमार, जेबुन बी, पियुष पिता संजय, मुबिन खान, मुकेश बेलदार, रहिम पिता रौशन तथा श्रीमती उषा चंदेल शामिल है। इसके अलावा 9 मृतकों के परिजनों को संबल योजना के तहत 5-5 हजार रूपये तथा 1 मृतक के परिजन को 6 हजार रूपये की राहत राशि वितरित की गई।

कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि एनजीटी के आदेश अनुसार मकान क्षति के लिए पीड़ितों को 97 लाख 18 हजार रुपये का भुगतान किया जा चुका है। इसके अलावा राजस्व पुस्तक परिपत्र के अंतर्गत मकान क्षति के लिये 57 मकान के लिये 1 लाख 20 हजार रूपये प्रति मकान के हिसाब से कुल 68 लाख 40 हजार रूपये, 2 दुकानों के लिये 12 हजार रूपये के मान से कुल 24 हजार रूपये, 123 मकानों के लिये 6500 रूपये के मान से 7 लाख 99 हजार 500 रूपये एवं 2 मकानों के लिये 1लाख 20 हजार रूपये के मान से 2.40 लाख रूपये स्वीकृत किये गये है। इस प्रकार मकान क्षति के लिये पीड़ितों को कुल 17621689 रूपये की राहत राशि वितरित की जा चुकी है।

कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि इसके अलावा एनजीटी के आदेश अनुसार गंभीर रूप से घायल कुल 207 पीड़ितों में से 56 पीड़ितों को 33 लाख 3 हजार 44 रूपये का भुगतान किया गया है। इसके अलावा राजस्व पुस्तक परिपत्र के तहत गंभीर रूप से 1 पीड़ित को 2.50 लाख रूपये, 7 दिवस तक भर्ती 23 पीड़ितों को कुल 3 लाख 68 लाख रूपये तथा 7 दिवस से कम भर्ती 38 पीड़ितों को कुल 20 लाख 5 हजार 200 रूपये की राशि स्वीकृत किये गये है। इस प्रकार घायलों के उपचार के लिये कुल 11 लाख 56 हजार 244 रूपये की राहत राशि वितरित की जा चुकी है।

कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि इसके अलावा राजस्व पुस्तक परिपत्र के तहत खाद्यान्न एवं घरेलु सामग्री क्षतिपूर्ति मुआवजा के तहत 59 परिवारों को 5 हजार रूपये के मान से 2.95 लाख रूपये स्वीकृत किये गये। दुर्घटना में हुई पशु हानि के लिये 3 लाख 19 हजार 500, फसल क्षति के लिये 6 किसानों को 64 हजार 708 रूपये तथा मकान की आंशिक क्षति के लिये 46 लोगों को 1 लाख 84 हजार रूपये की सहायता स्वीकृत की गई है। इस प्रकार अन्य क्षति के लिये कुल राशि 8 लाख 63 हजार 208 रूपये की राहत राशि वितरित की जा चुकी है। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि इस प्रकार अब तक पटाखा फैक्ट्री विस्फोट दुर्घटना में अब तक पीड़ितों को कुल 47601641 रूपये की राहत राशि वितरित की जा चुकी है।

प्रदेश सरकार उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं को प्रदेश के हर नागरिक तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध : पटेल

50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल एवं उप स्वास्थ्य केंद्र का भूमिपूजन किया

सोहागपुर, देशबन्धु। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटैल द्वारा शनिवार को सोहागपुर में 9 करोड़ 19 लाख रुपये की लागत से बनने वाले 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल तथा ग्राम सोनपुर में 65 लाख रुपये की लागत से बनने वाले उप स्वास्थ्य केंद्र का भूमि पूजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन शासकीय अस्पताल सोहागपुर प्रांगण में किया गया। भूमिपूजन कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में सांसद दर्शन सिंह चौधरी एवं श्रीमती माया नारोलिया शामिल रहे। साथ ही कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि श्रीमती प्रीति शुक्ला रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता सोहागपुर के विधायक ठा. विजयपाल सिंह द्वारा की गई। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में संचालित शासकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उन्नयन कर इसे सिविल अस्पताल में परिवर्तित किया जा रहा है, जिससे क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के राज्य मंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटैल ने कहा कि प्रदेश सरकार बेहतरीन एवं उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं को प्रदेश के हर नागरिक तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष प्रदेश के आम बजट में से लगभग 22 हज़ार करोड़ रुपए केवल स्वास्थ्य सेवाओं के लिए निश्चित किया गया है। श्री पटेल ने कहा कि केंद्र सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लक्ष्य है की 2047 तक देश को विकसित राष्ट्र के रूप में विश्व पटल पर स्थापित किया जाए। इसके लिए स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाए जाने के लिए उनके द्वारा आयुष्मान भारत योजना प्रारंभ की गई तथा देश के विभिन्न स्थानों में आयुष्मान मंदिर भी स्थापित किए गए हैं। इस दौरान उन्होंने सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह उनकी सक्रियता का ही प्रतिफल है कि क्षेत्र को पूर्व में उप स्वास्थ्य केंद्रों एवं वर्तमान में सिविल अस्पताल तथा अन्य सुविधाएं निरंतर प्राप्त हो रही है। श्री पटेल ने कहा कि जिस प्रकार प्रधानमंत्री ने केंद्र से विकास की गंगा बहाई है, उसका उतना ही लाभ सोहागपुर क्षेत्र को भी मिल रहा है। श्री पटेल ने कहा कि शासन की व्यवस्थाओं को और अधिक सुगम एवं सुचारू बनाने के लिए समाज के लोगों को भी योगदान देना चाहिए, उन्होंने कहा कि मंत्री, विधायक, सांसद भी समाज के ही घटक हैं।

सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरकार का काम है स्वास्थ्य सुविधाओं को हर नागरिक तक पहुंचाया जाए, इसलिए आज सोहागपुर में यह 50 बिस्तरीय सिविल अस्पताल की सौगात मिली है जिसका भूमिपूजन मंत्री श्री पटेल द्वारा किया गया।उन्होंने बताया कि हमारे स्वास्थ्य सेवाओं की ताकत कोविड कल के समय भी देखी गई है। जहां हमारे स्वास्थ्य अमले ने महामारी का डट कर सामना करा, तथा यह हमारे प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच का ही उदाहरण है कि देश में कोविड वैक्सीन को बनाया गया एवं उसे निशुल्क आम लोगों तक पहुंचाई गई। श्री चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है कि प्रदेश को स्वर्णिम प्रदेश के रूप में विकसित किया जाए।

राज्य सभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने सोहागपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का सिविल अस्पताल के रूप में उन्नयन किए जाने के लिए मंत्री श्री पटेल को बधाई एवं धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि देश में स्वास्थ्य सेवाओं का भरपूर विस्तार किया जाए तथा उन्हें अत्यधिक बेहतर बनाया जाए। इसी संकल्प की एक कड़ी सोहागपुर का सिविल अस्पताल बनेगा। सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार सतत विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। इसी कड़ी में आज सोहागपुर को एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में सर्वसुविधायुक्त सिविल अस्पताल की सौगात मिली है। इस अस्पताल में ब्लड बैंक, लैब, स्वास्थ्य कर्मचारियों के ठहरने की व्यवस्था सहित कई अन्य स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने बताया कि सोहागपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए 18 उप स्वास्थ्य केंद्रों की स्वीकृति दी गई है, जिससे क्षेत्र की स्वास्थ्य सुविधाओं को और अधिक मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर सविता दीवान शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष लता यशवंत पटेल, एसडीएम सोहागपुर असवन राम चिरामन, सीएमएचओ नर्मदापुरम डॉ दिनेश देहलवार, बीएमओ सोहागपुर डॉ संदीप केरकेट्टा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी जी.एस. राजपूत, सीईओ जनपद पंचायत सोहागपुर संजय अग्रवाल, अश्विनी सरोज, सहित अन्य जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी तथा कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

बैंक यूनियन और आईबीए के बीच सुलह, 24-25 मार्च की हड़ताल टली

भोपाल,देशबन्धु। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के प्रतिनिधियों ने भारतीय बैंक संघ (आईबीए) और वित्तीय सेवा विभाग (डीएफएस) के अधिकारियों से शुक्रवार को नई दिल्ली में मुलाकात की। मुख्य श्रमायुक्त की उपस्थिति में महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें बैंक कर्मचारियों की प्रमुख मांगों पर विस्तृत चर्चा हुई। भारतीय बैंक संघ और वित्तीय सेवा विभाग ने पांच दिवसीय बैंकिंग सप्ताह, पीएलआई, नई भर्तियां और अन्य लंबित मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाया है। बैंक प्रबंधन और डीएफएस की ओर से मिले आश्वासनों के बाद यूनियनों ने 24 और 25 मार्च की प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल स्थगित करने का निर्णय लिया है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस मध्य प्रदेश के को-ऑर्डिनेटर वीके शर्मा ने बताया कि अब 24 और 25 मार्च को सभी बैंकों में सामान्य कामकाज जारी रहेगा। यूनियन नेतृत्व ने बैंक कर्मियों की एकजुटता की सराहना की है। उनकी एकता के प्रदर्शन से मांगों पर सकारात्मक चर्चा संभव हो सकी।

युवक ने जहर खाकर दी जान

भोपाल,देशबन्धु। शंकर नगर में एक युवक ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है, लेकिन परिजनों का कहना है कि युवक अपने दोस्त की मौत के बाद से गहरे सदमे में था।

छोला मंदिर पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान चैन सिंह पुत्र अशोक सिंह उम्र 25 वर्ष हम्माली का काम करता था। गुरुवार रात उसने घर में जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पहुचाया। वहीं पुलिस ने जब कमरे की तलाशी ली तो कोई पत्र नहीं मिला। फिलहाल पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच शुरु कर दी है। उधर मृतक के रिश्तेदार अनिल मालवीय ने बताया कि 20 दिन पहले उसके एक दोस्त ने भी आत्महत्या कर ली था, जिसके बाद से चैन सिंह मानसिक रूप से परेशान था। वह चुपचाप रहने लगा था और दोस्त व परिजनों से बातचीत भी कम कर दी थी। हालांकि, उसने कभी अपनी किसी परेशानी का जिक्र नहीं किया।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिये छात्राओं का किया टीकाकरण

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देशन में शनिवार को एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय रहटगांव की 9 से 14 वर्ष की 24 बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर के विरूद्ध एचपीवी वैक्सीन लगाई गई। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचपी सिंह, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कमलेश गौड़, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. शैलेन्द्र परिहार, चिकित्सा अधिकारी डॉ. हर्ष पटेल तथा विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सोनिया आनंद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सिंह ने बताया कि 9 से 14 साल की बालिका को एचपीवी वेक्सीन के 2 डोज देने होते है, जिससे ह्यूमन पैपिलोमा वायरस की वजह से होने वाले गर्भाशय के सर्वाइकल कैंसर से बचाव होता हैं।

हरदा जिला जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी आदित्य सिंह ने मप्र पेयजल परिरक्षण अधिनियम एवं संशोधित अधिनियम के तहत हरदा जिले को 31 जुलाई तक जल अभावग्रस्त क्षेत्र घोषित किया है। जारी आदेश अनुसार सम्पूर्ण हरदा जिले में नलकूप व हैण्डपम्प के खनन पर प्रतिबंध लगाया गया है। अब बिना सक्षम अनुमति के कोई भी व्यक्ति प्रायवेट ट्यूबवेल या हैण्डपंप का खनन नहीं कर सकेगा और इस अवधि के दौरान बिना सक्षम अनुमति के जल स्त्रोतों से कृषि हेतु सिंचाई तथा औद्योगिक कार्य हेतु उपयोग नहीं किया जा सकेगा। आदेश का उल्लंघन होने पर संबंधित के विरूद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही की जाकर दंडित किया जायेगा। नलकूप खनन एवं सिंचाई की अनुज्ञा जारी करने के लिये संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को अधिकृत किया गया है। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि आगामी ग्रीष्मकाल में अत्याधिक गर्मी व तापमान संभावित होने के फलस्वरूप जल स्तर में अधिक गिरावट संभावित है। गिरते भू-जल स्तर को ध्यान में रखते हुये म.प्र. पेयजल परिरक्षण अधिनियम 1986 के तहत निजी नवीन नलकूप खनन तथा जल स्त्रोतों से सिंचाई पर यह प्रतिबंध लगाया गया है।

हृदय अभियान में अब जिले के 10 हजार बच्चे होंगे लाभान्वित

प्रथम चरण में 50 ग्रामों के 225 बच्चों की सेहत में हुआ सुधार

हरदा, देशबन्धु। कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा स्वास्थ्य, पोषण एवं शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार करते हुए हृदय अभियान प्रारंभ किया गया था। इस अभियान के तहत बच्चों को कुपोषण मुक्त करने के लिये प्रथम चरण में चयनित 50 ग्रामों के 225 बच्चों को फ्लेवर्ड मोरिंगा पावडर प्रदान किया गया। इन गांवों के कुपोषित बच्चों को कुपोषण मुक्त करने के उद्देश्य से ग्रेनुअल फार्म में फ्लेवड मुरंगा पावडर दूध के साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के सुपरविजन में प्रतिदिन दिया गया।

कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि तीन माह में सभी सामान्य श्रेणी में आ गये। फ्लेवर्ड मोरिंगा पाउडर और दूध आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से उपलब्ध कराया गया। अभियान के तहत पशु पालकों से स्वसहायता समूहों के माध्यम से दूध एकत्रित कर आंगनवाड़ी के बच्चों को प्रदाय किया जा रहा है। इसके बेहतर सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। जिले के इन चयनित ग्रामों के 225 सामान्य एवं मध्यम श्रेणी के कुपोषित बच्चों की सेहत में सुधार देखने को मिला है।

कलेक्टरने बताया कि हृदय अभियान की सफलता को ध्यान में रखते हुए हृदय अभियान 2.0 प्रारम्भ किया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले की सभी 220 ग्राम पंचायतों के लगभग 10 हजार बच्चों का लक्ष्य रखा गया है। इनमें मध्यम एवं गंभीर कुपोषित बच्चों के साथ-साथ सामान्य श्रेणी के ऐसे बच्चे भी लिये जा रहे है जो कुपोषण की सीमा रेखा पर है। अभियान के तहत प्रत्येक कुपोषित बच्चे को 10 ग्राम फ्लेवर्ड मुनगा ग्रेनुअल पाउडर व दूध प्रतिदिन प्रदान किया जाएगा।

ननि बैठक की तारीख अब तक तय नहीं , विरोध में उतरे कांग्रेस पार्षद

संभाग आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

भोपाल,देशबन्धु। भोपाल नगर निगम की बजट बैठक की तारीख अब तक तय नहीं हो पाई है। इससे कांग्रेस पार्षद विरोध में उतर आए हैं। निगम में नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने कहा कि नियमानुसार बैठक हर 2 माह में होनी चाहिए, लेकिन 3 महीने बीत चुके हैं। इसके बावजूद अब तक न बैठक की तारीख तय हुई है और न ही एजेंडा सामने आया है।

नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी ने बताया कि इसे बैठक को लेकर 17 फरवरी को संभागायुक्त संजीव सिंह को पत्र भी लिखा था। इसके बाद संभागायुक्त ने निगम आयुक्त को बैठक के लिए जरूरी कार्रवाई करने के आदेश दिए गए थे, लेकिन अब तक उनके आदेश का पालन नहीं हो पाया। इसलिए शुक्रवार को एक बार फिर सभी कांग्रेस पार्षद संभागायुक्त श्री सिंह से मिले और आपत्ति दर्ज कराई। पार्षद योगेंद्र सिंह गुड्डू चौहान ने कहा कि लगातार दूसरी बार बैठक देरी से होगी। जिससे शहर से जुड़े मुद्दों पर बात नहीं कर पा रहे हैं।

गौरतलब है कि निगम परिषद की पिछली बैठक 13 दिसंबर 2024 को हुई थी। यह बैठक करीब तीन महीने में हुई थी, जबकि नियम 2 महीने के अंदर का है। इस बार भी एक महीना ज्यादा बीत चुका है। ऐसे में विपक्ष यानी, कांग्रेस पार्षद विरोध जता रहे हैं। हालांकि, 24-25 फरवरी को भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट थी। बैठक में देरी होने की वजह इसे ही बताया जा रहा है।

बैठक 25 मार्च को संभावित

इधर, निगम की बजट बैठक 25 मार्च को संभावित है, पर इसका एजेंडा अभी जारी नहीं किया गया है। दूसरी ओर, महापौर परिषद की बैठक में भी बजट पर चर्चा नहीं हुई है। इस वजह से कांग्रेस पार्षद हमलावर हुए हैं।

सामुदायिक पोषण वाटिका से 30 हजार महिलाएं लाभान्वित

भोपाल,देशबन्धु। मध्य प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में महिलाओं की आजीविका और पोषण सुरक्षा को नई दिशा देने वाली सामुदायिक पोषण वाटिका पहल को अब पूरे राज्य में तेजी से अपनाया जा रहा है। इस महत्वपूर्ण अभियान को मजबूत करने के लिए शुक्रवार को राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें 450 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

भोपाल के अरेरा हिल्स स्थित विकास भवन सभागार में आयोजित इस कार्यशाला का शुभारंभ पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव दीपाली रस्तोगी और मनरेगा आयुक्त अवि प्रसाद ने किया। कार्यशाला में जीआईजेड इंडिया के डिप्टी प्रोजेक्ट डायरेक्टर तपन गोपे ने बताया कि 2019 से अब तक 1 हजार से अधिक सामुदायिक पोषण वाटिकाएं स्थापित की जा चुकी हैं, जिससे स्वयं सहायता समूह की लगभग 30 हजार महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। ये पोषण वाटिकाएं स्थानीय खाद्य सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण में अहम भूमिका निभा रही हैं। मध्य प्रदेश आजीविका मिशन की सीईओ हर्षिका सिंह ने कहा कि इस पहल को और व्यापक स्तर पर फैलाने की जरूरत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर पानी की उचित व्यवस्था और सामूहिक प्रयास किए जाए, तो इसे एक सफल व्यवसाय मॉडल के रूप में विकसित किया जा सकता है। प्रदान संस्था की इंट्रीग्रेटर अर्चना ने कहा, जब महिलाएं अपनी जमीन और श्रम का नेतृत्व करती हैं, तो वे न केवल अपनी आजीविका सुधारती हैं, बल्कि पूरे गाँव की सेहत और समृद्धि की नींव रखती हैं।कार्यशाला में स्टोरीज फ्रॉम ग्राउंड सत्र खास आकर्षण रहा, जिसमें रीवा जिले के सिमरिया गाँव की सुनीता कुशवाहा ने अपनी सफलता की कहानी साझा की। उन्होंने बताया कि कैसे पंचायत की मदद से सामुदायिक पोषण वाटिका से जुड़कर उन्होंने अपने गाँव के पोषण स्तर को सुधारा और अपनी आजीविका को मजबूत किया। कार्यशाला में मंडला, बैतूल, नरसिंहपुर और रायसेन जिलों के पंचायत अधिकारियों और महिला किसानों ने भी अपनी सफलता की कहानियां साझा कीं। इस मौके पर ई-लर्निंग मॉड्यूल और ज्ञान पुस्तिका का भी लोकार्पण किया गया, जिससे इस पहल को और मजबूती मिलेगी।

मिठी गोबिंदराम और नवनिध स्कूल स्कूल में नए सत्र की शुरुआत

बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ संस्कारवान बनाना हमारा कर्तव्यः सिद्ध भाऊ

संतहिरदाराम नगर, देशबन्धु। मिठी गोबिंदराम पब्लिक और नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में आज 2025-26 सत्र की शुरुआत से पहले कक्षा पहली के छात्रों और उनके अभिभावकों के लिए स्वागत एवं परिचय सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को विद्यालय के नियमों और कार्यप्रणाली से अवगत कराना था।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में सिद्ध भाऊ ने नए छात्रों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि बच्चों को अच्छी शिक्षा के साथ संस्कारवान बनाना हमारा कर्तव्य है। स्कूल में पक्षियों के लिए दाना-पानी सत्र और आरती सत्र जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। प्रधानाध्यापिका मिष्ठी वासवानी ने स्कूल प्रमुखों और कक्षा अध्यापिकाओं से अभिभावकों का परिचय करवाया। प्राचार्य अजय बहादुर सिंह ने अभिभावकों का स्वागत किया। स्कूल कोऑर्डिनेटर मिनी नायर ने विद्यालय के नियमों की जानकारी दी। उन्होंने अभिभावकों से शिक्षकों के साथ निरंतर संवाद बनाए रखने का आग्रह किया। साथ ही यह भी कहा कि बच्चों के बस्ते का बोझ कम करने के लिए केवल जरूरी किताबें ही भेजें। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका नेहा वासवानी ने किया। उप-प्राचार्या दीपा एंथोनी ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के बाद सभी ने विद्यालय का भ्रमण किया।

वहीं नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में प्राचार्या अमृता मोटवानी ने अपने संबोधन में कहा कि संकल्प और सही मार्गदर्शन से हर लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने सुनीता विलियम्स का उदाहरण देते हुए छात्राओं के उज्जवल भविष्य की बात की। विद्यालय की कोऑर्डिनेटर रीटा आहूजा ने स्कूल के नियमों की जानकारी दी। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों के बस्ते का भार कम करने के लिए केवल जरूरी किताबें भेजने का अनुरोध किया। कार्यक्रम में कक्षा पहली की शिक्षिकाओं का परिचय कराया गया। अभिभावकों ने शिक्षिकाओं से संवाद कर अपनी शंकाओं का समाधान किया। विद्यासागर पब्लिक स्कूल की प्रधानाध्यापिका मिष्ठी वासवानी ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ स्कूल और अभिभावकों के बीच सहयोग की अपेक्षा जताई। कार्यक्रम का संचालन लता मनवानी ने किया। उन्होंने पीपीटी के माध्यम से विद्यालय की विशिष्टताओं, आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, नवीनतम एलईडी पैनल्स से युक्त कक्षाओं और छात्राओं के सर्वांगीण विकास हेतु संचालित विविध गतिविधियों की जानकारी प्रदान की। इस अवसर पर शहीद हेमू कालानी एजुकेशनल सोसाइटी के सचिव घनश्याम बूलचंदानी समेत स्कूल अन्य शिक्षक मौजूद थे।

न्यायालय नायब तहसीलदार दुनावा वृत मुलताई जिला बैतूल

रा.अ.क्र. ../ वर्ष 2024-25

क्रमाक //24-25........ मुलताई दिनांक/02/2025

1. कमला बेवा कोमलप्रसाद जाति पंवार, 2. निकिता पिता कोमलप्रसाद जाति पंवार, 3. अभिलेष पिता कोमलप्रसाद जाति पंवार सभी निवासी ग्राम माथनी तहसील मुलताई, 4. नन्हाबाई पित्ता ढोमन्या (पति जगन पंवार) निवासी ग्राम छिन्दी तहसील मुलताई जिला बैतूल, 5. जसूबाई पिता ढोमन्या (पति रेवजी पंवार) निवासी भारत भारती तहसील जिला बैतूल, 6. सुमन पिता ढोमन्या (पति पन्ना पवार) निवासी ग्राम दुनावा तहसील मुलताई जिला बैतूल, 7. सविता पिता ढोमन्या (पति धन्जी पवार) निवासी ग्राम बरई तहसील मुलताई जिला बैतूल, 8. नरेश निवासी खडकवार, 9. सुनील निवासी खडकवार...आवेदक

बनाम

सर्वसाधारण

सूचना

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कमला बेवा कोमलप्रसाद एव अन्य निवासी माथनी के द्वारा मौजा माथनी की भूमि ख0क्र0 429/1, 437/1, 440/1, 447/2, 435/18 रकबा क्रमशः 1.346, 0.854, 0.892. 0. 446, 1.558 हे. आवेदक क्रमाक 1 से 7 तक के पर दर्ज है। परन्तु अन्य दो नाम नरेश, सुनील अतिरिक्त त्रुटि से दर्ज हो गये है का नाम राजस्व रिकार्ड में से विलोपित करने हेतु नायब तहसीलदार दुनावा के न्यायालय में पारित संशोधन क्रमाक 15 आदेश दिनांक 24.12.2023 के अनुसार आवेदक नरेश एंव सुनील के नाम राजस्व रिकार्ड से विलोपित किये जाने हे तो आपत्ति एव दावा प्रस्तुत कर सकता है। समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा एव आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनाक 14/02/2025 को मेरे हस्ताक्षर एव न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

न्यायालय नायब तहसीलदार
दुनावा वृत मुलताई जिला बैतूल

साहित्य

हवा में रहेगी मेरे ख़याल की बिजली...

■ ज़ाहिद ख़ान

23 मार्च, शहीद-ए-आज़म भगत सिंह शहादत दिवस

'इंक़लाब ज़िन्दाबाद' और 'साम्राज्यवाद मुर्दाबाद' ये इंक़लाबी नारे देकर, जंग-ए-आज़ादी में फ़ैसलाकुन मोड़ लाने वाले शहीद-ए-आज़म भगत सिंह भारत ही नहीं, बल्कि समूचे भारतीय उपमहाद्वीप की सांझा विरासत का क्रांतिकारी प्रतीक हैं। अविभाजित भारत के लायलपुर बंगा में जन्मे भगत सिंह बचपन से ही क्रांतिकारी गतिविधियों में शामिल होने लगे थे। ग़दर पार्टी के क्रांतिकारी आंदोलन के जानिब उनका गहरा आकर्षण था। ख़ास तौर पर शहीद करतार सिंह सराभा उनके आदर्श थे। जिनका फ़ोटो वे हमेशा अपनी जेब में रखते थे। भगत सिंह ने जैसे ही होश संभाला, क्रांतिकारी संगठन 'नौजवान भारत सभा' और 'हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन' से जुड़ गए। यह बतलाना भी लाज़िमी होगा कि इस संगठन के नाम में 'सोशलिस्ट' शब्द उन्हीं के सुझाव पर जुड़ा था। भगत सिंह को बचपन से पढ़ने-लिखने का जुनूनी शौक़ था। साल 1924 में जब उन्होंने लिखना शुरू किया, तब उनकी उम्र महज़ सत्रह साल थी। 'प्रताप' (कानपुर), 'महारथी' (दिल्ली), 'चॉंद' (इलाहाबाद), 'वीर अर्जुन' (दिल्ली) आदि समाचार पत्रों और पंजाबी पत्रिका 'किरती' में उनके कई लेख प्रकाशित हुए। हिंदी, पंजाबी, उर्दू व अंग्रेज़ी चारों भाषाओं पर उनका समान अधिकार था। छोटी सी ही उम्र में उन्होंने ख़ूब पढ़ा। दुनिया को क़रीब से देखा, समझा और व्यवस्था बदलने के लिए जी भरकर कोशिशें कीं। अंग्रेज़ सरकार के 'पब्लिक सेफ्टी बिल' व 'ट्रेड डिस्प्यूट बिल' के ख़िलाफ़ उन्होंने 8 अप्रैल, 1929 को केन्द्रीय असेम्बली में बम फेंककर, अपनी गिरफ़्तारी दी। बम फेंकने का मक़सद किसी को घायल करना, जान से मारना नहीं था। बल्कि बहरी अंग्रेज़ हुकूमत के कान खोलना था। लाहौर की सेन्ट्रल जेल में बिताए अपने दो सालों में भगत सिंह ने ख़ूब अध्ययन, मनन, चिंतन व लेखन किया। किताब 'हिस्ट्री ऑफ दि रेव्युल्यूशनरी मूवमेंट इन इंडिया', 'दि आईडियल सोशलिज्म', 'एट दि डोर ऑफ डेथ' और अपनी जीवनी उन्होंने जेल के कठिन हालात में ही लिखी थीं। भगत सिंह ने जेल के अंदर से ही न सिर्फ़ क्रांतिकारी आंदोलन को बचाए रखा, बल्कि उसे विचारधारात्मक स्पष्टता भी प्रदान की।

7 अक्टूबर, 1930 को बरतानिया हुकूमत ने सरकार के ख़िलाफ़ क्रांति का बिगुल फूंकने के इल्ज़ाम में भगत सिंह को फांसी की सज़ा सुनाई। सज़ा सुनाए जाने के पॉंच महीने बाद 23 मार्च, 1931 को उनको दो साथियों सुखदेव और राजगुरु के साथ फांसी पर चढ़ा दिया गया। फांसी के पहले 3 मार्च को भगत सिंह ने अपने छोटे भाई कुलतार को भेजे एक ख़त में अपने जज़्बात कुछ इस तरह से पेश किए थे,'उसे ये फ़िक्र है हरदम, नया तर्ज़-ए-ज़फ़ा क्या है/हमें ये शौक़ है देखें, सितम की इंतिहा क्या है/....हवा में रहेगी मेरे ख़याल की बिजली/ये मुश्ते ख़ाक है फ़ानी, रहे न रहे।'' फांसी की सज़ा पर भगत सिंह ज़रा से भी विचलित नहीं हुए और हॅंसते-हॅंसते फांसी के तख़्ते पर चढ़ गए। महज़ साढ़े तेईस साल की छोटी—सी उम्र में शहादत के लिए फांसी का फ़ंदा हॅंसकर चूमने वाले, क्रांतिकारी भगत सिंह सिर्फ़ जोशीले नौजवान नहीं थे, जो कि जोश में आकर अपने वतन पर मर मिटे थे। उनके दिल में देशभक्ति के जज़्बे के साथ एक सपना था। भावी भारत की एक तस्वीर थी। जिसे साकार करने के लिए ही उन्होंने अपना सर्वस्व: देश पर न्यौछावर कर दिया। फांसी से पन्द्रह दिन पहले उन्होंने अपने एक साथी से कहा था, 'अगर मुझे छोड़ दिया गया, तो अंग्रेज़ों के लिए मैं एक मुसीबत बन जाऊॅंगा। अगर मुस्कुराहटों की माला पहने मैं मर गया, तो हिंदुस्तान की हर मॉं अपने बच्चे को भगत सिंह बनाना चाहेगी और इस तरह आज़ादी की लड़ाई में सैकड़ों बहादुर पैदा होंगे, तब इस शैतानी ताक़त के लिए क्रांति का यह मार्च रोकना बहुत मुश्किल होगा।' इतिहास गवाह है, भगत सिंह की फांसी के बाद,अंग्रेज़ हुकूमत के ख़िलाफ़ मुल्क में जो जनज्वार उभरा, वह फिर थामे नहीं थमा। कुछ बरसों में ही अंग्रेज़ों को आख़िरकार हिंदुस्तान से अपनी विदाई लेनी पड़ी।

भगत सिंह सिर्फ क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि युगदृष्टा, स्वप्नदर्शी, विचारक भी थे। वैज्ञानिक, ऐतिहासिक दृष्टिकोण से सामाजिक समस्याओं के विश्लेषण की उनमें अद्भुत क्षमता थी। भगत सिंह ने कहा था कि 'मेहनतकश जनता को आने वाली आज़ादी में कोई राहत नहीं मिलेगी।' यही नहीं अपनी मॉं को लिखे एक ख़त में उन्होंने कहा था, 'मॉं, मुझे इस बात में बिल्कुल शक नहीं, एक दिन मेरा देश आज़ाद होगा। मगर मुझे डर है कि 'गोरे साहब' की खाली की हुई कुर्सी में काले/भूरे साहब बैठने जा रहे हैं।' उनकी भविष्यवाणी अक्षरशः सच साबित हुई। देश आज़ाद ज़रूर हो गया, लेकिन सत्ताधारियों का किरदार और आम आदमी के जानिब उनका बर्ताव नहीं बदला। आज़ादी के बाद मुल्क में जिन आर्थिक सुधारों का तसव्वुर क्रांतिकारियों ने किया था, वह आज तक नहीं हुआ है। अमीर-ग़रीब के बीच दूरी ख़त्म होने की बजाए, और ज़्यादा बढ़ी है। आज देश म ` ' प्रतिक्रियावादी शक्तियों की ताक़त पहले के मुकाबले कई गुना बढ़ी है। पूॅंजीवाद, बाज़ारवाद, साम्राज्यवाद के नापाक गठबंधन ने सारी दुनिया को अपने आगोश में ले लिया है। अपने ही देश में हम आज दुष्कर परिस्थितियों में जी रहे हैं। चहुॅं ओर समस्याएं ही समस्याएं हैं। कहीं समाधान नज़र नहीं आ रहा है। ऐसे माहौल में भगत सिंह के फांसी पर चढ़ने से कुछ समय पूर्व के विचार याद आते हैं,'जब गतिरोध की स्थिति लोगों को अपने शिकंजे में जकड़ लेती है, तो किसी भी प्रकार की तब्दीली से वह हिचकिचाते हैं, इस जड़ता और निष्क्रियता को तोड़ने के लिए एक क्रांतिकारी स्प्रिट पैदा करने की ज़रूरत होती है। अन्यथा पतन और बर्बादी का वातावरण छा जाता है। लोगों को गुमराह करने वाली प्रतिक्रियावादी शक्तियॉं जनता को ग़लत रास्ते में ले जाने में सफ़ल हो जाती हैं। इससे इंसान की प्रगति रुक जाती है और उसमें गतिरोध आ जाता है। इस परिस्थिति को बदलने के लिए यह ज़रूरी है कि क्रांति की स्प्रिट ताज़ा की जाए। ताकि इंसानियत की रूह में एक हरकत पैदा हो।' अफ़सोस, आज़ादी मिलने के बाद नई पीढ़ी में क्रांति की वह स्प्रिट उत्तरोत्तर कम होती गई। जिसके परिणामस्वरूप आज हमें कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। स्वतंत्र भारत में बढ़ते साम्प्रदायिक रुझान और प्रतिक्रियावादी शक्तियों के उभार ने भगत सिंह की चिंताओं को सही साबित किया है।

भगत सिंह साम्राज्यवाद, उपनिवेशवाद के घोर विरोधी थे। सच मायने में वे भारत में समाजवादी व्यवस्था क़ायम करना चाहते थे। भगत सिंह की सारी ज़िंदगानी पर यदि हम गौर करें, तो उनकी ज़िन्दगी के आख़िरी चार साल बेहद इंक़लाबी थे। इन चार सालों में भी, उन्होंने अपने दो साल जेल में बिताये। लेकिन इन चार सालों में उन्होंने एक सदी का लंबा सफ़र तय किया। क्रांति की नई परिभाषा दी। अंग्रेज़ी हुकूमत, नौजवानों में भगत सिंह की बढ़ती लोकप्रियता और क्रांतिकारी छवि से परेशान थी। लिहाज़ा अवाम में बदनाम करने के लिए भगत सिंह को आतंकवादी तक साबित करने की कोशिश की गई। मगर क्रांति के बारे में ख़ुद, भगत सिंह के विचार कुछ और थे। वह कहते थे,'क्रांति के लिए ख़ूनी संघर्ष अनिवार्य नहीं है और न ही उसमें व्यक्तिगत प्रतिहिंसा को कोई स्थान है। वह बम और पिस्तौल की संस्कृति नहीं है। क्रांति से हमारा अभिप्राय यह है कि वर्तमान व्यवस्था जो खुले तौर पर अन्याय पर टिकी हुई है, बदलनी चाहिए।' भगत सिंह ने क्रांति शब्द की व्याख्या करते हुए कहा था,'क्रांति से हमारा अभिप्राय अन्ततः एक ऐसी सामाजिक व्यवस्था से है, जिसको इस प्रकार के घातक हमलों का सामना न करना पड़े और जिसमें सर्वहारा वर्ग की प्रभुसत्ता को मान्यता हो।' यानी भगत सिंह हक़, इंसाफ़ की लड़ाई में हिंसा को नाजायज़ मानते थे। उनकी लड़ाई सिर्फ़ व्यवस्था से थी। आदमी का आदमी के द्वारा जो शोषण होता है, उसके ख़िलाफ़ थी। सत्ता में सर्वहारा वर्ग क़ाबिज़ हो, यही उनकी ज़िंदगी का आख़िरी मक़सद था। भगत सिंह आज भले ही हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार हमें एक नई क्रांति की राह दिखलाते हैं।

बलि का बकरा

बांग्ला कहानी

■ शरतचंद्र चट्टोपाध्यार्य

लोग उसे लालू के नाम से पुकारते थे, लेकिन उसका घर का नाम कुछ और भी था। तुम्हें यह पता होगा कि 'लाल'शब्द का अर्थ प्रिय होता है। यह नाम उसका किसने रखा था, यह मैं नहीं जानता; लेकिन देखा ऐसा गया है कि कोई-कोई व्यक्ति यों ही सबके प्रिय बन जाते हैं। लालू भी ऐसा ही व्यक्ति था।

स्कूल से पास होकर हम कॉलेज में दाखिल हो गए। लालू ने कहा, 'भाई! अब मैं रोजगार करूॅंगा।'

इसके बाद अपनी मॉं से दस रुपए मॉंगकर उसने ठेकेदारी का काम करना शुरू कर दिया। हम लोगों ने हॅंसकर उसका मजाक उड़ाते हुए कहा, 'दस रुपए से भला कहीं रोजगार होता है। अगर इतनी पूंजी से रोजगार होता तो सब कर लेते।'

लालू ने कहा, 'मेरे लिए इतना ही काफी है।'

वह सबके लिए प्रिय था, इसलिए उसे काम मिलते देर न लगी। कॉलेज से लौटते वक्त रोजाना हम उसे रास्ते में सिर पर छाता लगाए हुए कुछ मजदूरों के बीच अपने काम में संलग्न पाते थे। हम लोगों को देखते ही चिढ़ाते हुए वह कह उठता था, 'अरे जल्दी-जल्दी कदम बढ़ाकर जाओ, वरना 'परसेंटेज' में कमी आ जाएगी!'

गॉंव की पाठशाला में जब हम एक साथ पढ़ते थे, तभी से वह मिस्त्री का काम करने में चतुर था। उसके बस्ते में एक नहनी, एक छुरी, एक छोटी हथौड़ी, एक घोड़े की नाल और एक छैनी हर वक्त रखी रहती थी। इन चीजों का संग्रह उसने कब और कैसे किया, यह मैं नहीं जानता; लेकिन ऐसा कोई कार्य नहीं बचा था, जिसे वह इन सामग्रियों से न कर सके। स्कूल के सभी साथियों का छाता मरम्मत, स्लेट का फ्रेम ठीक करना, खेलकूद के समय पाजामा या कमीज को सी देना, इसी तरह वह बहुत से काम किया करता था।

इसी तरह दिन गुजरते गए। जिमनास्टिक लालू सबसे अधिक तेज खेलता था। उसके बदन में जैसी ताकत थी वैसा ही साहस था। डरने का नाम उसने कभी नहीं सुना था। अगर उसमें कोई ऐब था तो एक यही था कि मौका पाने पर डराया करता था। चाहे कोई भी क्यों न हो, बच्चा-बूढ़ा, उसके लिए सब बराबर थे। हम तो समझ ही नहीं पाते थे; लेकिन वह न जाने कैसे ऐसे विचित्र उपायों को खोज डालता था। आज उसकी एक कहानी सुना ही दूॅं।

पड़ोस के मनोहर चटर्जी के यहॉं काली की पूजा हो रही थी। ठीक अर्द्धरात्रि के समय बकरा-बलिदान होना था, लेकिन बलि देने वाले लोहार का कहीं भी पता नहीं था। देर होते देख कई व्यक्ति उसके यहॉं गए तो देखा, लोहार के पेट में काफी दर्द है और आने में बिलकुल असमर्थ है। लौटकर आकर लोगों ने खबर दी। खबर पाते हो सब के सब सिर पर हाथ रखकर बैठ गए। इधर बिना बलिदान किए पूजा अधूरी रह जाएगी। अब इतनी रात को दूसरे आदमी की तलाश कहॉं की जाए। इस साल अब देवी-पूजा ठीक ढंग से नहीं हो पाएगी। तभी किसी ने कहा, 'अरे भाई, लालू यह काम कर सकता है। इस तरह न जाने कितने बकरों को वह काट चुका है।'

इतना कहना था कि कुछ लोग लालू के घर उसे बुलाने के लिए दौड़ पड़े। लालू उस समय सो रहा था। उठकर बोला, 'नहीं।'

'नहीं? अरे बेटा, मना मत करो। चले चलो, वरना देवी की पूजा संपन्न न होने से गॉंव का सत्यानाश हो जाएगा।'

लालू ने कहा, 'होने दो। बलिदान कार्य बचपन में मैंने किया था, लेकिन अब नहीं करूॅंगा।'

जो लोग बुलाने आए, काफी मान-मनौवल करने लगे, क्योंकि बलिदान के मुहूर्त में अब केवल 15 मिनट बाकी थे। इसके बाद बलिदान देना, न देना बराबर होगा। महाकाली के प्रकोप से सर्वनाश हो जाएगा।

तभी लालू के पिता ने आकर कहा, 'ये चारों तरफ से निराश होकर आए हैं। गॉंव के कल्याण के लिए तुम्हें जाना चाहिए, जाओ।' इस आदेश को अस्वीकार कर दे, इतनी हिम्मत लालू में नहीं थी। फिर उसे चटर्जी साहब के यहॉं जाना पड़ा।

लालू को अपने यहॉं देखकर चटर्जी महाशय प्रसन्न हो उठे। इधर बलिदान का समय नजदीक आता जा रहा था। जल्दी से बकरा लाकर उसे माला-सिंदूर पहनाया गया, फिर कठघरे में उसका सिर रख दिया गया। पूजा देखने के लिए आई हुई भीड़ 'जय काली माता की जय' का नारा लगाने लगी। उसी के बीच में देखते-ही-देखते खच्च से आवाज हुई और एक निरीह-बेजान जीव का धड़ सिर से अलग होकर नीचे गिर पड़ा। लालू ने कुछ देर के लिए अपनी ऑंखें बंद कर ली। पुनः कुछ देर के लिए शंख ध्वनि, घंटे की आवाज रुक गई। दूसरा बकरा आया, उसे भी पहले की तरह माला-फूल और सिंदूर लगाया गया। इसके बाद भक्तों द्वारा 'जय काली माता की' आवाज गूंजी और लालू का दाव एक बार पुनः ऊपर उठा और फिर एक बार आखिरी बार तड़फड़ाते हुए बकरा समस्त भक्तों के विरुद्ध न जाने कौन सी फरियाद करते हुए शांत हो गया। उसके खून से लाल मिट्टी फिर भीग उठी।

बाहर शहनाई बज रही थी, ऑंगन में बहुत से व्यक्ति जमा थे। सामने गलीचों के ऊपर मनोहर चटर्जी ऑंखें बंद करके इष्टनाम जप रहे थे। तभी लालू एकाएक भयंकर रूप से गरज उठा-कोलाहल वाद्य ध्वनि सबकुछ एकबारगी रुक गई। सब की कौतूहल भरी निगाहें लालू की तरफ घूम गईं।

लालू ने बड़ी बड़ी ऑंखें नचाते हुए कहा, 'और बकरा कहॉं है?'

घर के भीतर से किसी ने डरते हुए पूछा, 'और बकरा? दो ही का तो बलिदान होने वाला था।'

लालू ने खून से लथपथ दाव को ऊपर की ओर तीन-चार बार घुमाते हुए भीषण गर्जन करते हुए कहा, 'और बकरा नहीं है? यह नहीं हो सकता। मेरे सिर पर खून चढ़ गया है, लाओ बकरा, वरना मैं आज जिसे देखूॅंगा, उसी का बलिदान करूंगा, नर बलि-जय भवानी की! जय माता काली!' कहता हुआ इधर-से-उधर उछलने लगा। इधर उसके हाथ का दाव लाठी की तरह भनाभन घूम रहा था। उस समय लालू का रंग-ढंग देखकर वहॉं की जो हालत हुई, उसका वर्णन करना मुश्किल है, सभी एक साथ बाहर को दौड़ पड़े। कहीं लालू उन्हें पकड़कर बलि पर न चढ़ा दे। इस भगदड़ के कारण वहॉं की हालत बहुत ज्यादा खराब हो गई। कोई उधर गिरा तो कोई उधर। कोई मुंह के बल गिरा तो कोई सिर के बल। कोई किसी के हाथ के नीचे से भाग रहा है तो कोई किसी की टॉंग के नीचे से, यह सब कांड कुछ देर तक होता रहा, फिर सब शांत हो गया।

लालू गरज उठा, 'मनोहर चटर्जी कहॉं हैं? पुरोहित कहॉं गया?'

पुरोहित महाशय दुबले पतले थे और इसी भगदड़ के समय काली देवी की प्रतिमा के पीछे जाकर छिप गए। गुरुदेव महाशय कुशासन पर बैठे माला जप रहे थे, हालात देखकर वे भी एक बड़े खंभे की आड़ में जा छिपे, लेकिन मनोहर चटर्जी अपनी भारी-भरकम तोंद लेकर भागने से लाचार रहे। लालू ने आगे बढ़कर उनका एक हाथ कसकर पकड़ते हुए कहा, 'चलो, अब तुम्हारी बलि दूॅं!'

एक तो कसकर उसने हाथ पकड़ रखा था, दूसरे हाथ में दाव देखकर चटर्जी के प्राण सूख गए। रोते हुए विनती करते हुए बोले, 'लालू बेटा! जरा शांत होकर देख, मैं बकरा नहीं हूॅं, आदमी हूॅं। रिश्ते के नाते में मैं तेरा ताऊ लगता हूॅं। तेरे पिताजी मेरे छोटे भाई की तरह हैं।'

'यह सब मैं नहीं जानता, इस वक्त मुझे खून चाहिए। चलो, तुम्हारा बलिदान करूंगा। जगदंबा की यही इच्छा है।'

चटर्जी फफककर रोते हुए बोले, 'नहीं बेटा! मॉं की यह इच्छा नहीं है। वे तो जग जननी हैं।'

'वे जगज्जननी हैं, इसका पता है तुम्हें? अब फिर बकरा बलिदान करोगे? मुझे बलिदान देने के लिए अब बुलाओगे?'

चटर्जी ने रोते-रोते कहा, 'नहीं बेटा! अब बलिदान कभी नहीं कराऊॅंगा, मैं काली माता के सामने कसम खाता हूॅं, आज से मेरे यहॉं कभी बलिदान नहीं होगा।'

'ठीक कह रहे हो न?'

'हॉं बेटा! ठीक कह रहा हूॅं। अब कभी नहीं कराऊॅंगा, मेरा हाथ छोड़ दे बेटा, पाखाने जाऊॅंगा।'

लालू ने हाथ छोड़ते हुए कहा, 'अच्छा जाओ, तुम्हें छोड़े दे रहा हूॅं, लेकिन पुरोहित कहॉं गया? और गुरुदेव? वह कहॉं गया?' कहता हुआ वह एक बार फिर गरज उठा। फिर कमरे में से इधर-उधर टहलते हुए बरामदे के करीब आ गया।

उसका भयंकर रूप देखकर खंभे की आड़ से गुरुदेव और प्रतिमा की आड़ से पुरोहितजी दोनों एक साथ करुण स्वर में दो प्रकार की आवाजों में चीख उठे। दोनों का स्वर दो ढंग का ऐसा बेसुरा हो गया कि लालू अपने को संभाल नहीं पाया। हो-होकर हंसते हुए दाव एक ओर फेंककर भाग खड़ा हुआ।

तब यह किसी को समझते देर न लगी कि लालू ने यह सब ढोंग किया था, सचमुच उसके ऊपर काली माता सवार नहीं हुई थीं। यह कांड लोगों को डराने के लिए ही उसने किया।

थोड़ी देर बाद पुनः भक्तों की भीड़ जुट गई। अभी पूजा पूरी नहीं हुई थी। थोड़ी देर में महाकलरव के साथ पूजा समारोह शुरू हो गया।

मनोहर चटर्जी ने नाराज होकर कहा, 'कल ही कमबख्त ललुवा को पचास जूते उसके बाप से लगवाऊॅंगा।'

लेकिन उसे जूते नहीं खाने पड़े। सवेरा होने के पहले ही वह गॉंव से गायब हो गया। एक हफ्ते के बाद वह एक दिन शाम के समय मनोहर चटर्जी के यहॉं जाकर उनसे माफी मॉंग आया। बाप की नाराजगी भी दूर हो गई; लेकिन इससे एक फायदा यह हुआ कि उस घटना के बाद मनोहर चटर्जी के यहॉं फिर कभी बलिदान नहीं हुआ।

पुस्तक समीक्षा

'आन गांव के सिद्ध' हैं, 'घर के जोगी'

■ कुमार सिद्धार्थ

(आशीष दशोत्तर की किताब 'घर के जोगी' में जिन 54 कवियों, साहित्यकारों को संजोया गया है वे यूं तो दुनिया-जहान में जाने-पहचाने नामधारी हैं और इस लिहाज से स्थानीय नहीं कहे जा सकते, लेकिन जब कोई करीबी उनकी सुध लेता है तो रंग बदल जाता है। दशोत्तर ने अपने इसी रिश्ते की डोर से अपने समय और इलाके के कवियों को अपनी किताब में बांधा है। प्रस्तुत है, कुमार सिद्धार्थ की समीक्षा।)

किताबें केवल अध्ययन का साधन भर नहीं होतीं, बल्कि वे समाज, साहित्य और संस्कृति का सजीव दर्पण बनकर भावी पीढ़ियों के लिए एक अमूल्य संदर्भ ग्रंथ भी होती हैं। आशीष दशोत्तर का हाल में प्रकाशित काव्य संग्रह 'घर के जोगी' मालवा में जन्मे और सक्रिय रहे कवियों तथा साहित्यकारों के आत्मीय संस्मरणों और कविताओं के मर्म को इसी तरह प्रस्तुत करता है। यह किताब साहित्य की उस ज़मीन की पड़ताल करती है, जहॉं कविता और संस्कृति का मेल होता है।

आशीष दशोत्तर समकालीन हिंदी साहित्य के प्रतिष्ठित रचनाकारों में से एक हैं, जिनका रचनात्मक अवदान कविता, व्यंग्य, कहानी, संस्मरण और साक्षात्कार लेखन तक फैला है। हिंदी साहित्य और पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय रहते हुए उन्होंने साहित्य की विभिन्न विधाओं में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। अपनी बात में आशीष लिखते हैं कि 'घर के जोगी' किताब ज़मीन से जुड़े ऐसे घर के जोगियों की है जिन्हें स्था नीय बोली में 'जोगड़ा' कहा जाता है। कहावत है, 'घर का जोगी जोगड़ा, आन गांव का सिद्ध।' कवि ने अपनी जमीन की कविता की सुध लेने की कोशिश में अपने ही घर को तलाशा है। इस पड़ताल में कविता की समृद्ध परंपरा से परिचित होने का अवसर मिला, जो हमारे लिए धरोहर भी है और प्रेरणा भी।

इस किताब में लेखक ने कविता की जमीन और जमीन की कविता के अंतर्गत स्पिष्ट किया है कि किस प्रकार एक शहर, उसकी संस्कृति और उसकी जमीनी वास्तविकताएँ कविता के निर्माण में सहायक होती हैं। कविता केवल शब्दों का मेल नहीं होती, बल्कि उसमें ज़मीन की खुशबू, समाज की धड़कन और जीवन के अनुभव रचे-बसे होते हैं। समकालीन कविता के कई मूर्धन्य, हस्ता क्षरों का उल्लेख करते हुए दशोत्तर बताते हैं कि कैसे साहित्यकार परिवेश से प्रेरणा लेते हुए अपनी रचनाओं को जीवंत बनाते हैं। यह किताब इशारा करती है कि कविता केवल कल्पना से नहीं, बल्कि जीवन की ठोस वास्तविकताओं से जन्म लेती है।

'घर के जोगी' एक बहुआयामी किताब है, जो साहित्य, इतिहास, समाज और संस्कृति के विविध आयामों को समेटे हुए है। रचनाकारों के रचनाकर्म और संस्मजरणों से गुंथी यह किताब उनके काव्यो संदर्भों को समग्रता में रखते हुए कविता की जमीन को पुख्ता करती है। आशीष दशोत्तर का साक्षात्कार-लेखन साहित्यिक जगत में सराहा गया है। उन्होंने विभिन्न साहित्यकारों से संवाद कर उनके विचारों, लेखन प्रक्रिया और साहित्यिक यात्रा को दस्तावेज़ रूप में संरक्षित किया है, किताब में इसकी झलक भी देखने को मिलती है।

किताब में जिन सशक्तच हस्ताक्षरों ने हिंदी साहित्य को समृद्ध किया है, उनमें चंद्रकांत देवताले, विष्णु खरे, सुदीप बैनर्जी, गोपालसिंह नेपाली, प्राणवल्लभ गुप्ता, पवन कुमार मिश्र, प्रो. गणेशदत्त त्रिपाठी, प्रो. हरिहर गोस्वामी, प्रो. रमेश गुप्ता, प्रो. रामकुमार चतुर्वेदी चंचल, डॉ. जयकुमार जलज, प्रो. अजहर हाशमी, प्रो. रतन चौहान, डॉ. देवव्रत जोशी, डॉ. हरीश पाठक, अशोक डागोर, सत्यनारायण सत्तन, प्रभाशंकर उपाध्याय, गोपालदास 'नीरज', बालकवि बैरागी जैसे प्रतिष्ठित रचनाकार उल्ले खनीय हैं। इन साहित्यकारों ने अपने काव्य, गीत और लेखों के माध्यम से समाज को नई दिशा देने का प्रयास किया है। इसके माध्यम से हमें इन लेखकों के समाज और समय को देखने-परखने की दृष्टि और दर्शन की झलक भी मिलती है।

हिंदी कविता का इतिहास इस बात का साक्षी है कि सत्ता के निरंकुश चेहरे के सामने वह प्रतिरोध की आवाज बनकर उभरी है। कविता व्यापक सत्य को अपनी परिधि में समेटती है। यह सहज मानवीय अनुभूतियों – जैसे दुख, पीड़ा, अभाव, संघर्ष, हर्ष, शोषण आदि को समाहित कर अपनी जमीन तैयार करती है। यह माना जाता है कि कवि कल्पना के सहारे केवल भविष्य के सुनहरे ताने-बाने बुनने में रुचि रखता है, लेकिन सच्चाई यह है कि साहित्योकारों ने अपने समय के सामाजिक परिवेश और भोगे हुए यथार्थ को गहरे अहसास के साथ रचना कर्म में प्रकट किया है।

'घर के जोगी' किताब की विशेषता इसकी प्रमाणिकता और शोधपरकता है। लेखक ने विभिन्न ऐतिहासिक स्रोतों/संदर्भों को खंगालकर समाज, संस्कृति और साहित्यख का सम्यक विवेचन किया है। यह किताब केवल तथ्यात्मक जानकारी का संकलन मात्र नहीं है, बल्कि समकालीन परिस्थितियों के सामाजिक और सांस्कृतिक प्रभावों का भी विश्लेषण प्रस्तुत करती है। लेखक आशीष दशोत्तर का साहित्यिक सफर भी बहुआयामी रहा है। उनकी कविताएँ समाज के जटिल यथार्थ, मानवीय संवेदनाओं और समकालीन प्रश्नों को सशक्त अभिव्यक्ति प्रदान करती है।दशोत्तर की व्यंग्य लेखन क्षमता भी उल्लेखनीय है। उनके लेखन में हास्य और व्यंग्य के माध्यम से समाज की विसंगतियों को उजागर करने की विशेष कला दिखाई देती है। कहानी साहित्य में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

'घर के जोगी' किताब की भाषा सहज, प्रवाहमयी और संवादात्मक है। इसमें साहित्यिक सौंदर्य और तथ्यपरकता का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है। यह केवल एक किताब नहीं है, बल्कि हमें हमारी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का अवसर भी प्रदान करती है। यह किताब कविता की उस अंतर्निहित शक्ति को सामने लाती है, जो समाज को जागरूक करने, विचारों को प्रेरित करने और साहित्य को सशक्त करने का कार्य करती है। यह किताब उन पाठकों के लिए एक धरोहर है, जो साहित्यन को केवल पढ़ना ही नहीं, बल्कि उसे गहराई से अनुभव करना चाहते हैं।

किताब दर्शाती है कि किस प्रकार कविता और साहित्य केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि समाज के भीतर गहरे बदलाव का माध्यम होते हैं। इसमें सम्मिलित साहित्यकारों के योगदान से स्पष्ट होता है कि कविता केवल व्यक्तिगत अनुभवों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह समाज के संघर्षों, आशाओं और आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति भी होती है। जो पाठक साहित्य, समाज और संस्कृति में गहरी रुचि रखते हैं, उनके लिए यह किताब महत्वहपूर्ण दस्ता्वेज है। किताब पाठकों को अपने साहित्यिक मूल्यों से जोड़ने का कार्य करती है और विचारों, दृष्टिकोण और संवेदनाओं को भी पाठकों तक पहुँचाती है। यह किताब प्रमाणित करती है कि कविता की ज़मीन हमेशा समाज की ज़मीन से जुड़ी रहती है।

(सप्रेस)

साहित्यकारों के फोटो-कोलाज से बने आकर्षक कवर वाली आशीष दशोत्तर की यह पुस्तक मालवा की मिट्टी में जन्मे और रचे-बसे साहित्यकारों की रचनाओं का संकलन है। 372 पेज की इस किताब को 'बोधि प्रकाशन, जयपुर' ने प्रकाशित किया गया है। किताब साहित्य जगत की शख्सियतों से परिचय कराती है, जिन्होंने अपनी कल्पनाओं को महज स्वप्नलोक तक सीमित नहीं रखा, बल्कि अपने समय की घटनाओं के मर्म को शब्दों में ढाला है। पुस्त क का मूल्यक 499 रखा गया है।

खेल जगत

पोंटिंग को उम्मीद, पंजाब बनेगा आईपीएल का नया बादशाह

मोहाली। पंजाब किंग्स के नए हेड कोच रिकी पोंटिंग को उम्मीद है कि उनकी टीम इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का खिताब जीत सकती है। मेटा क्रिएटर्स के साथ बातचीत में ऑस्ट्रेलियाई विश्व कप विजेता टीम के कप्तान पोंटिंग इस सीज़न की नीलामी में बनाई गई नई टीम के प्रति काफ़ी आश्वस्त दिखे और उन्हें उम्मीद है कि वे इस साल ट्रॉफी जीतेंगे। आईपीएल ट्रॉफी जीतने को अंतिम लक्ष्य बताते हुए, पोंटिंग ने बताया कि कैसे टीम बेहतर होने और सुधार करने के लिए हर मिनट का उपयोग कर रही है और इसलिए, इस सीजन में किंग्स का सामना करने से पहले विरोधियों को खुद को अच्छी तरह से तैयार करना चाहिए। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि इस टीम का लक्ष्य आईपीएल जीतना है। धर्मशाला में आयोजित कैम्प में शामिल होने के पहले दिन ही मैंने खिलाड़ियों से कहा था कि हम पंजाब किंग्स की सबसे बेहतरीन टीम बनाने जा रहे हैं।

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सनराइजर्स हैदराबाद की मजबूत शुरुआत की उम्मीद

- सनराइजर्स टी-20 क्रिकेट में 300 रन के जादुई आंकड़े को पार करने में सक्षम कुछ टीमों में से एक है
- हैदराबाद फ्रेंचाइजी में विश्व क्रिकेट के कुछ सबसे विस्फोटक बल्लेबाज हैं

हैदराबाद, 22 मार्च (एजेंसियां)। पिछले सीजन की आईपीएल उपविजेता सनराइजर्स हैदराबाद रविवार को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने पहले मैच में अपने अभियान की जोरदार शुरुआत करना चाहेगी। विनाशकारी बल्लेबाजी लाइन-अप और अनुभवी गेंदबाजी आक्रमण से लैस, सनराइजर्स इस मुकाबले में स्पष्ट रूप से पसंदीदा के रूप में उतरेगी, खासकर बल्लेबाजी के अनुकूल सतह पर, जहां उच्च स्कोरिंग मुकाबला देखने को मिल सकता है। हैदराबाद फ्रेंचाइजी में विश्व क्रिकेट के कुछ सबसे विस्फोटक बल्लेबाज हैं, जिसमें ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन एक मजबूत शीर्ष क्रम बनाते हैं। बड़े स्कोर बनाने की अपनी प्रतिष्ठा के साथ, सनराइजर्स टी20 क्रिकेट में 300 रन के जादुई आंकड़े को पार करने में सक्षम कुछ टीमों में से एक है। पिछले सीजन में उनके दबदबे ने उन्हें तीन मौकों पर 250 से ज्यादा का स्कोर बनाने का मौका दिया, जिसमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ रिकॉर्ड 287 और मुंबई इंडियंस के खिलाफ 277 रन शामिल हैं। सनराइजर्स के लिए एक अहम बढ़ावा ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी की चोट से वापसी है, जिससे उनकी पहले से ही मजबूत लाइन-अप और मजबूत हुई है। अभिषेक शर्मा खास तौर पर शानदार फॉर्म में हैं, जिन्होंने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 में सिर्फ 54 गेंदों पर 135 रन बनाए थे। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की मौजूदगी को छोड़कर राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजी आक्रमण में गहराई की कमी है, ऐसे में सनराइजर्स पहले बल्लेबाजी करने पर एक और बड़ा स्कोर बनाने की कोशिश करेंगे। कप्तान पैट कमिंस और अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की अगुआई वाली गेंदबाजी इकाई सुनिश्चित करती है कि सनराइजर्स एक संतुलित टीम बनी रहे। अनुभवी स्पिनर एडम जम्पा की मौजूदगी उनके आक्रमण में और विविधता लाती है, जिससे उन्हें राजस्थान की अपेक्षाकृत कम अनुभव वाली टीम पर बढ़त मिलती है। इस बीच, रॉयल्स को कप्तान संजू सैमसन की उंगली में चोट के कारण शुरुआती झटके का सामना करना पड़ रहा है। सैमसन अभी भी रक्षात्मक बल्लेबाजी कर सकते हैं, लेकिन वह फील्डिंग या विकेटकीपिंग नहीं कर पाएंगे, जिसका मतलब है कि राजस्थान को रणनीतिक बदलाव करने होंगे। युवा बल्लेबाज रियान पराग पहले तीन मैचों के लिए अंतरिम रूप से टीम की अगुआई करेंगे। जोस बटलर के रिलीज होने के बाद राजस्थान की बल्लेबाजी थोड़ी कमजोर दिख रही है।

रविवार, 23 मार्च

- **स्थान:** राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम, हैदराबाद
- **प्रसारण** : मैच का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा।
- **स्ट्रीमिंग** : मैच का सीधा प्रसारण जियोहॉटस्टार पर किया जाएगा

सनराइजर्स हैदराबाद: पैट कमिंस (कप्तान), ट्रैविस हेड, ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन, अभिषेक शर्मा, सचिन बेबी, मोहम्मद शमी, एडम जम्पा, अनिकेत वर्मा, अभिनव मनोहर, राहुल चाहर, ईशान मलिंगा, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, नितीश कुमार रेड्डी, अथर्व तायडे, ब्रायडन कार्स, सिमरजीत सिंह, जयदेव उनादकट, जीशान अंसारी।
राजस्थान रॉयल्स: रियान पराग (कप्तान), संजू सैमसन, शुभम दुबे, शिमरॉन हेटमायर, यशस्वी जयसवाल, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा, कुणाल सिंह राठौड़, वैभव सूर्यवंशी, वानिंदु हसरंगा, जोफ्रा आर्चर, अशोक शर्मा, तुषार देशपांडे, फजलहक फारूकी, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, महेश थीक्षाना, युद्धवीर सिंह।

दिल्ली प्रीमियर लीग सीआईएसएफ का खिताब तय, गढ़वाल पिटी

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। तीसरी दिल्ली प्रीमियर लीग का विजेता तय हो गया है। हालांकि अभी दो मैच खेले जाने बाकी हैं लेकिन पुलिस खेलों की चैंपियन सीआईएसएफ प्रोटैक्टर ने आज यहां अम्बेडकर स्टेडियम मैदान पर अपने 21वें मैच में सुदेवा दिल्ली एफसी को 2-1 से हरा कर खिताब पर कब्जा कर लिया है। दिन के दूसरे मुकाबले में रॉयल रेंजर्स एफसी ने गढ़वाल हीरोज पर 2-0 की जीत दर्ज की। विजेता के गोल अखिलेश

देवरानी और के एल शिखर ने किए। सीआईएसएफ के लिए आदित्य और शक्तिनाथ ओराओन ने गोल जमाए। पराजित सुदेवा का गोल जाजो प्रशान ने किया। सीआईएसएफ के फिलहाल 47 अंक हैं, जिस तक पहुंचना अन्य टीमों के लिए संभव नहीं होगा। विजेता टीम को अपने अंतिम लीग मुकाबले में पिछली चैंपियन गढ़वाल हीरोज से खेलना है, जिसके परिणाम का कोई फर्क नहीं पड़ने वाला क्योंकि गढ़वाल को रॉयल रेंजर्स के हाथों हार का सामना करना पड़ा है। डीपीएल में खिताबी दावेदारों में आगे की कतार पर खड़ी गढ़वाल ने शायद आज अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया।

सार संक्षेप

हॉकी इंडिया ने मनदीप और उदिता को दी शादी की बधाई

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने स्टार खिलाड़ी मनदीप सिंह और उदिता दुहान को परिणय सूत्र में बंधने की बधाई दी है। हॉकी इंडिया ने शनिवार को एक बयान जारी कर कहा कि हॉकी इंडिया अपने स्टार खिलाड़ियों मनदीप सिंह और उदिता दुहान को हार्दिक बधाई देता है, जो आज अपनी शादी का जश्न मना रहे हैं। अपने-अपने क्षेत्रों में अनुकरणीय समर्पण और प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले इस जोड़े ने देश भर के महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए रोल मॉडल की भूमिका निभाई है। हॉकी इंडिया नवविवाहितों को उनके व्यक्तिगत और पेशेवर सफर में जीवन भर खुशियाँ और सफलता की कामना करता है। गौरतलब है कि ओलंपियन मनदीप सिंह ने शुक्रवार को भारतीय महिला हॉकी टीम की डिफेंडर उदिता कौर के साथ जालंधर के मॉडल टाउन स्थित गुरुद्वारा सिंह सभा में सात फेरे लिए थे। इस अवसर पर हॉकी इंडिया के महासचिव भोला सिंह और अन्य साथी खिलाड़ी मौजूद रहे।

चोटिल गार्डनर न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर

ऑकलैंड। अंगुली में चोट की शिकार ऑस्ट्रेलिया महिला टीम की प्रमुख ऑलराउंडर एश्ले गार्डनर न्यूजीलैंड दौरे के खिलाफ श्रृंखला के बाकी बचे मैचों से बाहर हो गयी है। शुक्रवार को पहले टी20 मैच के दौरान उनकी दाहिनी तर्जनी अंगुली में फ्रेक्चर हो गया है। स्कैन में इसकी पुष्टि हो गयी है। जिसकी वजह से गार्डनर शेष मैच नहीं खेल पायेगी। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने इसकी पुष्टि की है। गार्डनर 17वें ओवर में खुद की गेंद पर रिर्टन कैच लेने के प्रयास में चोटिल हो गईं थी जिसके बाद सोफी डिवाइन ने उनकी गेंदों पर जबरदस्त प्रहार किया। गार्डनर अब आगे के स्कैन की प्रक्रिया से गुजरेंगी और सिडनी लौटने पर विशेषज्ञ की सलाह लेंगी। गार्डनर की अनुपस्थिति में, अनकैप्ड ऑलराउंडर चार्ली नॉट को 23 मार्च को खेले जाने वाले दूसरे टी20 में मौका दिया गया है। क्वींसलैंड की इस 22 वर्षीय खिलाड़ी को उनके घरेलू मैचों में बेहतर प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए अवसर दिया गया है।

देश के लिए पैरालंपिक स्वर्ण जीतना चाहती है पायल

नई दिल्ली। खेलो इंडिया पैरा गेम्स में पदार्पण करने वाले पायल नाग का सपना देश के लिये स्वर्ण पदक जीतना है। शीतल देवी ने पेरिस पैरालंपिक में जब बिना हाथों के देश के लिए तीरंदाजी में पहला पदक जीतने का कारनामा किया तो दुनिया हैरान रह गई। सबको लगा कि यह कैसे हो सकता है। शीतल रातों-रात स्टार बन गई लेकिन शीतल की ही अकादमी में रहने वाली पायल नाग (जो शीतल को बड़ी बहन मानती हैं) बिना हाथ और बिना पैर के तीरंदाजी करती हैं और जयपुर में हाल ही में आयोजित पैरा नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप में शीतल को हराकर चैंपियन का ताज हासिल कर चुकी हैं। जयपुर में हाल ही में आयोजित पैरा नेशनल आर्चरी चैंपियनशिप में देश की दिग्गज पैरा आर्चर शीतल देवी को हराकर पायल ने यह साबित किया कि आने वाला वक्त उनका है और बिट्राइस जैसी सफलता उनसे दूर नहीं है।

भारतीय पैरा जूडो टीम विश्वकप में भाग लेने पहुंची तिब्लिसी

लखनऊ। भारतीय पैरा जूडो की नौ सदस्यीय टीम विश्वकप में भाग लेने शनिवार को जार्जिया के तिब्लिसी पहुंच गयी। यहां आई.बी.एस.ए. जूडो वर्ल्ड कप का आयोजन जार्जियन पैरालम्पिक कमेटी द्वारा किया जा रहा है। दृष्टिबाधित जूडो खिलाड़ियों के लिये इण्डियन ब्लाइंड एण्ड पैरा जूडो एसोसिएशन द्वारा लखनऊ स्थित इण्डियन पैरा जूडो एकेडमी में प्रशिक्षण शिविर का भी आयोजन किया गया था जिसमें मुख्य कोच मुनव्वर अंज़ार एवं सहायक कोच अकरम शाह मौजूद रहे।

हॉकी इंडिया ने महिला कोचिंग कैंप के लिए 65 सदस्यीय कोर ग्रुप की घोषणा की

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। हॉकी इंडिया ने बेंगलुरु के साई में शुरू होने वाले आगामी सीनियर महिला राष्ट्रीय कोचिंग कैंप के लिए 65 सदस्यीय कोर संभावित ग्रुप की रविवार को घोषणा की। इस ग्रुप का चयन पंचकूला में 15वीं हॉकी इंडिया सीनियर महिला राष्ट्रीय

हॉकी झारखंड ने हॉकी हरियाणा को तनावपूर्ण शूटआउट में हराकर खिताब जीता था

चैंपियनशिप में हाल ही में किए गए प्रदर्शन के आधार पर किया गया है, जहां हॉकी झारखंड ने हॉकी हरियाणा को तनावपूर्ण शूटआउट में हराकर खिताब जीता था। जहां मौजूदा कोर ग्रुप से 30 खिलाड़ियों को बरकरार रखा गया है, वहीं असम हॉकी, हॉकी चंडीगढ़, हॉकी हिमाचल, साई, हॉकी बंगाल, यूपी हॉकी, हॉकी झारखंड, हॉकी कर्नाटक, मणिपुर हॉकी, हॉकी पंजाब, केरल हॉकी, एमपी हॉकी, सीआरपीएफ, ओडिशा, सीबीडीटी, हॉकी मिजोरम, हॉकी महाराष्ट्र और हॉकी एपी से खिलाड़ियों को बुलाया गया है। भारतीय महिला टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह प्रतियोगिता देखने और नई प्रतिभाओं की खोज करने के लिए प्रीमियर घरेलू राष्ट्रीय चैंपियनशिप में मौजूद थे।

बुमराह के बिना खेलेगी मुंबई इंडियंस

चेन्नई, 22 मार्च (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एल क्लासिको में चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच रविवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में 2025 सीजन के अपने पहले मैच में दो सबसे सफल फ्रेंचाइजी आमने-सामने होंगी। सीएसके अपने मजबूत स्पिन आक्रमण पर निर्भर है और एमआई के प्रमुख खिलाड़ी गायब हैं, ऐसे में घरेलू टीम इस मुकाबले में मामूली पसंदीदा के रूप में शुरुआत करेगी, जो दोनों टीमों के अभियान की दिशा तय कर सकती है। पांच बार की आईपीएल चैंपियन सीएसके ने चेपॉक में स्पिन के अनुकूल परिस्थितियों में अपने लाभ को अधिकतम करने पर स्पष्ट ध्यान केंद्रित करते हुए अपनी टीम बनाई है। उन्होंने पिछले साल की मेगा नीलामी में रविचंद्रन अश्विन, नूर अहमद, श्रेयस गोपाल और दीपक हुड्डा को हासिल करके अपने स्पिन विभाग को मजबूत किया, साथ ही रवींद्र जडेजा के अनुभव को भी जोड़ा। इन मजबूतियों के साथ, धीमी, टर्निंग ट्रैक पर विपक्षी बल्लेबाजों को चकमा देने की सीएसके की रणनीति एमआई की पावर-पैक बैटिंग लाइन-अप के खिलाफ महत्वपूर्ण हो सकती है। इस सब के केंद्र में एमएस धोनी होंगे, जिनकी मौजूदगी सीएसके के प्रशंसकों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है। अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज, जो आईपीएल की शुरुआत से ही फ्रेंचाइजी के साथ हैं, एक बार फिर स्टंप के पीछे से अपने गेंदबाजों का रणनीतिक रूप से मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

दूसरी ओर, मुंबई इंडियंस अपने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बिना खेलेगी, जो पीठ की चोट से उबर रहे हैं। उनकी अनुपस्थिति, विशेष रूप से डेथ ओवरों में, सीएसके के आक्रामक मध्य क्रम के खिलाफ एमआई को कमजोर बना सकती है। उनकी चिंताओं में इजाफा करते हुए, पिछले सीजन में धीमी ओवर-रेट उल्लंघन के लिए एक गेम के निलंबन के कारण नियमित कप्तान हार्दिक पांड्या भी इस मैच के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

आईपीएल ने शाम के मैचों में दूसरी पारी में 10वें ओवर के बाद गेंद बदले जाने की अनुमति दी

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल ने शाम के मैच में दूसरी पारी के 10वें ओवर के बाद गेंद को बदले जाने की अनुमति देने का फैसला किया है ताकि गेंदबाजी टीम ओस के प्रभाव से निपट सके। गेंद के अतिरिक्त बदलाव के लिए किए जाने वाले अनुरोध पर ऑनफील्ड अंपायर कोई भी फैसला अपने विवेक के आधार पर लेंगे। यह निर्णय गुरुवार को सभी 10 फ्रेंचाइजी के कप्तानों के साथ हुई मीटिंग के दौरान लिया गया, जिसमें शनिवार से शुरू हो रहे आईपीएल 2025 के लिए प्लेइंग कंडिशंस को लेकर चर्चा की गई थी।

शुक्रवार को इस नियम के संबंध में सभी फ्रेंचाइजी को एक नोट के जरिए, जिसे ईएसपीएन क्रिकइंफो ने भी देखा है, अवगत करा दिया गया। अब तक गेंद बदले जाने पर फैसले का अधिकार पूर्ण रूप से अंपायरों को हुआ करता था, ऐसी स्थिति में जब उन्हें लगता था कि गेंद को बदले जाने की जरूरत है या गेंद काफी गीली हो गई है। हालांकि फ्रेंचाइजी चाहती थीं कि मैच अधिकारी उन्हें एक से ज्यादा बार गेंद को बदले जाने की अनुमति दें। नए नियम के अनुसार चेज के दौरान 11 से 20 ओवर के बीच में गेंद को कभी भी बदले जाने की अनुमति दी जाएगी, भले ही उस समय मैदान पर ओस पड़ रही हो या नहीं।

एएफसी बीच सॉकर: कुवैत के खिलाफ 2-4 से हारकर भारत बाहर

पटाया, 22 मार्च (एजेंसियां)। कुवैत ने शनिवार को एएफसी बीच सॉकर एशियन कप थाईलैंड 2025 ग्रुप ए मुकाबले में भारत को 4-2 से हराकर नॉकआउट चरण की अपनी उम्मीदों को फिर से जगाया। मोहम्मद हाजेया के दो अंतिम क्षणों के गोलों ने कुवैत के पक्ष में मैच को सील कर दिया, जबकि भारत ने जोमटियन बीच एरिना में संघर्षपूर्ण प्रदर्शन किया था। भारत के पास पहले मिनट में ही बढ़त हासिल करने का मौका था, जब सतीश सुभाष को कॉर्नर किक के बाद कोई निशान नहीं मिला, लेकिन उनके प्रयास को कुवैत के गोलकीपर मोहम्मद अलशायर ने पकड़ लिया। पहले दौर में बराबरी के बाद, कुवैत को 10वें मिनट में एक अच्छा मौका मिला, जब मोहम्मद

मैच के दौरान, कुवैत ने 20वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली,

हाजेया की फ्री-किक भारत के गोलकीपर प्रतीक फ्रांसिस्को के हाथ से निकल गई। भारत ज्यादा देर तक पीछे नहीं रहा, उसने उसी मिनट में बराबरी कर ली जब रोहित येसुदास के शुरुआती प्रयास को रोकने के बाद सतीश ने सबसे तेज प्रतिक्रिया करते हुए हेडर से गोल किया। बराबरी के गोल से उत्साहित भारत के पास दूसरे पीरियड में जल्दी ही बढ़त बनाने के मौके थे, लेकिन दोनों ही मौकों पर उमर अलफैलाकावी ने मुहसीर बदावथुमाद को रोकने के लिए स्मार्ट बचाव किया। मैच के दौरान, कुवैत ने 20वें मिनट में बढ़त हासिल कर ली, जब फैसल अलमानये ने बैक पोस्ट पर वायल अलशामरी को आसान हेडर से प्रतीक के पास से गोल करने का मौका दिया। 27वें मिनट में एक बार फिर बढ़त हासिल हुई, जब उमर अलरौकी का शॉट एक छोर से पोस्ट से टकरा गया, लेकिन कुछ सेकंड बाद ही रोहित ने सतीश के पास पर गोल करके भारत को बराबरी दिला दी। हालांकि, कुवैत ने अंत में अंक हासिल किये जब मैच के अंतिम दो मिनट में हाजेया के ओवरहेड किक के जरिए दो शानदार गोलों से जीत दर्ज की।

हीथर नाइट ने इंग्लैंड की कप्तानी छोड़ी

लंदन, 22 मार्च (एजेंसियां)। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने शनिवार को घोषणा की कि हीथर नाइट ने लगभग नौ साल बाद इंग्लैंड की महिला टीम की कप्तानी छोड़ दी है। एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 16-0 की करारी हार के बाद हेड कोच जॉन लुईस के जाने के एक दिन बाद यह कदम उठाया गया है। नाइट चयन के लिए उपलब्ध रहेंगी। नाइट ने 2016 से अब तक 199 बार इंग्लैंड की कप्तानी की है, जिसमें 2017 में टीम को घरेलू विश्व कप में जीत दिलाना और दो अन्य आईसीसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचाना शामिल है। उन्होंने इंग्लैंड की महिला कप्तान के रूप में 134 जीत हासिल की हैं, जो इंग्लैंड की महिलाओं की सर्वकालिक सबसे सफल कप्तानों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। उन्होंने

नाइट ने 2016 से अब तक 199 बार इंग्लैंड की कप्तानी की है

टीम को लगातार आठ वनडे सीरीज जीतने का रिकॉर्ड भी दिलाया, जिसमें 2023 की घरेलू एशेज के दौरान ऑस्ट्रेलिया को हराना भी शामिल है, जिसमें इंग्लैंड ने टी20 सीरीज जीतकर रोमांचक महिला एशेज भी जीती, जिसने अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट में रुचि को एक नए स्तर पर पहुंचा दिया। ईसीबी ने एक बयान में कहा कि हालांकि, यूएई में पिछले साल के टी20 विश्व कप और ऑस्ट्रेलिया में हाल ही में हुई एशेज में टीम के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, ईसीबी ने टीम को एक नए युग में ले जाने के लिए एक नया कप्तान नियुक्त करने का फैसला किया है। नाइट के उत्तराधिकारी की नियुक्ति जल्द ही की जाएगी नाइट ने कहा, कि पिछले नौ वर्षों से अपने देश की कप्तानी करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और मैं अपने कार्यकाल को बहुत गर्व के साथ याद करूंगी। मुझे टीम का नेतृत्व करने की चुनौती पसंद है, लेकिन सभी अच्छी चीजें खत्म हो जाती हैं और मेरे लिए यह समय है कि मैं टीम में वापस जाऊं और टीम के लिए सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और टीममेट बनने पर ध्यान केंद्रित करूं।

महिला एनएसडब्ल्यू ओपन : दीक्षा और प्रणवी शीर्ष 10 में शामिल, अवनी 25वें स्थान पर

वोलोंगोंग (ऑस्ट्रेलिया), 22 मार्च (एजेंसियां)। दीक्षा डागर लगातार तीसरे दिन शीर्ष 10 में बनी रहीं और प्रणवी उर्स शनिवार को यहां फोर्ड महिला एनएसडब्ल्यू ओपन के तीसरे दौर के अंत में उनके साथ शामिल हो गईं। दीक्षा ने अपने पिछले दौर के 67-68 में 2-अंडर 69 जोड़ा और 54 होल के लिए 9-अंडर पर हवा की स्थिति में संयुक्त आठवें स्थान पर रहीं। 71-68 के बाद प्रणवी ने शानदार 5-अंडर 66 का स्कोर बनाया और टी-10 पर पहुंच गईं, जबकि रूकी अवनी प्रशांत ने 1-अंडर 70 के साथ अपनी प्रतिष्ठा को और बेहतर बनाया, जिसमें पार-13वें पर एक ईगल भी शामिल था। अवनी के लिए यह लगातार तीसरा कट था, जिन्होंने अपने घरेलू दौरे, महिला पेशेवर गोल्फ टूर और लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) एक्सेस पर प्रो खिताब जीते हैं। इंग्लैंड की रूकी मिमी रोड्स ने बोगी-फ्री 68 (-3) कार्ड बनाकर 15-अंडर पार पर पहुंचने के बाद अंतिम दौर में एक शॉट की बढ़त ले ली है। वह इतालवी एलेसेंड्रा फैनली (64) से एक अंक आगे हैं और वह 14-अंडर पर हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया की कर्स्टन रूडगेली और स्पेन की नूरिया इटुरियोज 12-अंडर पर तीसरे स्थान पर हैं। दो एलईटी खिताब जीतने वाली और इस साल मोरक्को में लल्ला मेरीम कप में दूसरे स्थान पर रहीं दीक्षा ने 10वें, 11वें और 13वें स्थान पर तीन बर्डी लगाईं और उनका एकमात्र शॉट सातवें स्थान पर गिरा। साथी भारतीय अवनी के साथ खेलने वाली प्रणवी का दौर अजीब रहा। उसने 5-अंडर का स्कोर किया और 10वें से 14वें होल तक लगातार पांच बर्डी लगाईं और बाकी सभी पार रहीं। अवनी ने नौवें होल पर बोगी लगाई और 13वें होल पर आने तक वन-ओवर पर थी, जिसे उसने ईगल किया। उसने 16वें होल पर एक और शॉट गंवा दिया, लेकिन 18वें होल पर बर्डी लगाकर अंडर-पार राउंड सुनिश्चित किया।

- 71-68 के बाद प्रणवी ने शानदार 5-अंडर 66 का स्कोर बनाया और टी-10 पर पहुंच गईं

महिला मुक्केबाजी राष्ट्रीय: विश्व विजेता नीतू घनघस ने शीर्ष सितारों के साथ बढ़त बनाई

ग्रेटर नोएडा, 22 मार्च (एजेंसियां)। विश्व चैंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता नीतू घनघस (हरियाणा) ने 8वीं एलीट महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 के दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन किया, न्यूनतम भार वर्ग (45-48 किग्रा) में राजस्थान की अंजलि चौधरी पर एकतरफा जीत हासिल कर अगले दौर में प्रवेश किया। अन्य शीर्ष सितारे, जैस्मीन लैम्बोरिया, जो सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड (एसएससीबी) की केवल दो प्रतियोगियों में से एक हैं, और साक्षी भी प्रभावशाली जीत के साथ अगले दौर में पहुंच गईं। जैस्मीन ने उत्तर प्रदेश की आइस प्रजापति को आसानी से हरा दिया। एसएससीबी की दूसरी मुक्केबाज साक्षी ने भी पंजाब की संदीप कौर पर 5:0 की जीत के साथ इसी तरह का दबदबा दिखाया, जिससे प्रतियोगिता में सर्विसेज की उपस्थिति मजबूत हुई। उत्तर

प्रदेश बॉक्सिंग एसोसिएशन के सहयोग से बीएफआई द्वारा आयोजित यह चैंपियनशिप ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश में शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित की जा रही है और 27 मार्च को समाप्त होगी। 24 राज्य इकाइयों की लगभग 200 मुक्केबाज इस सप्ताह भर चलने वाले टूर्नामेंट में दस भार श्रेणियों में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जो विश्व मुक्केबाजी तकनीकी और प्रतियोगिता नियमों का पालन करता है, जिसमें एक मिनट के आराम अंतराल के साथ तीन तीन मिनट के राउंड शामिल हैं। अनामिका हुड्डा (रेलवे) ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा, उन्होंने आंध्र प्रदेश की मानसा वेनी अनकापल्ली के खिलाफ पहले दौर में ही जीत दर्ज की, जबकि युवा विश्व चैंपियन देविका घोरपड़े (महाराष्ट्र) ने भी कर्नाटक की सुमैया एम. को नॉकआउट जीत के साथ हराकर प्रभावित किया। 54-57 किग्रा वर्ग में, कुंजरानी देवी (मणिपुर) ने मोनिका मेहता (उत्तराखंड) को कड़े मुकाबले में 4:1 के विभाजित निर्णय से हराया, जबकि पूनम (रेलवे) कर्नाटक की के. योगश्री के सामने बहुत मजबूत साबित हुईं। 60-65 किग्रा वर्ग में यूपी की सरिता राय ने दिल्ली की शिवानी पर शानदार जीत हासिल की। मीनाक्षी (एआईपी) ने 45-48 किग्रा वर्ग में केरल की मिलानो एम.जे. को 5:0 की सर्वसम्मत जीत के साथ हराया।

मामला प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति गुना, ग्राम पंचायत देवपुर के वनपुरा सापोंन गांव का

खाद्यान्न गबन की जांच रिपोर्ट : 8 साल बीतने के बाद भी सेल्समैन पर नहीं हुई एफआईआर

टीकमगढ़, देशबन्धु । बल्देवगढ़ अनुविभागीय कार्यालय में वित्तीय वर्ष 2018 तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी बंदना राजपूत से लेकर रह चुके छ: जिम्मेवार अधिकारियों के तबादले होने के वावजूद भी एक बड़ी लापरवाही सामने निकलकर आ रही है कि बल्देवगढ़ में पदस्थ रही चुकी तत्कालीन कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सपना सेन राशन घोटाले की मामले की जांच रिपोर्ट 8 साल पहले एसडीएम अनुभाग कार्यालय बल्देवगढ़ को सौंपने के वावजूद भी सेल्समैन पर एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई।

गौरतलब है, कि गुना प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य की दुकान देवपुर में तत्कालीन सेल्समैन छिमाधर यादव द्वारा अगस्त 2018 में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत बांटे जाने वाला खाद्यान्न 78 क्विंटल 37 किलो गेहूं, 21 क्विंटल 83 किलो चावल का राशन का गबन कर लिया है। जिसमें देवपुर ग्राम पंचायत गांव के वनपुरा सापोंन के राशन कार्डधारियो ने एसडीएम बल्देवगढ़ से शिकायत की गई थी।

जिसकी जांच रिपोर्ट तत्कालीन कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सपना सेन ने राशन घोटाले की जांच रिपोर्ट तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी वंदना राजपूत के कार्यकाल के दौरान सेल्समेन छिमाधर यादव पर 8 साल बीतने के वावजूद भी जिम्मेदार अधिकारियों ने राशन घोटाले की जांच रिपोर्ट के मिलने के बावजूद भी एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई है।

इनका कहना है

इस मामले की जानकारी में आया है बल्देवगढ़ एसडीएम से बोलकर इस मामले की जांच करवाता हूं। इस तरह का भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जिले की आराध्या ने जीता राज्य स्तरीय ओलंपियाड

राष्ट्रीय ओलंपियाड में करेंगी प्रदेश का प्रतिनिधित्व

टीकमगढ़, देशबन्धु । राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल के तत्वावधान में लीप फार वर्ड एवं निहार शांति पाठशाला फाउंडेशन द्वारा प्रायोजित अंग्रेजी ओलंपियाड वर्ड पावर चैम्पियन की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन भोपाल के प्रगत शैक्षिक संस्थान परिसर में किया गया। प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में पलेरा के शासकीय प्राथमिक शाला खरऊआपुरा कैम्पस शाला सी. एम. राइज, पलेरा की कक्षा 2 की छात्रा कु. आराध्या अनिल मिश्रा ने टीकमगढ़ जिले का प्रतिनिधित्व कर फाइनलिस्ट में दूसरे स्थान पर रहकर 6 प्रतिभागियों में अपनी जगह बनाई।

प्रतियोगिता के फाइनल फिनाले के सभी राउंड में आराध्या मिश्रा ने अपनी बढत बनाए रखी और अंतत: प्रथम स्थान पर रहकर अंग्रेजी ओलंपियाड के स्टेट चैम्पियन की ट्राफी और गोल्ड मेडल, सर्टिफिकेट और अनेकों उपहार अपने नाम कर स्टेट चैम्पियन बनी। कुं. आराध्या मिश्रा मुम्बई में होने वाली राष्ट्रीय अंग्रेजी ओलंपियाड प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की ओर से प्रतिभागी होगी। राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल नें भव्य सम्मान समारोह में प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मार्गदर्शी शिक्षक राम कुमार नायक को प्रशस्ति पत्र और उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जिला शिक्षा केंद्र टीकमगढ़ से एपीसी (अकादमिक) मनोज कुमार गुप्ता, माडल स्कूल पलेरा से अंग्रेजी के नोडल शिक्षक बी.एस. राजपूत एवं बरिष्ठ शिक्षक राजीव जैन अभिभावक अनिल कुमार मिश्रा को मंच पर आमंत्रित कर सम्मानित किया गया ।आराध्या की इस उपलब्धि का श्रेय जिला परियोजना समन्वयक श्री पी आर त्रिपाठी, संस्था प्राचार्य महेश रावत, बीआरसी भानू श्रीवास्तव, प्रधानाध्यापक कैलाश खरे, सीएसी कान्ताप्रसाद बाल्मीकि लीडर गफ्फार खान, शिक्षिका वंदना त्रिपाठी,अल्का तिवारी, रश्मि जैन, शारदा अहिरवार, प्रियंका एवं समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं एवं छात्रा की माता अनीता मिश्रा और हाईस्कूल की छात्रा वहिन आरूषी मिश्रा को जाता है, जिन्होंने छात्रा को मार्गदर्शन दिया और मनोबल बढ़ाया।

सीएमओ ने किया निर्माण कार्यों का निरीक्षण

टीकमगढ़, देशबन्धु। शनिवार को नगर के वॉर्ड क्रमांक 18 में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण नपा सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया ने वॉर्ड पार्षद अजय यादव के साथ किया। इस दौरान सीएमओ श्री भदौरिया ने उपयंत्री को निर्देशित किया कि वार्ड में लंबे समय से चली आ रही जल निकासी की समस्या को हल करने अतिशीघ्र नाली निर्माण कराया जाए। जिससे रहवासियों को बेहतर सुविधा मिले सके। गौरतलब है कि बीते दिनों साधारण सभा की बैठक में सीएमओ ओमपाल सिंह भदौरिया ने स्पष्ट रूप से कहा था कि नगर के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी। वह जिस वार्ड में जाएंगे, वहां के पार्षद को भी साथ रखा जाएगा,जिससे वहां की मूलभूत समस्याओं की जानकारी मिल सकेगी।

साक्षरता अभियान की समीक्षा बैठक और होली मिलन समारोह आयोजित

पलेरा, देशबन्धु । स्थानीय नगर के शिवाजी शिक्षा निकेतन स्कूल में बीते शनिवार को नवभारत साक्षरता अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसके साथ ही होली मिलन कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए दीप प्रज्वलित के साथ की गई। टीकमगढ़ जिले से आए अधिकारियों के द्वारा नवभारत साक्षरता अभियान अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। इसके उपरांत होली मिलन समारोह के उपलक्ष्य में सभी को तिलक लगाकर माल्यार्पण करते हुए शाल एवं श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। नवभारत साक्षरता अभियान के समन्वयक पुष्पेंद्र पाठक के द्वारा सभी अतिथियों को भोजन व्यवस्था के साथ विदा किया गया।

इस मौके पर जिला प्रौढ़ शिक्षा अधिकारी राजेंद्र पस्तोर, जिला समन्वयक बलराम चतुर्वेदी, सुश्री अक्षिता शर्मा सहायक संचालक बोईओ, मनीष मिश्रा, राजेश गुप्ता प्राचार्य, राजकुमार पटेरिया, पुष्पेंद्र पाठक, नरेंद्र कुमार खरे, अनूप कुमार त्रिपाठी, देवेंद्र तिवारी, साकेत पाठक, संजीव खरे, रहीस खान, कौशल श्रीधर, जयराम रैकवार, धर्मजीत अहिरवार, करन सौर, प्रदीप गुप्ता, उमेश तिवारी, पत्रकार संजय सोनकिया, सत्येंद्र मिश्रा उपस्थित रहे।

अतिक्रमण हटाने के विरोध व्यापारियों ने रखा बाजार बंद

लिधौरा,देशबन्धु। नगर में अतिक्रमण हटाओ अभियान के विरोध में शनिवार को व्यापारियों ने बाजार बंद रखा। व्यापारियों ने आरोप लगाया कि नगर परिषद ने बिना कोई पूर्व सूचना दिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की है। गौरतलब है कि शुक्रवार को नगर परिषद के कर्मचारियों ने जेसीबी मशीन से अतिक्रमण हटाया था। व्यापारियों का आरोप है कि इस दौरान नगर परिषद के कर्मचारियों ने उनका सामान भी लूट लिया। स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाया है।

स्थानीय निवासी रामसिंह ने कहा कि अधिकारियों ने अतिक्रमण हटाने के दौरान पक्षपात किया है। छोटे-छोटे दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की गई है, जबकि बड़े अतिक्रमण करने वालों के खिलाफकोई कार्रवाई नहीं की। चाय नाश्ता की दुकान चलाने वाले छोटे-छोटे दुकानदार बेरोजगार हो गए हैं। उनके सामने परिवार का भरण पोषण करने का संकट छा गया है। व्यापारियों ने नगर परिषद सीएमओ संजय वाल्मीकि को हटाने की मांग की है। विरोध को देखते हुए नगर में जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया गया है। व्यापारियों ने नगर परिषद के सीएमओ को हटाने की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जाएंगी, विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

एसडीम के आश्वासन पर माने व्यापारी

नाराज़ व्यापारियों जब शाम तक नहीं माने तो मौके पर जतारा एसडीम संजय दुबे पहुंचे। जिन्हें तीन सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। बताया गया कि जिन लोगों की दुकानों में रखें सामान एवं उनके भवनों को नुकसान पहुंचाया गया है, उसकी भरपाई उन अधिकारियों से की जाए। जिन्होंने बगैर किसी सूचना के अतिक्रमण हटाया था। इसके साथ ही उन व्यापारियों सहित आम लोगों का पक्ष सुना जाए। जिन पर एकतरफा कार्यवाही की गई है। सभी की बात सुनकर एसडीम संजय दुबे ने सात दिन के भीतर मामले की जांच कराने की बात कही, साथ ही उन्होंने कहा कि दोषी अधिकारी कर्मचारियों पर कार्यवाही की जाएगी। तब जाकर मामला शांत हो पाया।

किसानों को बेहतर सुविधा देने मंडी प्रबंधन ने की तैयारी

टीकमगढ़, देशबन्धु। कृषि उपज मंडी समिति प्रबंधन ने रवि सीजन की खरीदी को सफल बनाने के साथ साथ किसानों को बेहतर सुविधाओं देने की तैयारी कर ली है। यहां टीन सेड एवं ट्रॉली मार्ग को बिल्कुल साफ़ दिखाई दिए। रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था कर दी गई है। किसानों को स्वच्छ पेयजल मिले इसके लिए 2 वॉटर कुलर लगाए गए हैं। वही मटकों को भी वाटर हाऊस के माध्यम से साफ पानी से भरा जाएगा। भोजन व नाश्ता की व्यवस्था मंडी प्रांगण में संचालित कैंटीन में रहेगी। मंडी समिति के सचिव ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि कृषक अपनी उपज को नीलामी के माध्यम से विक्रय करे और ऑनलाइन व नगद भुगतान पाए।

बकायादारों की संपत्ति होगी जब्त, बिजली विभाग ने की कार्रवाई तेज

पलेरा, देशबन्धु। स्थानीय विद्युत विभाग ने अब बिजली बिल के बकायादारों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। विभाग ने बिजली बिल बकाया रखने वाले अधिकारियो, कर्मचारियों, राजनेताओं और व्यापारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है।

इस कार्रवाई के तहत अगर तय समय के अनुसार बकायेदारों ने बिजली भुगतान नहीं किया, तो उनकी संपत्ति को कुर्क किया जा रहा हैं। यहीं नहीं, जिला स्तर पर वरिष्ठ अधिकारियों से प्राप्त निर्देशों पर पलेरा कनिष्ठ अभियंता अमित भूषण के द्वारा विभाग बकायेदारों की संपत्ति जब्त कर वसूली भी कर रहा है। ग्राम पंचायतों में विद्युत बिल वसूली को लेकर पलेरा कनिष्ठ अभियंता अमित सिंह के द्वारा ग्राम पंचायत के सरपंचों को विद्युत बिल बकायादारों की सूची दे दी गई है। सरपंचों के द्वारा भी कनिष्ठ अभियंता अमित सिंह को तीन दिवस में विद्युत बिल राशि जमा किए जाने का आश्वासन ग्राम पंचायत सरपंच एवं जनप्रतिनिधियों के द्वारा दिया गया है। कनिष्ठ अभियंता अमित सिंह ने बताया कि नगर एवं क्षेत्र में प्रतिदिन लंबे समय से बिल राशि नहीं देने वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटने के साथ-साथ उनके सामान भी जप्त किए जा रहे हैं। विभाग ने बकायादार उपभोक्ताओं के खिलाफ जप्ती और कुर्की की प्रक्रिया शुरू की है। उन्होंने बताया कि लगातार क्षेत्र में अनाउंसमेंट के जरिए विद्युत राशि तत्काल जमा किये जाने की सूचना हर बकायादारों की घर तक पहुंचाई जा रही है।

जमीनी विवाद पर हुआ विवाद, पुलिस ने 9 आरोपियों पर किया मामला दर्ज

टीकमगढ़, देशबन्धु। दिगौड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम रमपुरा में जमीनी विवाद पर आवेदक व्यक्ति के साथ गांव के लोगों द्वारा जाति सूचक शब्दों से गाली गलौज, धमकी व विवाद किया था। पीड़ित के आवेदन पर जांच के बाद पुलिस ने 9 आरोपियों के खिलाफएससी एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। दिगौड़ा पुलिस ने बताया है कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत रमपुरा गांव में खसरा नंबर 317/1 पर आवेदक ध्यानी अहिरवार की जमीन पर अनावेदक मेहरबान सिंह यादव द्वारा वर्ष 2021 से लगातार कब्जा करने व जमीन से कब्जा न छोड़ने पर आवेदक ने पुलिस थाने में आवेदन दिया था। पुलिस ने इस मामले की जांच उपरांत मेहरबान सिंह यादव, राजेंद्र सिंह यादव, महेंद्र सिंह यादव, विपिन सिंह यादव सहित 9 लोगों के खिलाफ जाति सूचक शब्दों के साथ गाली-गलौज धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

पूर्व महाधिवक्ता आनंद मोहन.... भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी , नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित भाजपा-कांग्रेस सहित अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने शोक व्यक्त किया है।

25 साल टाला जाए.... संसद में कम आबादी वाले राज्यों की तुलना में ज्यादा प्रतिनिधि मिलते हैं। दक्षिण के कई राज्यों की चिंता ये है कि उत्तर भारत के ज्यादा आबादी वाले राज्यों को परिसीमन में ज्यादा सीटें मिलेंगी जिससे संसद में उनका प्रतिनिधित्व कम हो जाएगा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि परिसीमन के मुद्दे पर हमें एकजुट रहना होगा। वर्ना हमारी पहचान खतरे में पड़ जाएगी। संसद में हमारा प्रतिनिधित्व कम नहीं होना चाहिए। हमें इस राजनीतिक लड़ाई को आगे बढ़ाने के लिए कानूनी पहलुओं पर भी विचार करना होगा। हम परिसीमन के खिलाफ नहीं, निष्पक्ष परिसीमन के पक्ष में हैं। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि लोकसभा सीटों का परिसीमन तलवार की तरह लटक रहा है। भाजपा सरकार इस मामले पर बिना किसी परामर्श के आगे बढ़ रही है। दक्षिण के सीटों में कटौती और उत्तर में बढ़ोतरी भाजपा के लिए फायदेमंद होगी। उत्तर में उनका प्रभाव है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि अगर सीटों का परिसीमन जनसंख्या के आधार पर हुआ, तो दक्षिण भारत की राजनीतिक ताकत घटेगी और नॉर्थ के राज्य हावी हो जाएंगे। यह डेमोग्राफिक पेनल्टी है, जो जनसंख्या नियंत्रण लागू करने वाले राज्यों को सजा देगा। ओडिशा पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने कहा कि संसद में सीटों की संख्या निर्धारित करने के लिए जनसंख्या ही एकमात्र मानदंड नहीं होना चाहिए। परिसीमन प्रक्रिया शुरू करने से पहले सभी दलों के साथ चर्चा होनी चाहिए। हम ओडिशा के लोगों के हितों की रक्षा के लिए हर संभव कोशिश करेंगे। कर्नाटक डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने कहा कि भारतीय इतिहास के महत्वपूर्ण आंदोलन में शामिल हुए, लोकतंत्र और संघवाद की नींव जो खतरे में है। इसलिए एक अच्छी शुरुआत हुई है कि यहां एक निष्पक्ष जॉइंट एक्शन कमेटी बनाई गई है। बता दें कि परिसीमन का अर्थ है निर्वाचन क्षेत्रों का सीमा निर्धारण या पुनर्निर्धारण, जिसे संविधान के अनुच्छेद 82 और अनुच्छेद 170 के तहत किया जाता है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 82 के तहत हर जनगणना के बाद संसद परिसीमन आयोग का गठन कर सकती है। इसके अलावा अनुच्छेद 170 भी राज्यों की विधानसभा सीटों के परिसीमन से संबंधित प्रावधान करता है। हालांकि संविधान संशोधन के माध्यम से संसद इसे स्थगित कर सकती है, जैसा कि 1976 और 2001 में किया गया। संविधान संशोधनों (42वें, 84वें और 87वें) के कारण परिसीमन प्रक्रिया को 2026 तक रोक दिया गया है। संसद चाहे तो संविधान संशोधन के जरिए इसे और आगे बढ़ा सकती है या इसे पुन: लागू कर सकती है। इसके अलावा 2002 में परिसीमन आयोग का गठन किया गया, लेकिन लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या को 2026 तक स्थिर रखा गया।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की नेता ममता बनर्जी पूर्व प्रतिबद्धताओं का हवाला देते हुए बैठक में शामिल नहीं हुईं। हालांकि, सत्र के दौरान उनके समर्थन को व्यक्त करने वाला एक पत्र पढ़ा गया। बैठक में ओडिशा की बीजू जनता दल, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और कुछ अन्य क्षेत्रीय दलों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। पवन कल्याण के नेतृत्व वाली आंध्र प्रदेश की एनडीए सहयोगी जन सेना पार्टी ने कोई प्रतिनिधि नहीं भेजा। सत्र की शुरुआत तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन द्वारा बैठक के महत्व पर सभा को संबोधित करने से हुई।

प्रसिद्ध साहित्यकार विनोद कुमार.... और 'खिलेगा तो देखेंगे शामिल हैं। शुक्ल के उपन्यास 'नौकर की कमीज' पर प्रसिद्ध फिल्मकार मणि कौल ने 1999 में इसी नाम से एक फिल्म बनाई थी। उनका लेखन सरल भाषा, गहरी संवेदनशीलता और अद्वितीय शैली के लिये जाना जाता है. वह मुख्य रूप से हिंदी साहित्य में अपने प्रयोगधर्मी लेखन के लिये प्रसिद्ध हैं। शुक्ल को इससे पहले साहित्य अकादमी पुरस्कार के अलावा कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिल चुके हैं। ज्ञानपीठ पुरस्कार देश का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान है, जिसे भारतीय भाषाओं में उत्कृष्ट साहित्य रचने वाले रचनाकारों को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार के तहत 11 लाख रुपए की राशि, वाग्देवी की कांस्य प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। वर्ष 1961 में स्थापित ज्ञानपीठ पुरस्कार सबसे पहले मलयालम कवि जी। शंकर कुरुप को 1965 में उनके काव्य संग्रह 'ओडक्कुझल' के लिए दिया गया था।

विनोदजी को ज्ञानपीठ : विशिष्ट.... ने नया पथ पकड़ा जो उन्होंने खुद बनाया था। गद्य हो या पद्य- कथन की ताज़गी और भाषा की लयात्मकता के बीच उनके विषय ठेठ सामान्यजन को वाणी देने और उन्हीं के अनगढ़, सहज मनोभावों को अभिव्यक्ति करने वाले होते हैं। 1971 में आये उनके पहले कविता संग्रह 'लगभग जयहिन्द' ने एक बेहद चैतन्य कवि के आमद की दस्तक तो दे ही दी थी, 1979 में उनका पहला उपन्यास निकला- 'नौकर की कमीज़', जिसने सूचित किया कि वे बहुविधा साहित्यकार हैं। कालांतर में अपने अनेक कविता संग्रहों तथा उपन्यासों के माध्यम से उन्होंने इसे बार-बार साबित किया। प्रसिद्ध समालोचक विष्णु खरे का मानना था कि 'जयशंकर प्रसाद के बाद विनोदजी ही ऐसे साहित्यकार हैं जिनकी गद्य व पद्य पर एक सी पकड़ है।' मजेदार बात तो यह है कि प्रसादजी की (हर विधा का) कथानक, विषय और संरचना बेहद उदात्त, दार्शनिक तथा सामान्य पाठकों के लिये दुरूह होता है, तो विनोद जी की लेखनी में गैब्रियल गार्सिया मारकेज़ का बतलाया 'यथार्थ का जादू' है। उनकी कविताएं जहां जीवन के दैनंदिन में गूंथकर निखरती हैं तो उनके उपन्यासों को पढ़ने वाला पाठक अपने आसपास के लोगों, उनकी बातों तथा क्रियाकलापों को विस्मय से देखता है कि हां, वह इन सबसे पूर्व परिचित है।

विनोदजी को 'साधारणता का असाधारण साहित्यकार' इसलिये माना जाता है कि उनका लेखन जनजीवन में कहीं भी दिख पड़ने वाले लोगों की चिंताओं व आशाओं से निर्मित होता है। वे अपनी बात को बहुत हौले से कहते हैं, सौम्यता से बोल जाते हैं जिसके कारण वे अपनी कविताओं या उपन्यासों को नारे अथवा बयान बनने से साफ बचा ले जाते हैं। विनोद जी की रचनात्मकता का बड़ा दौर नये सामाजिक पुनर्गठन का था, विशेषकर शुरुआत कहें तो। गांव से लोग शहरों को विस्थापित हो रहे थे जिससे कस्बों में तक एक ऐसा वर्ग-समूह तैयार हो रहा था जिसके धागे ग्रामीण जीवन से जुड़े थे। यह मध्य वर्ग था। इसी मध्यवर्गीय पात्र को विनोद कुमार शुक्ल ने आवाज़ प्रदान की, उसे चरित्र दिया और उसे परिभाषित किया। अपने वर्ग चरित्र के अनुरूप विनोद जी की कविता-कहानियों के पात्र नीरस और जड़ न होकर रोचक हैं जो अक्सर बड़ी बातें कर जाते हैं। सामान्यजनों के पास की सूक्ष्मता और गहनता को यह लोकप्रिय कवि सामने लाने में चमत्कारिक ढंग से सफल होता है।

अपने घर, मुहल्ले, गांव, कस्बे, हाट, मेले-ठेलों में टहलते हुए भी विनोद जी का गद्य-पद्य मानों पूरी दुनिया का भ्रमण कर आता है, क्योंकि उनकी एप्रोच यूनिवर्सल है। स्थानीयता के बावजूद उनकी यही वैश्विक पहुंच उन्हें विभिन्न प्रदेशों व देशों के भाषिकों को एक सा प्रभावित करती है। उनकी कृतियां सभी वर्गों और लोगों को परस्पर जोड़ती है। संवेदनात्मक गहराई उनका वैशिष्ट्य है जो ऐसे वक्त में जब लोगों ने पढ़ना छोड़ दिया है, लोगों को साहित्य की ओर लौटने को उत्प्रेरित करता है। उन्हें उनके जीवन काल में मिले कई पुरस्कार तो अपनी जगह पर हैं ही, उनके पाठकों और चहेतों के लिये यह मुबारक मौका है।

नर्मदा नियरे

सार-समाचार

एक ही परिवार के तीन सदस्य बने अधिवक्ता

बैतूल, देशबन्धु। अधिवक्ताओं के लिए रजिस्ट्रेशन के लिए होने वाली ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन के परिणाम घोषित हुए हैं जिसमें एक ही परिवार के तीन सदस्य सफल हुए हैं। इस परीक्षा में विक्रम सिंह उइके, प्रिया उइके और हिमांशु सरियाम को सफलता मिली है। विक्रम सिंह उइके सेवानिवृत्त अधीक्षिका श्रीमती लक्ष्मी उइके के पुत्र हैं और इनके भाई पुष्पराज सिंह उइके और बहू श्रीमती रूपाली राज उइके प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट हैं। सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी राजेंद्र उइके और शिक्षिका श्रीमती पुष्पा उइके की सुपुत्री प्रिया उइके इसके अलावा शिक्षक मुकेश सरियाम और शिक्षिका श्रीमती रेखा सरियाम के पुत्र हिमांशु सरियाम ने इस कठिन परीक्षा को पास कर अधिवक्ता रजिस्ट्रेशन में सफलता हासिल की है। इस एग्जाम को पास करने वाले ये तीनों सदस्य देश की किसी भी अदालत में प्रैक्टिस कर सकते हैं। तीनों की सफलता पर परिजनों, शुभचिंतकों और स्वजातीय बंधुओं ने बधाई दी है।

सामाजिक जन कल्याण समिति का पारिवारिक मिलन समारोह आज

बैतूल, देशबन्धु। सामाजिक जन कल्याण समिति द्वारा आज 23 मार्च रविवार को भव्य पारिवारिक मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन शहीद भवन में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता सामाजिक जन कल्याण समिति बैतूल के अध्यक्ष मानिकराव कापसे करेंगे।

कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री डीडी उइके, विधायक हेमंत खंडेलवाल, डॉ. योगेश पंडाग्रे, पूर्व न्यायाधीश माखन झोड़, पूर्व न्यायाधीश किसना अतुलकर, संस्था के संरक्षक एनके मांडवे, आल इंडिया कोल पेंशनर एसोसिएशन के संयोजक एवं जिलाध्यक्ष डीके साहू मंच पर उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे पूज्य भंते जी द्वारा दीप प्रज्वलन से होगी। इसके बाद सुबह 11 बजे अतिथियों का स्वागत किया जाएगा और महिलाओं द्वारा वरिष्ठ महिलाओं का सम्मान किया जाएगा। 11.30 बजे अतिथि उद्बोधन होगा, जिसमें सामाजिक विकास और कल्याणकारी योजनाओं पर चर्चा होगी। 12.30 बजे सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसमें विजेताओं को प्रशंसा पत्र और पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसके बाद दोपहर 1 बजे समिति का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें वर्षभर की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला जाएगा। 1ः30 बजे सभी अतिथियों और उपस्थितजनों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था रहेगी। दोपहर 3 बजे आभार प्रदर्शन के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। सामाजिक जन कल्याण समिति बैतूल ने समस्त पदाधिकारियों सदस्यों से कार्यक्रम में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

मातृ छाया पहुंचे पूर्व डीजीपी, कार्यों की सराहना की

44 वर्षों की सेवा का अनुभव किया साझा

बैतूल, देशबन्धु। बैतूल के मातृ छाया में 21 मार्च को समाजसेवी एवं पूर्व डीजीपी महेंद्र शुक्ला और उनकी धर्मपत्नी आशा शुक्ला का आगमन हुआ। इस अवसर पर उन्होंने मातृ छाया में निवासरत शिशुओं और यशोदाओं से आत्मीय बातचीत की। बच्चों के साथ भजन और आरती में भाग लिया और उनके संग बिताए पलों को अत्यंत आनंददायक बताया।

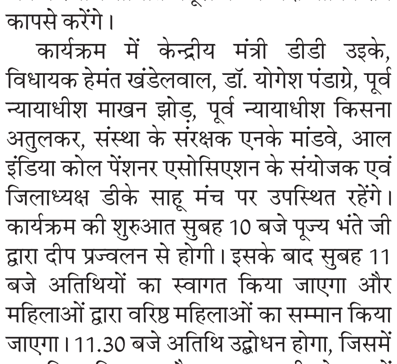

इस मौके पर सेवा भारती बैतूल के अध्यक्ष मुकेश खंडेलवाल, सचिव दिपेश मेहता, मातृ छाया के सदस्य सरबजीत वालिया, पूनम खंडेलवाल, शीला दुबे, आनंद धाम के अध्यक्ष कश्मीरी लाल बत्रा, कोषाध्यक्ष सचिन आर्य और मातृ छाया के प्रबंधक विवेक शर्मा मौजूद रहे। महेंद्र शुक्ला और आशा शुक्ला ने सेवा भारती के कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि वे पिछले 44 वर्षों से इस संस्था से जुड़े हैं और इसके माध्यम से समाज सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेवा भारती व्यक्ति के जन्म से लेकर मृत्यु तक हर वर्ग और श्रेणी के लिए कार्य करती है। ऐसे कार्यों को देखकर ईश्वर को पाने जैसी अनुभूति होती है और मातृ छाया जैसी सेवा बैतूल सेवा भारती कर रही है, जो वास्तव में एक दिव्य कार्य है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया और सेवा भारती की टीम को जोश से भर दिया। उनके आगमन से कार्यकर्ताओं में ऊर्जा का संचार हुआ और यह आशा जताई गई कि ऐसे प्रेरक व्यक्तित्व समय-समय पर आते रहेंगे, जिससे समाज सेवा के कार्यों में और अधिक नवाचार और प्रगति होगी। सेवा भारती परिवार ने महेंद्र शुक्ला और आशा शुक्ला के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया और उनके आगमन को सौभाग्य बताया।

एचडीएफसी के सहायक ब्रांच मैनेजर ने ग्राहक के नाम पर ले लिया लोन

फर्जीवाड़ा की शिकायत के बाद भी पुलिस नहीं कर रही कार्रवाई

बैतूल, देशबन्धु। एचडीएफसी बैंक बैतूल शाखा के सहायक ब्रांच मैनेजर पर गंभीर आरोप लगे हैं कि उन्होंने ग्राहक गुरुदयाल साहू के बैंक खाते से लाखों रुपये की धोखाधड़ी की। बिना उनकी जानकारी के नेट बैंकिंग और क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल कर बड़ी रकम ट्रांसफर कर दी गई। ग्राहक की जानकारी के बिना उनके नाम पर खुद की आईडी और मोबाइल नंबर का इस्तेमाल कर लोन ले लिया। जब पीड़ित को इस धोखाधड़ी का पता चला, तो उन्होंने बैंक और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, लेकिन कार्रवाई के बजाय बैंक प्रबंधन अब ग्राहक पर ही लोन की वसूली का दबाव बना रहा है। पीड़ित का कहना है कि उन्होंने कभी कोई लोन नहीं लिया, फिर भी उन्हें ब्याज और किस्तों का भुगतान करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। थाना गंज में शिकायत दर्ज होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

गुरुदयाल साहू ने बताया कि उन्होंने अपनी मेहनत की कमाई सुरक्षित रखने के लिए एचडीएफसी बैंक में दो खाते खोले थे, जिनमें से एक 09131530002238 और दूसरा 50200043993206 था। इन खातों से वह नियमित रूप से लेनदेन करते थे, लेकिन जब उन्होंने हाल ही में अपने बैंक खाते की स्थिति जाँची, तो उन्हें पता चला कि उनके खातों से करोड़ों रुपये के ट्रांजैक्शन हुए हैं, जिनकी उन्हें कोई जानकारी नहीं थी। बैंक कर्मचारी ने बिना किसी पूर्व सूचना के उनके खाते से बड़ी रकम निकाली और विभिन्न जगहों पर ट्रांसफर कर दी। 25 अक्टूबर 2024 को एमएस संदीप मोबाइल बैंक बैतूल के माध्यम से एक लाख रुपये निकाल लिए गए। 30 अक्टूबर 2024 को एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस मुंबई को 99,999 रुपये भेजे गए। 25 नवंबर 2024 को फिर से एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस मुंबई को 1,03,154 रुपये ट्रांसफर किए गए। 10 दिसंबर 2024 को एग्रो जनरल इंश्योरेंस मुंबई को 30,963 रुपये ट्रांसफर हुए। 12 दिसंबर 2024 को फैशन जोन बैतूल को 71,000 रुपये ट्रांसफर कर दिए गए। इसके अलावा, 6 दिसंबर 2024 को ऑनलाइन माध्यम से 49,244 रुपये का लोन भी जारी कर दिया गया। इतना ही नहीं, बैंक कर्मचारी ने पीड़ित को फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) बनवाने के नाम पर गुमराह किया और 90,000 रुपये मोबाइल से ट्रांसफर करा लिए। 12 दिसंबर 2024 को 25,000 रुपये की एफडी बनाई गई, लेकिन कुछ दिनों में इसे तोड़ दिया गया। उसके बाद फिर 50,000 रुपये की एफडी बनाने की बात कही गई, लेकिन यह एफडी कभी नहीं बनी।

गुरुदयाल साहू को सबसे बड़ा झटका तब लगा जब 11 जनवरी 2025 को उन्होंने गाड़ी की किश्त भरने के लिए 1 लाख रुपये बैंक में जमा किए, लेकिन यह राशि अचानक खाते से गायब हो गई। जब बैंक से पूछा गया, तो पता चला कि मुख्य सहायक मैनेजर ने ही यह धोखाधड़ी की थी। 13 जनवरी 2025 को इस मामले की जांच की गई, तो खुलासा हुआ कि 1 लाख रुपये में से 83,000 रुपये और 5,700 रुपये अलग-अलग निकाले गए। इसके अलावा, क्रेडिट कार्ड से 17,000 रुपये का ब्याज काट लिया गया और लोन के नाम पर 49,244 रुपये भी ट्रांसफर कर लिए गए।

ठगी करने मोबाइल पर बंद करवा दिए बैंक के मैसेज - बैंक कर्मचारी ने नेट बैंकिंग का गलत इस्तेमाल कर पीड़ित के खाते से मनमाने ढंग से पैसे निकाले। ग्राहक को कोई जानकारी नहीं दी गई और उनके मोबाइल पर बैंक के मैसेज तक बंद करवा दिए गए, जिससे उन्हें पता ही नहीं चला कि उनके खाते में क्या हो रहा है। ईमेल आईडी और पासवर्ड भी बैंक के कर्मचारियों के पास थे, जिससे वे बिना किसी रुकावट के खाते से पैसे ट्रांसफर करते रहे। गुरुदयाल ने इस पूरे घोटाले के बाद बैंक और पुलिस प्रशासन से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उनका कहना है कि उनका सिविल रिकॉर्ड पूरी तरह खराब कर दिया गया है, जिससे वह भविष्य में किसी भी वित्तीय सहायता के लिए आवेदन नहीं कर सकते। उन्होंने मांग की है कि उनकी पूरी राशि वापस दिलाई जाए और दोषी बैंक कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

बैंक की ओर से कोई जवाब नहीं- एचडीएफसी बैंक के खिलाफ 18 फरवरी 2025 को ऑनलाइन शिकायत दर्ज करवाई गई थी, जिसका रिफरेंस नंबर 64474430 है। लेकिन अब तक बैंक की ओर से कोई जवाब नहीं आया है। पीड़ित का कहना है कि बैंक ही इस पूरी धोखाधड़ी के लिए जिम्मेदार है और उसे ही नुकसान की भरपाई करनी चाहिए।

आदिवासी 25 मार्च को बैतूल कलेक्ट्रेट में करेंगे प्रदर्शन

बैतूल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश में आदिवासी समुदाय की समस्याओं को लेकर 25 मार्च को बैतूल कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन होने जा रहा है। इस दिन करीब 5 हजार आदिवासी कलेक्ट्रेट पहुंचकर राष्ट्रपति और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। जयस प्रदेश संयोजक जामवन्त सिंह कुमरे ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर प्रशासन को इसकी सूचना दी है।

आदिवासियों का कहना है कि राज्य में उन्हें संवैधानिक संरक्षण के बावजूद असुरक्षा महसूस हो रही है। आए दिन उनके अधिकारों का हनन हो रहा है और उनकी समस्याओं को नजरअंदाज किया जा रहा है। जामवन्त सिंह कुमरे ने कहा कि राष्ट्रपति और राज्यपाल आदिवासियों की उपेक्षा कर रहे जबकि उन्हें अनुसूचित क्षेत्रों मे विकास या समस्याओं को लेकर पारित करने और रोक लगाने की पूरी पॉवर है उसके बाद भी आदिवासी क्षेत्रों की उपेक्षा कर सरकार की नीतियों पर राष्ट्रपति और राज्यपाल हस्तिनापुर नरेश धृतराष्ट्र की भूमिका निभा रहे है। इसी के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए हजारों आदिवासी 25 मार्च को बैतूल में एकजुट होंगे। ज्ञापन में मंडला जिले की एक घटना का जिक्र किया गया है, जहां जंगल से लकड़ी लाने गए एक आदिवासी मजदूर की गोली लगने से मौत हो गई। आरोप है कि प्रशासन खुद को बचाने के लिए उसे नक्सली बता रहा है, जबकि वह सिर्फ अपनी जरूरत के लिए जंगल से लकड़ी लेने गया था। आदिवासी संगठनों ने इसे प्रशासन की संवेदनहीनता करार दिया है और निष्पक्ष जांच की मांग की है।

ज्ञापन में तापी मेगा रिचार्ज परियोजना का भी जिक्र किया गया है, जिससे बैतूल और खंडवा जिले की करीब 9 लाख एकड़ भूमि प्रभावित हो रही है। इस परियोजना के कारण 50 गांव पूरी तरह से विस्थापित हो सकते हैं। मेलघाट अभ्यारण्य क्षेत्र के विस्तार से भी आदिवासी समुदाय परेशान है। इस विस्तार के चलते भैंसदेही और भीमपुर विकासखंड के 25-30 गांव प्रभावित होंगे, जिससे हजारों लोग अपने पुश्तैनी घरों से उजड़ जाएंगे। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि चिल्लौर-नहरपुर परियोजना के कारण करीब 12 गांव विस्थापन की चपेट में आ रहे हैं। राहुल चौहान ने कहा इन परियोजनाओं से आदिवासियों कि आजीविका छिन जाएगी और उन्हें उजड़ने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

शंभु धुर्वे ने कहा इस महाआंदोलन में करीब 5 हजार आदिवासी शामिल होंगे, जो अपनी मांगों को लेकर राष्ट्रपति और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपेंगे। द्वारकानाथ उइके ने बताया कि इस प्रदर्शन का उद्देश्य सरकार को यह बताना है कि आदिवासियों के अधिकारों की अनदेखी अब और बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आदिवासी समाज के वरिष्ठ नेता और जनप्रतिनिधि भी इस आंदोलन में शामिल होंगे। नीतू ककोडिया सरपंच जावरा ने साफ कर दिया है कि यदि उनकी मांगों को गंभीरता से नहीं लिया गया, तो वे और बड़े आंदोलन के लिए तैयार रहेंगे, मुख्यमंत्री मोहन यादव के प्रस्ताव को राष्ट्रपति और राज्यपाल पुनः विचार कर आदिवासियों की अस्मिता और आजीविका पर कुठाराघात होने से बचाये।

भाजपा के जनप्रतिनिधि एसबीएम घोटाले में अधिकारियों को बचा रहे- वागद्रे

बैतूल, देशबन्धु। चिचोली एवं भीमपुर जनपद में हुए स्वच्छ भारत मिशन घोटाले को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हेमंत वागद्रे ने जांच और अब तक की कार्रवाई पर सवाल ख? किए हैं।

वागद्रे का कहना है कि निचले स्तर के कर्मचारियों को लपेटकर वास्तविक मास्टर माइंड अधिकारियों को बचाने का काम हो रहा है। उनका कहना है कि प्रशासन को सबसे पहले इस बात का जवाब देना चाहिए कि जनपद सीईओ की डिजिटल हस्ताक्षर आपरेटर, ब्लाक कोआर्डिनेटर भुगतान करते रहा और जनपद सीईओ तथा जिला मुख्यालय पर बैठे अधिकारियों को पता नहीं लगा। यह कैसे संभव है? उन्होंने कहा कि 2021 से लेकर वर्तमान तक सरकारी धन की अफरा तफरी आनलाइन तरीके से होते रही और उस दौरान के जनपद सीईओ को पता भी नहीं लगा। क्या यह अपने आप में एक ब?ा घोटाला नही है। उनका कहना है कि आरईएस के एसडीओ को जनपद सीईओ का चार्ज क्यों दिया गया? वह एक नहीं दो-दो जनपद में। उनका कहना है कि पूरे घोटाले में जांच सीबीआई से कराई जाना चाहिए। उनका कहना है कि इस मामले में जो अधिकारी संलिप्त है और जिन्हें बचाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्हें भाजपा के विधायकों का संरक्षण हासिल है। यदि संरक्षण नहीं है तो भाजपा के विधायक उक्त अधिकारियों के खिलाफ एक्शन लेने के लिए प्रशासन को क्यों नहीं कह रहे?

रानीपुर में आज से होगा राम कथा का शुभारंभ

बैतूल, देशबन्धु। रानीपुर के पंचायती उदासीन नया अखाड़ा, हनुमान जी महाराज की सिज कुटी (माधव गौशाला) में 23 मार्च से श्रीरामचरितमानस राम कथा का शुभारंभ हो रहा है। इस अवसर पर माता रेणुका पदयात्रा का समापन भी होगा। राम कथा का वाचन आचार्य पंडित ललितपुरी महाराज द्वारा किया जाएगा, कथा प्रतिदिन दोपहर 2 से 5 बजे तक चलेगी। 28 मार्च को भजन संध्या, 29 मार्च की सुबह 11 बजे सुखमनि साहब पाठ और परायण, धर्म ध्वजा पूजन और परिवर्तन तथा दोपहर 1 बजे कन्या पूजन और मातृ शक्ति पूजन के साथ विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा।

कर्मा जयंती पर रक्तदान करने वाले युवाओं को मिलेगा सम्मान

बैतूल, देशबन्धु। युवा साहू समाज सेवा संगठन जिला बैतूल के तत्वावधान में साहू समाज की अधिष्ठात्री देवी भक्त शिरोमणि मां कर्मा जयंती समारोह का आयोजन 25 मार्च दिन मंगलवार को धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। मां कर्मा जयंती पर सुबह 8 बजे श्री कृष्ण को विशेष भोग अर्पित किया जाएगा। सुबह 8ः30 बजे जिला अस्पताल बैतूल में मरीजों को अंकुरित आहार का वितरण किया जाएगा। सुबह 10 बजे उड़दन स्थित मातोश्री वृद्ध आश्रम में वृद्धजनों को आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया जाएगा। सुबह 11ः30 बजे जिला अस्पताल स्थित भोजन शाला में मरीजों की परिजनों को भोजन खिलाया जाएगा। दोपहर 1 बजे से जिला चिकित्सालय बैतूल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा इस शिविर में रक्तदान करने वाले युवाओं को 18 मई दिन रविवार को जे एच कॉलेज बैतूल में संगठन के रजत जयंती समारोह में भक्त शिरोमणि मां कर्मा सम्मान से नवाजा जाएगा। दोपहर 3 बजे से पापमोचनी एकादशी व्रत अनुष्ठान समारोह का आयोजन किया जाएगा।

10 गांवों के सदस्यों ने पानी की गुणवत्ता परखी, सीखीं जरूरी तकनीक

हर घर जल मिशन के तहत चिचोली में जल संरक्षण पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

बैतूल, देशबन्धु। चिचोली के सुनहरी मैरिज गार्डन, सड़कपुरा में तीन दिवसीय समुदाय स्तरीय हितधारकों का प्रशिक्षण जल जीवन मिशन के अंतर्गत संपन्न हुआ। कार्यपालन यंत्री मनोज बघेल, जिला समन्वयक भूपेंद्र मेनवे और ग्रामोद्योग संस्थान के मार्गदर्शन में यह प्रशिक्षण 22 मार्च, विश्व जल दिवस पर पूरा हुआ। इस दौरान 10 गांवों के ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्यों ने पानी की गुणवत्ता जांचने की विधियां सीखीं।

जल जीवन मिशन के मास्टर ट्रेनर महेश गुंजेले ने बताया कि जल जीवन का आधार है, लेकिन प्राकृतिक रूप से मिलने वाला जल पूर्ण रूप से शुद्ध नहीं होता। इसे और बेहतर बनाने के लिए जल की गुणवत्ता जांचना जरूरी है। 20 से 22 मार्च तक चले इस प्रशिक्षण में ग्राम आदर्श दनोरा, हिड़ली, आदर्श पिपरिया, भीमपुर, चिखली, कुंडबकाजन, गुल्हरढाना, कुटंगा, लकड़जाम और रतनपुर के समिति सदस्यों को पानी की शुद्धता जांचने के लिए पीएच मान, क्लोरीन, हार्डनेस, क्लोराइड, अल्कलाइनिटी, आयरन, नाइट्रेट, टर्बिडिटी, फ्लोराइड और अमोनिया जैसी जांच विधियों से अवगत कराया गया।

प्रशिक्षण में बताया गया कि पानी में मौजूद कुछ रासायनिक तत्व स्वास्थ्य पर गंभीर असर डालते हैं। बोरॉन और पारा तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करते हैं। क्लोराइड, सोडियम के साथ मिलकर ब्लड प्रेशर बढ़ाता है। शीशा बच्चों के मानसिक विकास में बाधा डालता है और किडनी को नुकसान पहुंचाता है। नाइट्रेट ब्लू बेबी सिंड्रोम का कारण बनता है। कीटनाशकों के अंश कैंसर, तंत्रिका तंत्र और प्रजनन प्रणाली को नुकसान पहुंचाते हैं। कैल्शियम अधिक मात्रा में होने से किडनी स्टोन हो सकता है। फ्लोराइड हड्डियों के विकार, जोड़ों की समस्या और दांतों में सड़न पैदा करता है। सोडियम, हृदय और किडनी रोगियों के लिए खतरनाक हो सकता है, जबकि आयरन पेट की बीमारियों का कारण बनता है।

प्रशिक्षण के पहले दिन जल जीवन मिशन के उद्देश्य, पानी की गुणवत्ता और नेतृत्व विकास पर चर्चा हुई। दूसरे दिन प्रतिभागियों को ग्राम आदर्श पिपरिया का भ्रमण कराया गया, जहां उन्होंने सामाजिक मानचित्रण और संसाधन मानचित्र तैयार किया। वहां जल जीवन मिशन के तहत किए गए कार्यों का भी अवलोकन किया गया। 22 मार्च को विश्व जल दिवस के अवसर पर जल संरक्षण, जल गुणवत्ता और निगरानी पर विशेष चर्चा की गई। हर घर जल ग्राम प्रोटोकॉल से भी सदस्यों को परिचित कराया गया। इस प्रशिक्षण में जल जीवन मिशन के मास्टर ट्रेनर महेश गुंजेले, प्रवीण सक्सेना और निलेश रघुवंशी की अहम भूमिका रही। साथ ही 10 ग्रामों के ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति के सदस्य और पंप ऑपरेटर भी शामिल हुए। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य लोगों को शुद्ध पेयजल की महत्ता और इसकी जांच की तकनीकें सिखाना था, जिससे हर घर में स्वच्छ और सुरक्षित जल की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।

महाबोधि महाविहार मुक्ति को लेकर बौद्ध अनुयायियों ने निकाली रैली

बैतूल, देशबन्धु। जिला मुख्यालय पर शनिवार शाम 5 बजे बुद्धिस्ट इंटरनेशनल नेटवर्क, भारत मुक्ति मोर्चा और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के संयुक्त तत्वावधान में विशाल प्रदर्शन रैली का आयोजन किया गया। यह आंदोलन भारत के 31 राज्यों और 567 जिलों में महाबोधि महाविहार, बुद्धगया मुक्ति अभियान के तीसरे चरण के रूप में किया गया।

रैली में बड़ी संख्या में पुरुषों और महिलाओं ने भाग लिया और सरकार से महाबोधि महाविहार से ब्राह्मणों का कब्जा हटाने, टेंपल एक्ट 1949 को रद्द करने, ओबीसी जाति जनगणना कराने, इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन को हटाकर बैलेट पेपर से चुनाव कराने, किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य एमएसपी देने, बेरोजगारों को रोजगार देने और जब तक रोजगार नहीं मिलता तब तक बेरोजगारी भत्ता देने की मांग उठाई। इसके अलावा महिलाओं पर अत्याचार रोकने, आदिवासियों को उनके जल, जंगल और जमीन से उजाड़ना बंद करने और नई शिक्षा नीति 2020 को खत्म करने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने सरकार को चेतावनी दी कि यदि इन मांगों पर तुरंत कार्रवाई नहीं हुई तो 9 अप्रैल 2025 को जेल भरो आंदोलन किया जाएगा। रैली डॉ. आंबेडकर चौक हॉस्पिटल के पास से कोठी बाजार, शिवाजी चौक, गंज बाजार होते हुए वापस डॉ. आंबेडकर चौक पर समाप्त हुई।

45 रनों पर ढेर हो गई दिल्ली की टीम, प्रयागराज ने 249 रनों से जीता मैच

आज नोएडा और चंडीगढ़ के बीच होगी जोरदार भिड़ंत

बैतूल, देशबन्धु। लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम, कोठी बाजार में चल रहे अखिल भारतीय लेदर बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट राजीव कप में 22 मार्च को भानु प्रताप सिंह क्रिकेट क्लब प्रयागराज और गौतम क्रिकेट क्लब दिल्ली के बीच बड़ा मुकाबला खेला गया। इस हाई-वोल्टेज मैच में प्रयागराज ने 249 रनों से शानदार जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में अपनी दावेदारी और मजबूत कर ली। मैच में बतौर मुख्य अतिथि अंकुर सिंह, मनू सिंह सिकरवार, एनएसयूआई अध्यक्ष जैद खान और नितिन बिस्वास मौजूद रहे।

गौतम क्रिकेट क्लब दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, लेकिन यह निर्णय उनके लिए भारी पड़ा। प्रयागराज की टीम ने 35 ओवर में 294 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। टीम के स्टार बल्लेबाज देवांश पाठक ने इस टूर्नामेंट में अपना नौवां शतक जड़ते हुए 103 रन बनाए और विपक्षी गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। उनके साथ शुभम जायसवाल ने 67, अखिल ने 31 और अमन ने 28 रनों का योगदान दिया। दिल्ली की ओर से अरविंद और सूरज ने 3-3 विकेट लिए, जबकि महज 14 साल के युवा गेंदबाज आदर्श ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 विकेट अपने नाम किए। लेकिन गौतम क्रिकेट क्लब की टीम इस विशाल लक्ष्य के सामने पूरी तरह बिखर गई।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली की टीम की हालत शुरू से ही खराब रही और कोई भी बल्लेबाज क्रीज पर टिक नहीं पाया। प्रयागराज के तेज गेंदबाज संदीप पटेल ने घातक गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके, जबकि अभय ने 2 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। दिल्ली की पूरी टीम सिर्फ 45 रनों पर ढेर हो गई और प्रयागराज ने 249 रनों से मैच जीत लिया। मैच में शानदार शतक जड़ने वाले देवांश पाठक को मैन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया, जबकि 5 विकेट लेने वाले संदीप पटेल को मैच बॉल देकर सम्मानित किया गया। आज 23 मार्च के मैच में नोएडा और चंडीगढ़ के बीच जोरदार भिड़ंत होगी।

जल संवर्धन की दिशा में करने होंगे निरंतर एवं परिणामकारी कार्य- मधु चौहान

विश्व जल दिवस पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद आठनेर ने किया संगोष्ठी का आयोजन

आठनेर, देशबन्धु। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देशन में विश्व जल दिवस के अवसर पर प्रत्येक सेक्टर में जल संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी के अंतर्गत नवांकुर संस्था ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सावंगी एवं बोरपानी के तत्वाधान में ग्राम वडाली एवं भैंसाघाट में संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी में मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड आठनेर की विकासखंड समन्वयक मधु चौहान ने बताया कि हर वर्ष 22 मार्च को मनाया जाने वाला विश्व जल दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा एक वैश्विक पहल है जो वर्ष 1993 से मनाया जा रहा है। इस दिवस में जल के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने हेतु कार्यक्रम किए जाते है। एक समय था जब कुओं, तालाबों, बावडियो, नदियों और अन्य जल स्त्रोतों में पर्याप्त साफ जल उपलब्ध होता था। लेकिन अब पानी की कमी ने भयावह रूप ले लिया है। सभी को इस ओर ध्यान देकर योजनाबद्ध तरीके से जल संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा निरंतर एवं परिणामकारी कार्य करने होंगे। जल के बिना सृष्टि की कल्पना निरर्थक है। जल है,तभी कल है। संगोष्ठी में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 30 मार्च से होने वाले जल संवर्धन अभियान के अंतर्गत कार्यक्रमों की रूपरेखा भी बनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से नवांकुर संस्था सावंगी के अध्यक्ष दिनेश माकोड़े, बोरपानी के अध्यक्ष एवं जनपद सदस्य राजू सलाम, परामर्शदाता आशुतोष सिंह चौहान सीएमसीएलडीपी छात्र उमेश कासदेकर, सुरेश इवने, सुनीता सेलूकर, कृष्णा बारस्कर, जयवंती कुमरे सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन जल संरक्षण एवं संवर्धन के संकल्प के साथ किया गया।

पाटन के सुरैया मोड़ पर दर्दनाक हादसा

टूटे तार की चपेट में आये मासूम भाई-बहन की मौत

जबलपुर, देशबन्धु। पाटन थानातंर्गत देवी सुरैया मोड़ में शनिवार सुबह दर्दनाक हादसा सामने आया। जहां 11 केव्ही की टूटी तार की चपेट में आने से मासूम भाई-बहन की मौत हो गई तो वहीं उनका एक भाई झुलस कर गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बच्चों की करंट से हुई मौत की खबर क्षेत्र में आग की तरह फैल गई और लोगों की भीड़ एकत्रित हो गई। जिन्होंने विद्युत विभाग पर लापरवाही के संगीन आरोप लगाये। लोगों का कहना था कि तार झूल रहे है और जिस टूटे तार से उक्त हादसा हुआ, उसकी भी जानकारी विद्युत विभाग को दी गई थी, लेकिन उनकी ओर से कोई कार्यवाही नहीं की गई, जिसका खामियाजा दो मासूमों को अपनी जान गंवाकर भुगतना पड़ा।

पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार दमोह जबेरा के ग्राम बनिया निवासी सुखदेव प्रधान देवी सुरैया क्षेत्र में राम अग्रवाल के खेत में बने मकान में अपने परिवार के साथ रहते है। वहीं समीप से ही 11 केव्ही की विद्युत लाईन गुजरी हुई है, जिसका तार बीते दिवस टूटकर जमीन पर गिर गया था। शनिवार सुबह सुखदेव प्रधान के बच्चें वहां खेल रहे थे, जो उक्त जार की चपेट में आ गये। जिससे 5 वर्षीय प्रषांत पिता सुखदेव प्रधान व उसकी बहन 9 वर्षीय कु. पूजा पिता सुखदेव प्रधान उसकी चपेट में आ गये और करंट से बुरी तरह झुलस गये और उनकी मौत हो गई। छोटे भाई और बहन को करंट की चपेट में आता देख उनका बड़ा भाई 13 वर्षीय गणेश प्रधान उन्हें बचाने के लिये दौड़ा तो वह भी करंट की चपेट में आ गया और बुरी तरह झुलस गया। जिसे गंभीर हालत में उपचार के लिये अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने आवश्यक कार्यवाही करते हुए मर्ग कायम कर मामले को जांच में लिया है।

विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप

हादसे के बाद मौके पर लगी भीड़ ने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है। क्षेत्रीयजनों का कहना है कि आसपास के कई स्थानों पर विद्युत तार झूल रहे है, जो कि हादसे का कारण बनते है। जिस तार से हादसा हुआ, वह बीते दिवस ही टूटकर नीचे आ गया, जिसमें करंट फैला था। जिसकी जानकारी स्थानीय विद्युत विभाग कार्यालय में दी गई थी, लेकिन कोई कार्यवाही नहीं हुई। जिस पर शनिवार को दो बच्चों की मौत हो गई। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के ईई नवनीत राठौर ने बताया कि घटना के जांच नियमानुसार करवाई जायेगी। पीडित परिवार को जल्द उचित मुआवजा दिया जायेगा।

विजय नगर में भी हाईटेंशन लाइन से हुई थी मौत, मकान मालिक पर प्रकरण दर्ज

विजय नगर एसबीआई चौक के पास मनोज लोधी के मकान में काम के दौरान विगत 19 मार्च को गढ़ा छोटी बजरिया निवासी 45 वर्षीय अरविंद पिता भुजवल सिंह सोलंकी समीप से गुजरी हाईटेंशन लाईन की चपेट में आ गया था। जिसे उपचार के लिये मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जिसकी उपचार दौरान मौत हो गई। पुलिस ने उक्त मामले में जांच उपरांत मकान मालिक मनोज लोधी के खिलाफ लापरवाही व उपेक्षापूर्ण कार्य कराया जाने पर उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। इस दुखद हादसे को लेकर क्षेत्र में चर्चाओं का बजार गर्म है। यह और बात है कि फिलहाल पुलिस ने मामला कायम कर जांच शुरु कर दी है। कार्रवाई में तेजी की भी बात की जा रही है।

मुख्यमंत्री इंदौर में आयोजित बिहारी समाज के स्नेह मिलन कार्यक्रम में हुए शामिल, बोले-

बिहार ने विकास के नए आयाम गढ़े

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को इंदौर में बिहारी दिवस के उपलक्ष्य में वृहद बिहारी समाज स्नेह मिलन कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने बिहार और बिहार के निवासियों की योग्यता, बुद्धिमत्ता और श्रमशीलता की सराहना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बिहार और मध्यप्रदेश का प्राचीन काल से ही गहरा नाता रहा है। भारत देश के वैभवकाल में पाटलिपुत्र और अवंतिका सत्ता के दो केंद्र हुआ करते थे। सम्राट अशोक की राजधानी पाटलिपुत्र रही, लेकिन उनकी संतति ने मध्य प्रदेश से ही श्रीलंका में बौद्ध धर्म के प्रचार की नींव रखी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ गंगा के पावन जल में मध्यप्रदेश की नदियों का जल भी समाहित है। मध्यप्रदेश से निकलने वाली अनेक नदियाँ अंततः गंगा में जाकर समाहित होती है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में बिहार ने विकास के नए आयाम गढ़े हैं और आने वाले दिनों में विकास का यह पहिया और भी तेज़ी से घूमेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंदौर में बिहारी समाज की माँग पर यहाँ छठ पूजन के लिए घाट विकसित करने और छठ मेला आयोजित किए जाने की घोषणा भी की। कार्यक्रम में बिहार से आए सांसद रविशंकर प्रसाद, विधायक सुश्री गायत्री देवी, प्रदेश के नगरीय एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, सांसद शंकर लालवानी, राज्यसभा सदस्य सुश्री कविता पाटीदार सहित विधायकगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश में विकास के कार्य लगातार किये जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि 12, 13 और 14 अप्रैल को सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का मंचन दिल्ली में होने वाला है। आगामी 30 मार्च को गुढ़ी पड़वा है। ऐसे में गुढ़ी पड़वा के बाद नये वर्ष में विक्रम संवत् का प्रवर्तन करने वाले महानायक के जीवन के विविध गुणों से आज पूरा देश गौरवान्वित है। उन्होंने बताया कि महानायक विक्रमादित्य के विक्रम संवत के अवसर पर मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दिल्ली में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने प्रबुद्धजन सम्मेलन को किया संबोधित, कहा-

बिहार के छात्र आंदोलन से निकली सोच ही आज देश की सेवा कर रही है

भोपाल, देशबन्धु। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि बिहार ने दुनिया को लोकतंत्र की शिक्षा देने का कार्य किया है। आपातकाल के बाद लोकतंत्र को पुनर्जीवित करने की शुरूआत भी बिहार से हुई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बिहार के छात्र आंदोलन से निकली सोच को आगे बढ़ाकर देश की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद के सालों में राज्यों की संस्कृति और उत्सवों को दूसरे राज्यों में मनाना कुछ कम हो गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस परंपरा को पुनर्जीवित करने का कार्य किया है। इसके लिए भाजपा ''एक भारत श्रेष्ठ भारत'' नाम का अभियान चला रही है।

श्री शर्मा आज बिहार दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित प्रबुद्धजन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बिहार के लोग अपनी कर्मठता और कर्मशीलता से देश-विदेश में जहां भी हैं, उस राज्य व देश को आगे ले जाने का कार्य कर रहे हैं। जब मैंने छात्र राजनीति में कदम रखा तो मुझे किसी पर सबसे अधिक भरोसा था तो वह बिहार का रहने वाला एक भाई था। यह भरोसा बिहार के लोग अपनी मेहनत और ईमानदारी से जहां रहते हैं, वहां बना लेते हैं। बिहार के लोग कठिन परिस्थितियों में भी रहकर खुद को वहां की परिस्थिति में ढालकर उस शहर व राज्य के विकास के लिए दिन रात-प्रयासरत रहते हैं। मध्यप्रदेश के विकास में भी बिहार के लोगों का अमूल्य योगदान है। उन्होंने कहा कि बिहार ने मध्यप्रदेश में भाजपा को कई नेता दिए हैं। स्वर्गीय प्रभात झा हमारी पार्टी के मध्यप्रदेश के अध्यक्ष रहे हैं, वे बिहार के रहने वाले थे। भोपाल के 3 बार के जिला अध्यक्ष और विधायक रहे स्वर्गीय सुरेन्द्रनाथ सिंह भी पूर्वांचल के रहने वाले थे। भाजपा के वर्तमान जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति भी वहीं से आते हैं। इन सभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने मध्यप्रदेश के विकास को आगे ले जाने का कार्य किया है। इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश महामंत्री व बिहार दिवस के प्रभारी रणवीर सिंह रावत, सह प्रभारी विजय दुबे, पूर्व मंत्री रामनिवास रावत सहित भोपाल में निवासरत बिहार के प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

जन्मभूमि और कर्मभूमि में समन्वय बनाकर काम करें : सत्यपाल

बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेता सत्यपाल नरोत्तम ने कहा कि भोपाल में ऐसा लग ही नहीं रहा कि मैं बिहार से बाहर हूं। आप लोगों की भीड़ और उत्साह देखकर लग रहा है कि भोपाल मिनी बिहार है। यहां छठ पर्व के लिए सवा सौ से अधिक समितियां हैं, इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि यहां के लोग पूर्वांचल और बिहार के लोगों और हमारे त्यौहार व उत्सवों को कितना आत्मीयता के साथ मनाते हैं। आप सभी बिहार के मूल निवासी अपनी जन्मभूमि और कर्मभूमि में समन्वय बनाकर बिहार को विकसित राज्य बनाने में अपनी भूमिका निभाएं।

बिहार दिवस पर राजधानी में जुटेगा भोजपुरी समाज, स्नेह सम्मेलन आज

भोपाल, देशबन्धु। बिहार दिवस के अवसर पर 23 मार्च को राजधानी में भोजपुरी समाज द्वारा स्नेह सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान बिहार के कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी जाएगी तथा स्नेह भोज भी होगा। यह जानकारी बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेता सत्यपाल नरोत्तम ने आज पार्टी के प्रदेश कार्यालय में बिहार दिवस पर पार्टी द्वारा आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों को लेकर मीडिया से चर्चा के दौरान दी। उन्होंने कहा कि बिहार के लोगों ने अपने काम से पूरे देश में अपनी पहचान बनाई है। बिहार के प्रवासी देश की आर्थिक प्रगति के शिल्पकार हैं। उन्होंने कहा बिहार की मिट्टी में आपका इतिहास है और हम सभी का सपना है कि बिहार एक बार फिर अतीत की तरह गौरवशाली बने।

इस अवसर 9 दिवसीय अभियान की जानकारी देते हुए पार्टी के जिला अध्यक्ष रवींद्र यति ने बताया कि रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में भोजपुरी समाज का स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा, बिहार सरकार के कैबिनेट मंत्री राजू कुमार सिंह, बिहार के वरिष्ठ नेता सत्यपाल नरोत्तम उपस्थित रहेंगे।

नवकरणीय ऊर्जा में 5.72 लाख करोड़ से अधिक का निवेश

मप्र सौर ऊर्जा उत्पादन में अग्रणी बनने की ओर अग्रसर

सृजित होंगे 1.4 लाख से अधिक रोजगार के अवसर

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता 32 गुना बढ़ी है, जिससे भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सौर ऊर्जा उत्पादक देश बन गया है। उन्होंने वर्ष 2030 तक कुल नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन 500 गीगावाट तक करने का लक्ष्य तय किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के विजन को साकार करने मध्यप्रदेश सौर ऊर्जा के क्षेत्र में नया इतिहास रच रहा है। प्रदेश की नवकरणीय ऊर्जा क्षमता पिछले एक दशक में 14 गुना से अधिक बढ़ी है। राज्य सरकार की ठोस नीतियां, निवेश अनुकूल माहौल और तकनीकी नवाचार इसे 'सूर्य देव का वरद प्रदेश' बना रहे हैं।

जीआईएस-भोपाल में मध्यप्रदेश की टेक्नोलॉजी एग्नोस्टिक रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी के कारण नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में भारी निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जीआईएस-भोपाल के उद्घाटन अवसर पर कहा कि विगत दशक में भारत के ऊर्जा क्षेत्र में जबरदस्त प्रगति हुई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बताया कि पिछले 10 वर्षों में अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में 70 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ है। इससे स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में 10 लाख से अधिक रोजगार सृजित हुए। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने इस विकास में मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और बताया कि मध्यप्रदेश वर्तमान में लगभग 31,000 मेगावाट की विद्युत उत्पादन क्षमता रखता है, जिसमें से 30त्न हरित

ऊर्जा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि सौर ऊर्जा भविष्य की अर्थव्यवस्था का केंद्र बनेगी। मध्यप्रदेश ने अक्षय ऊर्जा के लक्ष्य को प्राप्त करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्तमान में राज्य की कुल अक्षय ऊर्जा क्षमता राज्य की कुल ऊर्जा क्षमता का लगभग 21 प्रतिशत है।

मध्यप्रदेश सरकार नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में 5,21,279 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित कर रही है, जिससे 1,46,592 नौकरियाँ सृजित होंगी। जीआईएस-भोपाल में नवकरणीय ऊर्जा सेक्टर में अवाडा एनर्जी, एमकेसी इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड, एक्सिस एनर्जी वेंचर, एनएसएल रिन्यूएबल पॉवर प्राइवेट लिमिटेड, टोरेंट पॉवर और जिंदल इंडिया रिन्यूएबल एनर्जी जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों ने निवेश प्रस्ताव दिए हैं। इस निवेश से राज्य में अक्षय ऊर्जा उत्पादन को गति मिलेगी और औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

राज्य सरकार के ठोस प्रयासों से मध्यप्रदेश ग्रीन-एनर्जी हब के रूप में उभर रहा है। वर्तमान में राज्य में 5 बड़ी सौर परियोजनाएँ हैं, जिनकी कुल उत्पादन क्षमता 2.75 गीगावाट (2,750 मेगावाट) है। सरकार वर्ष-2030 तक नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को 20 गीगावाट (20,000 मेगावाट) तक करने के लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए कार्य कर रही है।

नीमच और मुरैना : वैश्विक स्तर के सौर पार्क

प्रदेश में बड़ी सौर परियोजनाएं आकार ले रही हैं, जिनमें नीमच 170 मेगावाट सौर परियोजनाऔर मुरैना हायब्रिड उत्पादन और स्टोरेज पार्क शामिल हैं। नीमच सौर परियोजना में अब तक 100 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण किया जा चुका है और परियोजना क्रियाशील हो चुकी है। भारतीय रेलवे और मध्यप्रदेश पॉवर मैनेजमेंट कंपनी (एमपीपीएमसीएल) के लिए ये परियोजना महत्वपूर्ण है, क्योंकि वर्तमान में भारतीय रेल को ऊर्जा की आपूर्ति मध्यप्रदेश से ही की जा रही है। मुरैना हायब्रिड उत्पादन और स्टोरेज पार्क में दिन में सौर ऊर्जा उत्पादन कर संग्रह किया जाएगा, जबकि रात में पीक-ऑवर में इस संग्रहित विद्युत ऊर्जा की आपूर्ति की जाएगी। इस पार्क में उन्नत ऊर्जा प्रबंधन तकनीकों का उपयोग किया जाएगा।

किसानों के लिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता

मध्यप्रदेश सरकार किसानों को अतिरिक्त आय और ऊर्जा आत्मनिर्भरता देने के लिए कुसुम योजनाको बढ़ावा दे रही है। इस योजना के अंतर्गत कुसुम-ए योजना में अब तक 1490 मेगावाट क्षमता के संयंत्र स्वीकृत कर उनमें से 570 मेगावाट क्षमता के संयंत्रों का चयन किया जा चुका है। इनमें से अब तक 39 मेगावाट क्षमता के संयंत्र स्थापित भी किये जा चुके हैं। कुसुम-सी योजना में अब तक 3000 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं क्रियान्वित हो चुकी हैं। इनमें से 529 मेगावाट क्षमता की चयनित परियोजनाओं में से 40 मेगावाट क्षमता के संयंत्र स्थापित हो चुके हैं।

पतंजलि रिसर्च अनुसंधान में नाबार्ड के प्रतिनिधियों ने किया दौरा

हरिद्वार, देशबन्धु। भारत के शीर्ष राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) द्वारा प्रायोजित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, राज्य सहकारी बैंकों और जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों के लिए शीर्ष पर्यवेक्षी निकाय के रूप में एक दिवसीय आयोजन पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन के सभागार में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों में निवेश और समतापूर्ण कृषि को बढ़ावा देने पर केंद्रित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए आयुर्वेद शिरोमणि आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि नाबार्ड ग्रामीण उद्यमों के विकास के लिए देश की सबसे महत्त्वपूर्ण संस्था है। इसकी कई योजनाएँ पशुपालन के लिए हैं, जिनमें किसान क्रेडिट कार्ड योजना, ब्याज़ सहायता योजना, दीर्घावधि ऋण और पशुपालन आधारभूत संरचना विकास निधि आदि हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य पूंजी निवेश, स्थिर आय और रोजगार के अवसरों को बढ़ाना है। नाबार्ड भारत में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और सहकारी बैंकों का संचालन करता है, साथ ही कृषि प्रक्रियाओं को बेहतर बनाता है। इसके अलावा, नाबार्ड ने ग्रामीण क्षेत्रों में नवाचारों, सामाजिक बदलाव और सामाजिक उद्यमों की स्थापना में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने पतंजलि की भावी योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कृषि क्षेत्र में पतंजलि की कार्य योजनाओं में किसानों की आय बढ़ाना, जैविक खेती को प्रोत्साहित करना और प्राकृतिक खेती के तरीकों को अपनाना शामिल है। वर्तमान समय डिजिटल क्रांति का है और पतंजलि ने भरूआ सोल्यूशन के अंतर्गत बी-बैंकिंग के माध्यम से किसानों को डिजिटल रूप से जोड़कर उनके ऋण की पारदर्शिता सुनिश्चित की है। इसके साथ ही पतंजलि के माध्यम से किसानों को उनके उत्पादों का उचित मूल्य भी मिल रहा है। नाबार्ड के अध्यक्ष ने कहा कि सरकारी प्रयासों और कार्यकलापों के परिणामस्वरूप नाबार्ड का सहयोग पतंजलि के साथ है। पतंजलि और नाबार्ड मिलकर प्रभावी तरीके से सृजन कार्य कर सकते हैं। नाबार्ड प्रतिनिधि सुमन कुमार ने बताया कि संस्था ग्रामीण क्षेत्रों में कृषि, लघु उद्योग, हस्तशिल्प, ग्रामोद्योग और अन्य संबंधित आर्थिक गतिविधियों के विकास और संवर्धन के लिए ऋण प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, यह ग्रामीण शिल्प को नियमित करने, अन्य सुविधाएँ देने और उनसे जुड़ी समस्याओं का समाधान करने के लिए भी अधिकृत है। भरुवा एग्री साइंस के कवींद्र सिंह ने 'राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक' के कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि नाबार्ड अपने लाभ का उपयोग विकास कार्यों में करता है, जिसके परिणामस्वरूप नाबार्ड ने ग्रामीण समुदायों के साथ एक सशक्त विश्वास पूंजी तैयार की है। पतंजलि रिसर्च अनुसंधान की प्रमुख डॉ. वेदप्रिया आर्या ने राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद के विषय में जानकारी दी। इस दौरान, नाबार्ड के प्रतिनिधियों ने पतंजलि फूड, पतंजलि हर्बल गार्डन और अनुसंधान केंद्र का दौरा किया और पतंजलि के प्रयासों की सराहना की। नाबार्ड प्रतिनिधियों में पंकज यादव, सुमन कुमार, भूपेन्द्र कुमावत, गुरविंदर सिंह आहूजा, शोभना सिंह, पूजा, हिमांशु फरत्याल आदि की मुख्य भूमिका रही। कार्यक्रम के समापन पर आचार्य बालकृष्ण जी ने अतिथियों का धन्यवाद किया।

मणिपुर पहुंचा सुप्रीम कोर्ट के जजों का प्रतिनिधिमंडल

शांति व सद्भाव बहाल करने लोगों से मिलकर काम करने की अपील

चुराचांदपर में मणिपुर की जातीय हिंसा के विस्थापितों से की मुलाकात

इंफाल, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह वाला प्रतिनिधिमंडल शनिवार को मणिपुर पहुंचा। उन्होंने जातीय संघर्ष से ग्रस्त राज्य के लोगों से शांति और सद्भाव बहाल करने के लिए मिलकर काम करने की अपील की। प्रतिनिधिमंडल ने चुराचांदपर में मणिपुर की जातीय हिंसा के विस्थापितों से मुलाकात की। राहत शिविरों का दौरा भी किया। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल बिष्णुपुर के मोइरांग कॉलेज पहुंचा। चुराचांदपुर में 295 विधिक सेवा शिविर, स्वास्थ्य शिविर और विधिक सहायता क्लिनिक का जस्टिस गवई ने उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि हमारे संविधान का उद्देश्य सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय पहुंचाना है। सभा को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि भारत का संविधान देश के सभी नागरिकों को समान अधिकारों की गारंटी देता है। जस्टिस ने कहा कि देश के सभी नागरिकों को तुरंत और सस्ता न्याय (कम से कम खर्च में) उपलब्ध कराना है। हमने देश के उन दूर-दराज भागों तक पहुंचने का प्रयास किया, जो दिल्ली से बहुत दूर हैं। उन्होंने कहा कि ऐरे सिद्धांत बहुत जरूरी है जो किसी न्यायपूर्ण समाज के लिए, सुलभता, न्याय तक पहुंच, स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच बनाए। साथ ही लोगों को सम्मानजनक जीवन जीने के लिए सशक्त बनाते हैं। उन्होंने कहा कि मणिपुर लोगों को बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन आपको यह समझना चाहिए कि हमारे संविधान ने हमें एकजुट रखा है।

वहीं, जस्टिस कोटिश्वर सिंह ने कहा कि मेरा मानना है एक दिन मणिपुर समृद्ध होगा। हमें अपने संविधान पर भरोसा रखना चाहिए। मणिपुर में एक दिन शांति स्थापित होगी और वह सफल होगा। हमें मिलकर यहां राहत पहुंचाने का काम करना चाहिए। कोटिश्वर सिंह ने कहा कि हमें आगे देखना चाहिए और भविष्य के बारे में सोचना चाहिए। हमें अतीत, दर्द या त्रासदी में नहीं जीना चाहिए। हमें एक उज्ज्वल भविष्य की ओर देखना चाहिए। इसमें समय लग सकता है, लेकिन हमें उम्मीद रखनी चाहिए और सकारात्मक रहना चाहिए। मंत्री ने जजों के दौरे का भी स्वागत किया, लेकिन राज्य में संवैधानिक व्यवस्था के पतन के बावजूद राष्ट्रपति शासन लागू करने में देरी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हम मणिपुर गए छह न्यायाधीशों का स्वागत करते हैं, लेकिन सवाल यह उठता है कि जब सुप्रीम कोर्ट ने 1 अगस्त, 2023 को खुद कहा था कि मणिपुर में संवैधानिक व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो चुकी है तो राष्ट्रपति शासन लगाने में 18 महीने क्यों लग गए। जराम रमेश ने संसद में गृह मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा के दौरान मणिपुर की स्थिति पर बात न करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि कल गृह मंत्री ने अपने गृह मंत्रालय के कामकाज के बारे में राज्यसभा में करीब चार घंटे तक जवाब दिया, लेकिन उन्होंने मणिपुर के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहा। उन्होंने अमित शाह की मिजोरम जाने, लेकिन मणिपुर न जाने के लिए भी आलोचना की। कांग्रेस नेता ने कहा कि गृह मंत्री मिजोरम जाते हैं, वे मणिपुर क्यों नहीं गए। और मिजोरम के मुख्यमंत्री ने अमेरिका जाकर जो बातें कही हैं, वे कई सवाल खड़े करती हैं।

विस्थापित लोग हमसे पीछे न छूटें

जस्टिस गवई ने कहा कि हमारा नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है कि विस्थापित लोग हमसे पीछे न छूटें। उनकी आईडेंटिटी, डॉक्यूमेंट्स, संपत्ति का अधिकार या फिर मुआवजे के मामलों में पूरा अधिकार प्राप्त हो। उन्होंने कहा कि मणिपुर राज्य और मणिपुर राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने 265 कानूनी सहायता क्लिनिक स्थापित किए हैं। विस्थापित समुदायों के भीतर स्थापित कानूनी सहायता क्लिनिक मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करेंगे। जस्टिस गवई ने कहा कि मैं सभी विस्थापित व्यक्तियों से इन सेवाओं का लाभ उठाने का आग्रह करता हूं। उन्हें आश्वस्त करता हूं कि हम उनके जीवन के पुनर्निर्माण की दिशा में उनके साथ खड़े हैं।

प्रधानमंत्री मोदी कब आएंगे मणिपुर : जयराम

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट के जजों के प्रतिनिधिमंडल के मणिपुर पहुंचने पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि राज्य में दो साल पहले हिंसा भड़की थी, लेकिन उन्होंने एक बार भी राज्य का दौरा नहीं किया है। जयराम रमेश बोले, यह अच्छी बात है कि सुप्रीम कोर्ट के जज मणिपुर गए हैं, लेकिन बड़ा सवाल यह है कि प्रधानमंत्री कब आएंगे उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से मणिपुर का दौरा करने का भी आग्रह किया और कहा, हमें उम्मीद है कि बैंकॉक जाते समय या बैंकॉक से लौटते समय प्रधानमंत्री मणिपुर का दौरा करने के लिए कुछ समय निकालेंगे। प्रधानमंत्री का दौरा प्रदेश के लोगों के दर्द को कम करने के लिए महत्वपूर्ण है।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमिटेड फौजदार गैरेज पवारखेड़ा इटारसी रोड नर्मदापुरम से मुद्रित एवं 45, वार्ड नं. 6, कसेरा मुहल्ला नर्मदापुरम म.प्र. से प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन**, फोन 422297। ई-मेल deshbandhuhbd1@gmail.com समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।